

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 47] नई बिल्ली, शनिवार, नवम्बर 25, 1978 (अग्रहायण 4, 1900) No. 47] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 25, 1978 (AGRAHAYANA 4, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या बी जाती है जिससे कि यह अलग संकल्प के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग Ш....धन्धः 1

#### PART III-SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं (Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा भ्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 27 अक्तूबर 1978

सं० ए० 32013/2/77 प्रशा० 1(1)—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा कालीकट क्षेत्रीय इंजीनियरी कालिज कालीकट के लेक्चरर और संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थानापन्न अवर सिंघ डा० आर० भास्करन, को संघ लोक सेवा आयोग (स्टाफ) विनियमावली 1958 के विनियम 7 के साथ पठित विनियम 4 के परन्तुक के अधीन 18-10-78 के पूर्वाह्म से 17-1-1979 तक, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32013/2/77-प्रकार I(I)—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आकाशवाणी, महानिदेशालय के सहायक योजना अधिकारी और संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थानापन्न श्रवर सचिव श्री बीं० एन० वैद्यनायन को संघ लोक सेवा आयोग (स्टाफ) विनिद्यमावली 1958 के विनिद्यम 7 के साथ पठित विनिद्यम 4 के परन्तुक के अधीन 18-10-1978 के पूर्वाह्म से 17-1-1979, श्रथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, 1—34601/78

संघ लोक सेवा भ्रायोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर स्थानापक रूप से तदर्थ भ्राधार में कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है। एन० बालचन्द्रन,

ग्रवर सचिव

कृते श्रष्ट्यक्ष संघ लोक सेवा श्रामोग

नई दिल्ली-110011, विनांक 18 अक्तूबर 1978

सं० ए० 32014/1/78-प्रशाठ-III— संघ लोक सेवा प्रायोग में केन्द्रीय सचिवालैंय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री बी० प्रार० बसरा को, राष्ट्रपति द्वारा 3-10-78 से 17-11-78 तक की श्रवधि के लिए, श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के श्रनुभाग श्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

(एस० बालाचन्द्रन)

नई दिल्ली-110011, दिनांक 21 प्रक्तूबर 1978

सं० ए० 32013/1/77-प्रशा०-I—राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में निम्नलिखित श्रधिकारियों को 1-9-78 से 16-10-78 तक की श्रवधि के लिए श्रवर सचिव के पद पर केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है ।

#### ऋम सं० नाम

- श्री टी० एन० चन्ना (के० सै० से० के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी)।
- श्री बी० बी० मेहरा (के० स० स्टे० स० के ग्रेड क के स्थायी ग्रिधिकारी) ।

### दिनांक 28 ग्रन्तुबर 1978

सं० ए० 32013/1/77-प्रणा० I—संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के निम्नलिखित स्थायी श्रनुभाग श्रधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा उनके सामने निर्दिष्ट श्रवधि के लिए अथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड-I में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

फ्न० सं०	नाम	श्रवधि
2.	श्री बी० भ्रार० वर्मा श्री बी० एस० जगोपोता श्री पी० सी० माथुर	17-9-78 से 1-11-78 तक 22-9-78 से 6-11-78 तक 1-10-78 से 15-11-78 तक

एस० बालचन्द्रन प्रवर सचिव संघ लोक सेवा आयोग

#### गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० सु० विभाग केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्युरो

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1978

सं० ए० 19036/18/78-प्रणा-5— निवेशक, केन्द्रीय धन्नेषण ब्यूरो एवं पुलिस महा-निरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतल्हारा, पंजाब पुलिस के प्रधिकारी तथा केन्द्रीय प्रन्वेषण ब्यूरो के पुलिस निरीक्षक श्री राम स्वरूप को दिनांक 22-7-78 के पूर्वाह्न से श्रगल श्रावेश तक के लिये केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस उप-श्रधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19036/24/78-प्रणा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, अपने प्रसाद से श्री जी० एस० कपिला केन्द्रीय अन्वषण ब्यूरो के स्थापी निरीक्षक को दिनांक 21-9-78 के पूर्वाह्न से तदर्थ आधार पर स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में प्रोन्नत करते हैं।

रिपुदमन सिंह, प्रशासनिक ग्रधिकारी (लेखा) केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो महानिवेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110001, दिनांक 3 नवम्बर 1978

सं० ग्रो० टो० 163/75-स्थापना—मजर हुकम चन्द्र (श्रवकाण प्राप्त) ने प्रतिनियुक्ति की ग्रवधि समाप्ति पर सहायक कमांडेंट ए० डब्ल्यू० एस०, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बस, रामपुर के पद का कार्यभार दिनांक 24/9/78 (श्रपराह्न) से त्याग दिया।

सं० पी० भ्राठ-4/76-स्थापना-V—राष्ट्रपति श्री एस० पी० श्रीवास्तव, सूत्रेदार को पदोन्नति पर अस्थायी रूप से श्रागामी श्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में उप-पुलिस अधीक्षक (कम्पनी कमांडर/क्वार्टर मास्टर) के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. उसने, संचार निदेशालय (वित्त मंत्रालय) से प्रत्यावर्तन पर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की पहली सिगनल वाहिनी में अपने पद का कार्यभार दिनांक 1-10-78 (पूर्वाह्म) से सम्भाल लिया है।

#### दिनांक 4 नवम्बर 1978

सं० घ्री० दो० 1218/75-स्थापना—श्री शिव नारायण सिंह ने उनके सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप उप-पुलिस श्रधीक्षक, 21 वाहिनी, के० रि० पु० बल के पद का कार्यभार 30-9-78 (प्रपराह्म) को त्याग दिया।

सं ब्रो॰ दो॰ 1088/78-स्थापना—-राष्ट्रपति, डाक्टर रमाकात बहुँडा को अस्थायी रूप से ब्रागामी ब्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी॰ डी॰ ग्रो॰ ग्रेड-दो (डी॰ एस॰ पी॰/कम्पनी कमांडर) के पद पर 12 सितम्बर, 1078 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

सं० श्रो० दो० 1089/78-स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर सुभाष चन्द्र को श्रस्थाई रूप से श्रागामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में सीनियर मेडिकल श्राफिसर (कमांडेंट) के पद पर 14 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते ह।

सं० श्रो० दो० 1093/78-स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर उमेश गौतम को ग्रस्थाई रूप से श्रागामी ग्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ग्रो० ग्रेड दो (डी० एस० पी०/ कम्पनी कमांडर) के पद पर 27 सितम्बर 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

> ए० के० बन्दोपाध्याय, सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल नई दिल्ली-19, दिनांक 4 नवम्बर 1978

सं० ई-16014(1)/22/73-कार्मिक—निवर्तन की श्रायु होने पर श्री परषोत्तम सिंह, ने दिनांक 31 श्रक्तूबर, 1978 के श्रपराह्न से के० श्रो० सु० व० मुख्यालय, नई दिल्ली, के सह।यक महानिरीक्षक (वि० व नि०) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> श्रमर भल्ला सहायक महानिरीक्षक (प्रशासन) के० औं० सु० व० मुख्यालय

सं० ई-38013(3)/1/78-कामिक—फरक्का से स्थानांतरण होने पर, श्री पी० एन० देव ने श्री एस० के० ताह, सहायक कमांडेंट के स्थान पर दिनांक 7 अक्तूबर, 1978 के पूर्वाह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट, आई० औ० जी० रिफाइनरी, गोहाटी के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। फरक्का में स्थानांतरण होने पर श्री ताह ने उक्त पद का कार्यभार उसी तारीख से छोड़ विया।

सं० ई-38013(3)/1/78-कार्मिक—कोचीन में स्थानांतरित होने पर, श्री एम० ग्रार० दिनेशन ने दिनांक 28 सितम्बर, 1978 के ग्रपराह्म से के० ग्री० सु० ब० यूनिट, बी० पी० टी०, विशाखापटनम के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई-38013(3)/1/78-कार्मिक—दिल्ली में स्थानांतरित होने पर, श्री जॉन चौहान ने दिनांक 7 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से के० ग्री० सु० ब० यूनिट, एच० ई० सी० रांची के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड दिया।

सं० ई-38013(3)/1/78-कामिक—दिल्ली से स्थानांतरित होने पर, श्री ए० एस० भट्टी ने दिनांक 14 श्रक्तूबर, 1978 के श्रपराह्म से के० औ० सु० ब० यूनिट, श्रार० सी० एफ० लि०, ट्राम्बे, बम्बई के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई-38013(3)/1/78-कार्मिक—नागालैण्ड से स्था-नांतरित होने पर श्री ग्रार० एन० सरकार ने दिनांक 5 सितम्बर 1978 के पूर्वीह्न से के० ग्री० सु० ब० यूनिट ग्रार० एस० पी० राउरकेला के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

> नरेन्द्र प्रसाद सहायक महानिरीक्षक (मार्मिक) के० श्री० सु० ब० मु**क्**यालय

भारत के महापंजीयक का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 28 श्रक्तूबर 1978 आवेश

सं० 19/37/76-प्रणासन-1—यतः पंजाब में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय के सहायक संकलनकर्ता श्री वासु देव, सक्षम प्राधिकारी को किसी भी प्रकार की सूचना दिए बिना या उनकी श्रनुमति के बिना 24 मई, 1976 से कार्यालय से लगातार श्रनु-पस्थित हैं;

भीर यत: इस प्रकार इ्यूटी से लगातार भनुपस्थिति घोर भवचार है जिससे श्री वासुदेव के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है;

श्रीर यतः इस समय श्री वासुदेव का ठोर ठिकाना ज्ञात नहीं है श्रीर केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण श्रीर श्रपील) नियम 1965 में उपबंधित तरीके में श्री वासुदेव के विरुद्ध जांच करना युक्तियुक्त तौर पर साध्य नहीं है।

भ्रोर यतः मामले की परिस्थितियों से श्रधोहस्ताक्षरी यह समझते हैं कि उक्त श्री वासुदेव को नौकरी से हटाना ठीक है।

ग्रतः अब ग्रधोहस्ताक्षरी केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण ग्रौर ग्रपील) नियम 1965 के नियम 19 $({
m II})$  द्वारा

प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस ग्रादेश के जारी होने की तारीक से उक्त श्री बासुदेव को एतद्द्वारा नौकरी से हटाते हैं। पी० प्रधनाभ

> भारत के महापंजीकार भ्रौर जनगणना आयुक्त, अनुशासनिक प्राधिकारी

#### वित्त मंद्रान्तय

(आर्थिक कार्य विभाग) कागज प्रतिभूति कारखाना होशंगाबाद, दिनांक 6 श्रक्तूबर 1978

सं० 7(44)/5657—इस कार्यालय की श्रिधिसूचना क० 7(44) 4418 दिनांक 28-8-78 के ग्रागे श्री एस० एस० मंकी जिन्हें श्री ए० के० घोष, सहायक कार्य प्रबन्धक के मुख्य रसायनज्ञ के पद पर तदर्थ ग्राधार पर नियुक्ति के कारण पदोन्नत किया गया था, उन्हें दिनांक 1-9-78 से श्री ग्रार० ग्रार० राव, सहायक कार्य प्रबन्धक के उसी तारीख से उप कार्य प्रबन्धक के रूप में पदोन्नति के कारण स्थायी रिक्ति पर संगठित माना जावेगा।

शा० रा० पाठक, महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश ग्वालियर, दिनांक 3 नवम्बर 1978

सं० स्थापना-1/292—महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश ने निम्नलिखित स्थाई/स्थानापन्न ग्रनुभाग ग्रिधकारियों को स्थानापन्न क्षमता में लेखा-ग्रिधकारी के पद पर वेतनमान रूपए 840-40-1000—द० ग्र0-40-1200 में उनके नाम के ग्रागे दशिये गये दिनांक से पदोन्नत किया है:—

#### सर्वेश्री---

- भो० एल० जेठानी (02/255) 28-10-78 (पूर्वाह्म)।
- के० एन० खण्डेलवाल (02/241) 21-10-78 (ग्रपराह्न)
- एस० पी० बी० शुक्ला (02/242) 26-10-78 (पूर्वाह्म)
- 4. राम खिलाड़ी (02/568)

21-10-78 (अपराह्न)

ग्रनुसूचित जाति के

5. सोवरन सिंह (02/563) 21-10-78 (अपराह्म) ग्रारक्षित स्थान में

ए० म्रार० शाक्यवार (02/569)
 25-10-78 (पूर्वाह्म)

कृष्ण गोपाल, वरिष्ठ उप महालेखाकार/ प्रशासन

#### रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 1 नवम्बर 1978

सं० 4771/प्रणा०-II---58 वर्ष की श्रायु प्रात कर लेने पर, श्री सी० पी० रामचन्द्रन, रक्षा लेखा महानियंत्रक, दिनांक 31-10-1978 (श्रपराह्र) से पेंशन स्थापना को श्रन्तरित कर दिए गए श्रीर तदनुसार उनका नाम, रक्षा लेखा विभाग की नफरी पर नहीं रहा।

### दिनांक 2 नवम्बर 1978

सं० 3995/प्रणा०-II—-राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के वरिष्ठ प्रशासितिक ग्रेड के स्तर-I के एक अधिकारी श्री बी० एम० मेता की, रक्षा ते बा महातियंत्रक के पद पर स्थानापन्न के रूप में कार्य करने के लिए दिनांक 1 नवस्वर, 1978 पूर्वाह्म से आगामी आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

> म्रार० एल० बक्शी रक्षालेखा म्रपर महा नियंत्रक (प्रशा०)

#### रक्षा मंत्रालय

भारतीय श्रार्डनेन्स एवं उपस्कर फैक्टरियां कलकत्ता, दिनांक 27 श्रक्तूबर 1978

सं 10/78/ए/एम---राष्ट्रंपति जी निम्नलिखित प्रधि-कारियों को दर्शायी गई तारीख से नियुक्त करते हैं:---

नाम एवं पद	नियुनित स्थान	दिनांक
डा० बलराम शर्मा, सहायक चिकित्सा श्रधि- कारी	वैहिकल फैक्टरी, जबलपुर	27-8-78

के० सी० सक्सेना, क्रिगेडियर निदेशक स्वास्थ्य सेवाए क्रुते महानिदेशक आर्डनन्स फैक्टरीयां

वाणिज्य, नागरिक भ्रापूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय (वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्लो, दिनांक 2 नवम्बर 1978 श्रायात तथा निर्यात त्थापार नियंत्रण

सं० 6/422/53-प्रशासन (राज)/7811— सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, श्री पी० सी० सेन ने 30 सितम्बर, 1978 के अपराह्म से संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय, कलकता में उप-मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के पद का कार्य-भार छोड दिया।

(स्थापना)

### दिनांक 6 अक्तूबर, 1977

सं० 6/412/56-प्रशासन (राज०)/7817—इस कार्यालय के स्थानापन्न उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात श्री के० एन० कपूर का 15-9-1978 का निधन हो गया।

सं० 6/439/56-प्रशा० (राज०)/7826—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रवरण वर्ग में स्थानापन्न धाधकारी श्रौर उप-मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात श्री तख्त राम को श्रगला श्रादेश होने तक 1 श्रगस्त, 1978 से इस कार्यालय में स्थानापन्न रूप से संयुक्त मुख्य नियंत्रक, स्रायात-निर्यात के रूप में नियृक्त करते हैं।

### दिनांक 6 नवम्बर, 1978

ूसं० 6/1266/78-प्रणा० (राज०)/7895---राष्ट्रपति, जहाजरानी तथा परिवहन मंत्रालय में भृतपूर्व निदेशक श्री बी० के० जुत्शी ग्राई० ए० एस० को ग्रगला श्रादेश होने तक 13 श्रक्तूबर, 1978 के श्रपराह्म से मुख्य नियन्त्रक, ग्रायात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में निर्यात श्रायुक्त के रूप में नियुक्त करते हैं।

> का० वें० शेषाद्रि, मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात

#### उद्योग मंद्रालय

(श्रौद्योगिक विकास विभाग)
विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 26 श्रक्तूबर 1978

सं० ए-19018(6)/73-प्रशासन (राजपितत)—केन्द्रीय श्रीजार कक्ष एवं प्रशिक्षण केन्द्र, कलकत्ता में वरिष्ठ पर्यवेक्षक के पद पर नियुक्त होने पर श्री ग्रार० विश्वनाथ राव ने दिनांक 2 ग्रगस्त, 1978 (श्रपराह्म) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास में सहायक निदेशक, ग्रेड-II (यांत्रिक) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ए-19018 (342) / 78-प्रशासन (राजपितत) — संघ लोक सेवा ब्रायोग की सिफारिशों के ब्राधार पर राष्ट्रपति, श्री जोगेश चन्द्र पांडे को दिनांक 2 सितम्बर, 1978 (पूर्वाह्न) से ब्रगले ब्रादेश जारी होने तक, लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (कांच/मृत्कला) के रूप में नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति होने पर श्री पांडे ने दिनांक 2 सितम्बर, 1978 (पूर्वाह्म) से णाखा संस्थान, राजकोट में सहायक निदेशक, ग्रेड-! (कांच/मुक्तला) पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ए-19018/348/78-प्रशासन (राजपन्नित)—संघ लोक सेवा ग्रायोग की संस्तुतियों के ग्राधार पर राष्ट्रपति, श्री पंकज मृषण कयाल को दिनांक 6 ग्रक्तूबर, 1978 (पूर्वाह्म) से ग्रगले ग्रादेश जारी होने तक, लघु उद्योग विकास संगठन में उप निदेशक (कांच/मृत्कला) के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति होने पर श्री पंकज भूषण कयाल ने दिनांक 6 ग्रक्तूबर, 1978 (पूर्वाह्म) से विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) नई दिल्ली के कार्यालय में उप निदेशक (कांच/मृत्कला) पद का कार्यभार संभाल लिया ।

> महेन्द्र पाल गुप्त उप निवेशक (प्रशासन)

### वस्त्र ग्रायुक्त का कार्यालय

### बम्बई-20, दिनांक 6 नवम्बर 1978

सं० सी० ई० ग्रार०/6/78—मूती वस्त्र (नियंत्रण) घादेश, 1948 के खंड 34 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार को पूर्व-स्वीकृति से मैं एतद्द्वारा वस्त्र ग्रायुक्त की ग्रिथिस्वतः सं० टी० सी० (47/58 दिनांक 7 मार्चे 1958 में निम्नलिखित श्रतिरिक्त संशोधन करता है, ग्रर्थात् :—

उक्त श्रिधसूचना से संलग्न सारणी में कम संख्या 10 के सामने स्तम्भ 2और 3म विद्यमान प्रतिष्ठियों के स्थान पर निम्न-लिखित प्रतिस्थापित की जाएंगी, ग्रथति :——

1411	अत नातस्थावत का जाए	n, अपास् :	
	2		3
1	श्रौद्योगिक विकास श्रायुक्त एवं उद्योग श्रौर वाणिज्य निदेशक, बंगलूर	कर्नाटक राज्य	कर्नाटक
2.	खाद्य तथा नागरिक पूर्ति निदेशक बंगलूर	कर्नाटक राज्य	n
3.	भ्रपर निदेशकं उद्योग स्रोर वाणिज्य, बंगलूर	n	"
4.	उद्योग भ्रौर वाणिज्य के संयुक्त निदेशक एवं भ्रौद्योगिक सहकारी संस्थाभ्रों के पदेन संयुक्त पंजीयक बंगलर	11	n
5.	संयुक्त निदेशक खाद्य तथा नागरिक पूर्ति (अनीपचारिक राश- निंग), बंगलूर	(ग्रनौपचारिक राशनिंग क्षेत्र, बंगलूर)	IJ
6.	जिलों के उप-भ्रायुक्त	संबंधित राजस्व जिलों में	***
7.	जिला भौद्योगिक केन्द्रों के महा प्रबंधक (उद्योग भौर वाणिज्य के संयुक्त निदेशक)	संबंधित जिले में	"
8.	सहायक निदेगक खाद्य ग्रीर नागरिक पूर्ति (ना० पू०) बंगलूर	कर्नाटक राज्य	"
9.	जिलों के उप-ग्रायुक्तों के खाद्य ग्रीर नागरिक पूर्ति सहायक	•	कर्नाटक
10.	जिला श्रीद्योगिक केन्द्रों में सभी जिलों श्रीर उप-	उनके संबंधित अधिकार क्षेत्र में	,,

मंडलों के उप निदेशक

गण/सहायक निदेशक गण

2

3

कर्नानक

- 11. राजस्य उप-मंडलों के संबंधित राजस्य सहायक प्रायुक्त उप-मंडलों में
- जिलों के जिला बुनाई संबंधित जिलों में पर्यवेक्षक गण
- 13 सहायक निदेशक (शक्ति- सौंपे गए श्रिधिकार चालित करघे) उद्योग ग्रीर वाणिज्य, बंगल्र
- 14. सभी मंडलों के उद्योग संबंधित मंडलों में श्रौर वाणिज्य विभाग के तकनीकी सहायक (शक्तिचालित करधे)
- 15. राजस्व तालुकों के संबंधित तालुकों में तहसीलदार
- 16. तालुकों के खंड विकास ग्रिधकारी
- 17. नागरिक पूर्ति निरीक्षक उनके संबंधित गण अधिकार क्षेत्र, में
- 18. खाद्य निरीक्षक गण
- 19. राजस्व निरीक्षक गण

गौरीशंकर भागेंव, संयुक्त वस्त्र स्रायुक्त

# पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन श्रनुभाग-1)

"

नई दिल्ली, दिनांक 2 नवम्बर 1978

सं० प्र० 1/1(448)—पूर्ति तथा निपटान निदेशकः, कलकत्ता के कर्यालय में स्थानापन्न उप-निदेशक श्री डी०श्रार० बगची दिनांक 31-10-78 के श्रपराह्न से निवर्तमान श्रायु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

#### दिनांक 4 नवम्बर 1978

सं० प्र० 1/1(82)—-पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय, नई दिल्ली में स्थायी निवेशक ग्रीर स्थानापन्न उप महानिवेशक श्री पी० पी० कपूर नियर्तनमान श्रायु (58 वर्ष) होने पर दिनांक 31-10-78 के ग्रपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए।

सूर्य प्रकाश उप निदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

# इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग)

भारतीय खान ब्यूरो नागपुर, दिनांक 4 नशम्बर 1978

सं० ए/9012(105)/78-स्था० ए०--श्री एस० के० पटनायक, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भू-वैज्ञानिक) को दिनांक 20 अन्तूबर 1978 के पूर्वाह्म से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में वर्ग "ब" के पद में नियमित आधार पर स्थानापन्न सहायक खनन भूवैज्ञानिक के रूप में पदोन्नति प्रदान की जाती है।

> एस० बालगोपाल, कार्यालय अध्यक्ष भारतीय खान ब्यूरो

### भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

कलकत्ता-12, िनांक 3 नवम्बर, 1978

सं० एफ० 92-139/78-स्था०/18575—श्री परिमलेन्द्र हलदर, वरिष्ठ प्राणिविज्ञान सहायक, भारतीय प्राणि सर्वेक्षण, मुख्यालय कलकत्ता, को सहायक प्राणिवैज्ञानिक (ग्रुप 'बी') के पद पर 650 रू०—1200 रू० के वेतनमान में भ्रस्थाई श्राधार पर इसी विभाग के मुख्यालय कलकत्ता, में 2 नवम्बर, 1978 (पूर्वाह्म) से श्रागामी श्रावेशों तक नियुक्त किया जा रहा है।

> डा० टी० एन० श्रनन्तक्रुष्णन निदेशक भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

### स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई विल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1978

सं० ए० 12025/1/78-डी०—राष्ट्रपति ने डा० पी० दास गुप्ता को 26 प्रगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उप औषधि नियंयण (भारत) केन्द्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन, उत्तरी जोन, गाजियाबाद के कार्यालय में उप औषधि नियंत्रक (भारत) के पद पर पूर्णत: श्रस्थाई श्राधार पर नियुक्त किया है।

शामलाल कुठियाला, उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, विनांक 30 ग्रक्तूबर 1978

सं० ए० 31013/2/78-एस० टी०—-राष्ट्रपति ने चिकित्सा स्टोर डीपू के श्री डी० एस० देसीकन को 1 नवम्बर, 1976 से उप सहायक महानिदेशक (मैडिकल स्टोर) के पद पर रुपये 1100— 50-1600 के वेतनमान में स्थायी ग्राधार पर नियुक्त किया है।

> के० सी० मिश्रा, उप निदेशक प्रशासन (स्टोर)

नई दिल्ली, दिनांक 2 नवम्बर 1978

सं 13-10/75-प्रणासन-I---स्वास्थ्य सेवा पहानिवेशालय ने डा० (श्रीमती) मंजीत कौर को 28 जून, 1978 के पूर्वाह्म से आगामी श्रादेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के श्रधीन दन्त गल्य चिकित्सक के पद पर तदर्थ आधार पर निपृक्त किया है ।

सं० ए० 12025/12/77-प्रशासन-I---राष्ट्रवित ने डा० इन्द्रजीत सिंह को 1 अगस्त, 1978 के पूर्वाह्म से अल्पामी अदिशों तक सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में दन्त चिकित्सक मैक्जिलो-केनिदल (प्रोस्थोडेन्टिस्ट) के पद पर प्रस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 12026/20/78-प्रशासन-1--स्वास्थ्य सेवा महा-निवेशक ने सफदरजंग श्रस्पताल, नई दिल्लो की भौतिक चिकित्सक श्रीमती भोहिनी गियानी को 23 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रावेशों तक उसी श्रस्पताल में वरिष्ठ भौतिक चिकित्सक के पव पर नियुक्त किया है।

## विनांक 4 नवम्बर 1978

सं० ए० 19018/1/78-प्रशासन-I--सरकारी सेवा से त्यागपत स्वीकार हो जाने के फलस्वरूप कुमारी के० के० मेहता ने 1 सितम्बर, 1978 के प्रपराह्न से राजकुमारी ग्रमृतकौर निसंग कालेज, नई दिल्ली से शिक्षक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

शाम लाल कुठियाला, उप निदेशक (प्रशासन)

### कृषि और सिंचाई मंत्रालय

#### कृषि विभाग

#### विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, विनांक 26 अक्तूबर 1978

सं० 3-3/76-स्था० (I)—श्री द्यो०पी० भ सीन, ग्रधीक्षक (श्रेणी II) को विस्तार निदेशालय (कृषि विभाग) में स्थानायन्न प्रधीक्षक (श्रेणी I) समूह "बी" (राजपित्रत) (लिपिक वर्गीय) स्पये 700-30-760-35-900 के वेतनमान में पूर्णत: तदर्थ रूप में 16-10-78 से श्रगले श्रादेश तक पदोन्नत किया गया।

# विनांक 26 श्रक्तूबर 1978

सं० 3-3-/76-स्था० (I)—श्री के० श्रार० विज, श्रधीक्षक (श्रेणी II) को विस्तार निवेशालय (कृषि विभाग) में स्थाना-पन्न ग्रधीक्षक (श्रेणी I) समूह "बी०" (राजपितत) (लिपिक वर्गीय) रुपये 700-30-760-35-900 के वेतनमान में पूर्णतः तवर्थ रूप में 28-9-1978 से श्रगले श्रावेश तक पदोन्नति किया गया।

दर्शन सिंह, निदेशक प्रशासन

# ग्रामीण विकास विभाग विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, विनांक 30 भ्रक्तूबर 1978

सं० ए० 19025/103/78-प्र० III—इस निदेशालय की अधिसूचना संख्या सम दिनांक 19-4-1978 द्वारा अधिसूचित सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग III) के पद पर श्री वी० के० मित्तल की अल्पकालीन नियुक्ति को 31-12-78 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया गया है।

सं० ए० 19025/104/78-प्रा० III—श्री एस० सूर्य-नारायण मूर्ति, वरिष्ठ निरीक्षक को विषणन और निरीक्षण निदे-शालय श्रोंगल में दिनांक 29-9-78 (पूर्वाह्म) से 31-10-78 तक या जब तक यह पद नियमित श्राधार पर भरा जाता है, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, स्थानापन्न रूप में सहायक विषणन श्रिधकारी (वर्ग I) नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/106/78-प्र० III—श्री के० जी० बाघ, विरष्ट निरीक्षक को विपणन भौर निरीक्षण निदेशालय बम्बई में दिनांक 29-9-78 (पूर्वाह्म) से 31-10-78 तक या जब तक यह पद नियमित भाधार पर भरा जाता है, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, स्थानापन्न रूप में सहायक विपणन भ्राधकारी (वर्ग I) नियुक्त किया गया है।

#### दिनांक 1 नवम्बर 1978

सं० ए० 19023/42/78-प्र० III—इस निदेशालय में बंगलौर में उप वरिष्ठ विपणन ग्रिधिकारी (वर्ग I) के पद पर पदोन्नति होने के उपरान्त श्री के० कोटेश्वर राघ ने दिनांक 17-10-78 के श्रपराह्म में गून्टुर में विपणन श्रिधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

#### दिनांक 4 नवम्बर 1978

सं० ए० 19023/16/78-प्रणा० III—इस निदेशालय में नागपुर में उप वरिष्ठ विपणन ग्रिधिकारी (वर्ग I) के पद पर पदोक्षति होने पर श्री ग्रार० कन्नन ने दिनांक 28-10-78 के ग्रपराह्म में फरीदाबाद में विपणन ग्रिधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

> बी० एल० मनिहार, निदेशक प्रशासन, कृते कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग नाभिकीय ईंधन समिश्र आवेश

हैदराबाद-500 762, दिनांक 30, भ्रक्तूबर 1978

सं० ना०ई०स०/प्रशा०/205/20/1771— जब कि श्री मोहम्मद गोसुद्दीन, कारीगर "सी०",यु० ग्रो०पी०, ना० ई०स०, उन्हें हज व तीर्थ यात्रा के लिए मंजूर की गई2-11-1977 से 30-1-1978तक 90 दिन की छुट्टी समाप्त होने पर 31-1-1978 को इयुटी पर आने में ग्रसफल रहे,

भीर जब कि उक्त श्री मोहम्मद गोसुद्दीन ने निम्न दी गई तारीखों के ग्रावेदन भेजे

28-1-1978 को छुट्टी 29-4-1978, तक बढ़ाने के लिए
24-4-1978 को छुट्टी अगली सूचना तक बढ़ाने के लिए
तथा 29-4-1978 को छुट्टी 28-7-1978 तक बढ़ाने के लिए
श्रीर जब कि उक्त श्री मोहम्मद गौसुद्दीन ने अपने उक्त
तीनों पत्नों में छुट्टी का पता नहीं विया ,

श्रोर जब कि उक्त श्री मोहम्मव गौसुद्दीन को निम्न हस्ताक्षर कर्ता ने 5 जून, 1978 को एक ज्ञापन जारी करके यह सूचित किया कि यदि श्रीमोहम्मव गोसुद्दीन श्रारोपों को स्वीकार नहीं करते हैं तो उनके विरुद्ध गैर कानूनी ढंग से गैर हाजिर रहने का बुरा श्राचरण करने पर जांच श्रायोजित करने का प्रस्ताव है,

श्रीर जब कि उक्त शापन जो 5-6-1978 को पंजीकृत डाक से पावती सहित उक्त श्री मोहम्मद गौसुद्दीन के श्रंतिम शास पते मकान सं० 20-2-814, श्रंदरून दूध बावली, हैदराबाद, पर भेजा था, वो टिप्पणी "आसामी भारत के बाहर है" के साथ बिना वितरित किये लौटा दिया गया,

श्रौर जब कि श्रारोपों की जांच हेतु, जांच श्रधिकारी की नियुक्ति के दिनांक 6-7-1978 के ग्रादेश की एक प्रति जो उक्त श्री मोहम्मद गौसुद्दीन को पंजीकृत डाक से पावती सहित भेजी गई थी वो टिप्पणी "भारत से चले गए श्रतः भेजने वाले को लौटाया जाता है" के साथ बिना वितरित किये लौटा दिया गया,

श्रौंर जब कि उक्त श्री मोहम्मद गौसुद्दीन लगातार गैर-हाजिर रहते रहे तथा ना० ई० स० को श्रपने बारे में कुछ बताने में श्रसमर्थ रहे,

श्रीर जब कि उक्त श्री मोहम्मद गौसुद्दीन रैर कानूनी ढंग से ड्यूटी से गैर हाजिर रहने य श्रपनी मर्जी से सेवा का परित्याग करने के श्रपराधी हैं,

श्रीर जब कि ना० ई० स० को श्रपने वर्तमान के बारे में बिना कुछ बताये श्रपनी मर्जी से सेवा का परित्याग करने के कारण, ना० ई० स० के स्थायी श्रादेशों के निवेशों तथा/या केन्द्रीय नागरिक सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण व श्रपील) नियमों 1965, के नियम 14 के श्रंतर्गत जांच श्रायोजित करना व्यवहारिक नहीं है,

श्रीर, श्रव इसीलिए, निम्न हस्ताक्षर कर्ता, ना० ई० स० के स्थायी श्रादेशों के पैरा 42 के साथ परमाणु ऊर्जा विभाग के श्रादेश सं० 22(1)/68-प्रशा० दिनांक 3-12-1970 तथा/या के० ना० से० (व० नि० श्र०) नियमों 1965, के नियम 19(ii) के श्रंतर्गत प्रदत्त श्रधिकारों का प्रयोग करते हुए इससे उक्त श्री मोहम्मद गौसुद्दीन को तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त करते हैं।

सं० ना० ई० स०/प्रमा०-5/20/1773—जब कि यह श्रारोपित है कि,

> श्री के० सत्यनारायण, कारीगर "सी", एफ० एफ० पी०, के रूप में कार्य करते हुए 9-3-1978 से बिनमा भ्रकेति नु

सेवा से लगातार गैर हाजिर हैं तथा ना० ई० सा० के स्थायी प्रादेशों के पैरों 39(5) के प्रयों में बुरा प्राचरण किया है,

श्रीर जब िक, उक्त श्री सत्यनारायण को ज्ञापन सं० ना० दें० सं०/प्रशा० 5/20/1568 दिनांक 5 श्रक्तूबर, 1978 द्वारा सूचित किया गया कि उनके विरूद्ध ना०ई०स० के स्थायी श्रादेशों के पैरा 41 के श्रंतर्गत जांच श्रायोजित करने का प्रस्ताव है। ज्ञापन जो उनके श्रंतिम ज्ञास पते व स्थायी पते पर पंजीकृत डाक पावती सहित भेजे गए थे, वो डाक विभाग द्वारा टिप्पणी—पते वाला उक्त पतों पर उपलब्ध नहीं—के साथ लौटा दिये गए,

श्रीर लंब कि उक्त श्री सत्यनारायण, ना०ई०स० को श्रपने वर्तमान के बारे में कुछ भी वताने में श्रसमर्थ रहे,

श्रौर जब कि उक्त श्री सत्यनारायण बिना अनुमित के इयुटी से गैर हाजिर रहने अ श्रपनी मर्जी से सेवा का परित्याग करने के अपराधी है,

श्रीर जब कि ना० ई० स० को श्रपने वर्तगान के बारे में बिना कुछ बताये, श्रपनी मर्जी से सेवा का परित्याग करने के कारण, निम्न हस्ताक्षर कर्ता इससे संतुष्ट हैं कि ना०ई०स० के स्थायी श्रादेशों के पैरा 41 तथा/या केन्द्रीय नागरिक सेवाओं (वर्गीकरण, नियंत्रण व श्रपील) नियमों 1965, के नियम 14 के अंतर्गत जांच आयोजित करना व्यवहारोचित नहीं है,

श्रीर जब इसीलिए, निम्न हस्ताक्षर कर्ता, ना० ई० स० के स्थायी श्रादेशों के पैरा 42 के साथ परमाणु ऊर्जा विभाग के श्रादेश सं० 22(1)/68-प्रणा० दिनांक 3-12-1970 तथा/या के०ना०ई०से० (वि०नि०श्र०) नियमो 1965. के नियम 19(ii) के श्रंतर्गत प्रदत्त श्रिधकारों का प्रयोग करते हुए इससे उक्त श्री के० सत्यनारायण को सेवा से तत्काल प्रभाव से बर्खास्त करते हैं।

सं० नार्०ई०स०/प्रशा०-5/20/1783—जब कि श्री एम० श्रीनिबासुलू, कारीगर 'ए', एफ० एफ० पी०, नार्०ई०स०, 31-8-1978 से ड्यूटी से बिना श्रनुमति के गैरहाजिर हैं,

भी, जब कि उक्त श्री श्रीनिवासुलू ने श्रपने 3 सितम्बर, 1978 के पहा द्वारा बताया कि वे बीमार हैं तथा इसीलिए इ्यूटी पर नहीं श्रा रहे हैं,

श्रीर जब कि उक्त श्री श्रीनिवासुलू ने यह नहीं बताया कि इलाज व उपचार के लिए कितनी श्रवधि के प्राराम की सलाह दी गई है श्रीर न श्रपना पता दिया, न ही डाक्टरी प्रमाण पक्ष भेजा,

श्रीर जब कि उक्त श्री श्रीनिवासुलू को उनके श्रंतिम ज्ञात पते पर ज्ञापन सं० ना० ई० स०/प्रशा-4/एफ० एफ०/एस०-352/2217 दिनांक 28 सितम्बर, 1978 पंजीकृत डाक से पावती सिह्त भेज कर निर्देश दिया गया कि वे ना०ई०स० के चिकित्सा ग्रीधकारी के सम्मुख जांच पड़ताल के लिए उपस्थित हों, उक्त ज्ञापन डाक विभाग द्वारा टिप्पणी "इस पते वाले ने मकान खाली कर दिया है, नया पता मालूम नहीं है " के साथ बिन वितरित किये वापिस लौटा दिया,

ग्रौर जब कि उक्त श्री श्रीनिवासुलू श्रपने वर्तमान के बारे में ना० ई० स० को कुछ भी बताने में ग्रसफल रहे,

श्रौर जब कि उक्त श्री श्रीनिवासुलू ने गैर हाजि्र रहना जारी रखा.

श्रीर जब कि उक्त श्री श्रीनित्रासुलू गैर रानूनी तरीके से इयूटी से गैर हाजिर रहने श्रीर श्रपनी मर्जी से सेवा का परित्याग करने के ग्रपराधी हैं,

श्रीर जब कि ना०ई०स० को ग्रपने वर्तमान के बारे में निना कुछ बताये, श्रपनी मर्जी से सेवा का परित्याग करने के कारण ना०ई०स० के स्थायी श्रादेशों के निदेशानुसार तथा/या केन्द्रीय नागरिक सेवाश्रों (वर्गीकरण, नियंक्षण व श्रपील) नियमों 1965, के नियम 14 के श्रंतर्गत जांच श्रायोजित करना व्यवहारोचित नहीं है,

ष्मौर, श्रव इसीलिए, निम्न हस्ताक्षर कर्ता ना० ई स० के स्थायी श्रादेशों के पैरा 42 के साथ परमाणु ऊर्जा विभाग के श्रादेश सं० 22(1)/68-प्रशा०, दिनांक 3-12-1970 तथा/या के० ना० से० (य० नि० श्र०) नियमों 1965, के नियम 19(ii) के अंतर्गत प्रदत्त श्रिधकारों का प्रयोग करते हुए इससे उक्स श्री एम०श्रीनिवासुलू को सेवा से तत्काल प्रभाव से बख्नास्त करते हैं।

एच० सी० कटियार, उप मुख्य का गैपालक

मद्रास परमाणु विद्युत् परियोजना

कलपक्कम-605102, दिनांक 24 श्रक्तूबर 1978

सं० एम० ए० पी० पी०/18(91)/78-भती—विद्युत परियोजना इंजीनियरिंग प्रभाग के निदंशक, सर्वश्री के नागिया, श्रस्थायी वैज्ञानिक सहायक "सी', ए० सी० गणपति, स्थायिवत्, पर्यवेक्षक और के एम० शांतन गोपालन, श्रस्थायी नक्शानबीस 'सी' को 1 अगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से धगले श्रादेश होने तक के लिए इस परियोजना में श्रस्थायी रूप से वैज्ञानिक श्रिधकारी/इंजीनियर ग्रेड "एस० डी०" नियुक्त करते हैं।

के० बालाक्रुष्णन, प्रशासनिक अधिकारी

परमाण् खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 3 नवम्बर 1978

सं० प० खा० प्र०-1/13/78-प्रशासन०—परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक श्री मोहम्मद सज्जाद ग्रली साजिद को उसी प्रभाग में 21 सितम्बर, 1978 को पूर्वाह्न से ग्रागमी आदिण होने तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक ग्रिक्षकारी/ग्रिभियन्ता ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

एस० वाई० गोखले, चरिष्ठ प्रणासन एवं लेखा श्रधिकारी

### महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

### नई विल्ली, विनांक 25 अक्तूबर 1978

सं० ए० 32013/2/77-ई० डब्ल्यू०—इस कार्यालय की दिनांक 12 सितम्बर, 1978 की प्रधिसूचना सं० ए० 32013/2/77-ई० डब्ल्यू० का आंशिक संशोधन करते हुए राष्ट्रपति ने श्री एच० सी० राय चौधरी की उपनिदेशक (फायर) के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति की ग्रवधि दिनांक 30-6-1978 से छः मास के लिए ग्रयथा ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक जो भी पहले हो, बढ़ा दी है श्रीर उन्हें मुख्यालय में तैनात किया है।

सत्य देव शर्मा, उपनिदेशक प्रशासन, कृते महानिदेशक नागर विमानन

### नई दिल्ली, दिनांक 19 श्रक्तूबर 1978

सं० ए० 32013/11/77-ई० सी०—राष्ट्रपित ने श्री राकेश कुमार तकनीकी ग्रधिकारी रेडियो निर्माण तथा विकास एकक नई दिल्ली को दिनांक 10-7-78 (पूर्वाह्न) से नियमित श्राधार पर वरिष्ठ तकनीकी ग्रधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है श्रौर उन्हें श्रन्य श्रादेश होने तक उसी कार्यालय में तैनात किया है।

#### दिनांक 20 ग्रक्तूबर 1978

सं० ए० 38012/1/78-ई० सी०— नियंत्रक वैमानिक निरीक्षण, हैदराबाद एयरपोर्ट, हैदराबाद के कार्यालय में वरिष्ठ सकनीकी ग्रधिकारी श्री एन० श्रार० स्थामी नियर्तेन ग्रायु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31-7-1978 (ग्रपराह्न) को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

सं० ए० 39012/2/78-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने, नियंत्रक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग, एक्टरपोर्ट नई दिल्ली के कार्यालय में स्थायी सहायक तकनीकी अधिकारी, श्री वी० के० गुप्ता का सरकारी सेवा से त्यागपत्र दिनांक 26 श्रगस्त, 1978 (पूर्वाह्म) से स्वीकार कर लिया है।

### दिनांक 3 नवम्बर 1978

सं० ए० 32013/14/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री जे० के० भट्टाचार्य सहायक निदेशक संचार, महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय) को, जो तवर्षे ग्राधार पर कार्यरत है, दिनांक 8-9-1978 (पूर्वाह्म) से उप निदेशक/नियंत्रक संचार के ग्रेड में नियमित ग्राधार पर नियुक्त किया है ग्रीर उन्हें निदेशक रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया है।

> सत्य देव शर्मा, उप-निदेशक प्रशासन

### नई दिल्ली, दिनांक 30 ग्रक्तूबर 1978

सं० ए० 39013/2/77-ई० ए०—महा निदेशक नागर विमानन ने श्री परमहंस शर्मा, विमान क्षेत्र श्रिष्ठिकारी, दिल्ली 2-346GI/78

एयरपोर्ट, पालप का विभाक 18 भई, 1978 से खरकारी सेवा से त्याग-पत स्वीकार कर लिया है ।

> ची० ची० जीहरी, सहायक निदेशक असाशन

# केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्कालय कानपुर, दिनांक 25 श्रक्तुबर 1978

सं० 43/78—श्री बी० एल० सौती, स्थापन ग्रधीक्षक, वर्ग (खं') ग्रलीगढ़ में ग्रंधीक्षक वर्ग खं' ने केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रखण्ड ग्रलीगढ़ के पद का कार्यभार विमान 7-10-77 (अपराह्म) को श्री ग्रार० एस० सबसेना ग्रधीक्षक वर्ग खं' ग्रलीगढ़ को सींप दिया था ग्रीर 52 दिनों का ग्रणित ग्रवकाश दिनांक 10-10-77 से 30-11-77 तक सेवानिवृत्ति से पूर्व ग्रवकाश पर बले गए थे।

क्रवंकाश की समाप्ति के बाद वह दिनांक 30-11-77 (ग्रापराह्म) को ग्राधिवर्षिता की ग्रामु पर सरकारी सेवा से सेवानिवृक्त हो गये थे।

#### दिनांक 3 नवस्बर 1978

सं० 46/1978—श्री सेन्यू राम, निरीक्षक (प्रवरण कोटि) केन्द्रीय उत्पाव शुल्क ने, अधिक्षक, केन्द्रीय उत्पाव शुल्क ने, अधिक्षक, केन्द्रीय उत्पाव शुल्क ने, अधिक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख', वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200, के पद पर अपनी पदोन्नति के फलस्वरूप—देखिए इस कार्यालय के पृष्ठांकन प० सं० 11/22-स्था०/78/22386 दिनांक 1-6-78 अधिक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, वर्ग 'ख' एम० औं० आरं०-II फिरीजाबाद के पद का कार्यभार दिक्षक 25-7-78 (पूर्वाह्म) से अस्ण किया।

क्रुष्ण लाल **रेखी**, स**म**नहर्ता

### पटना, विनांक 25 भ्रम्तूबर 1978

सं० 1/4 (7) २-स्था० / 78 / 10584 - श्री योगेन्द्र प्रसाद, अधीक्षक को इस कार्यालय के स्थापना आवेश संख्या 204 / 78 दिनांक 15-7-78 के अनुसार तदर्थ आधार पर पदोन्नति ही गई थी। उन्हें दिनांक 15-7-78 (अपेराह्म) से नियमित प्रशासन पदाधिकारी केन्द्रीय उत्पाद ग्रुप 'शी' के रूप में नियमित किया जाता है तथा वे दिनांक 10-8-78 के अधि-स्वित अधिसूचना के अधुसार ही सहायक मुख्य लेखा अधि-कारी (राजस्व लेखा परीक्षा) केन्द्रीय उत्पाद, पटना के पद पर काम करेंगे।

#### दिनांक 1 नवम्बर 1978

सं० 11 [(7)-1-स्था०/77/10575—भारत सरकार वित्त मंत्रालय (राजस्य विभाग), नई दिल्ली के श्रादेश सं०

105/78 दिनांक 12-7-78 और 107/78 दिनांक 15-7-78 औ एफ० नं० ए०-12012/1/78-ए डी०-II द्वारा क्रमशः दिनांक 12-7-78 तथा 15-7-78 को आरी किया गया, के अनुसरण में निम्नलिखित प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण समाप्त होने के बाद आई० ए० एस० के परीक्षाफल के आधार पर भारतीय सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सेवा ग्रुप 'ए' के रूप में नियुक्त किया गया, उक्त आदेशानुसार उन लोगों ने केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय, पटना में उनके नाम के सामने दिखाए गए तिथि से अधीक्षक ग्रुप 'ए' के रूप में कार्यभार ग्रहण किया:—

क० पदाधिकारी का नाम सं०	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
1. श्री टी० एच० के० गौरी	24-7-78 (पूर्वाह्म)
2. श्री म्रष्टभुंजा प्रसाद वर्मा	24-7-78 (पूर्वाह्न)
3. श्री ग्रहमद हुसेन	24-7-78 (पूर्वाह्न)

डी० के० सरकार, समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद, पटना

### बम्बई-400020, दिनांक 4 नवम्बर 1978

सं० एस० टी०-2/1978-79—विनांक 21-2-1976 से प्रमृत्त होने वाले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (सातवां संशोधन) नियम 1976 के नियम 232 ए के उप नियम (1) द्वारा मुझे प्रदत्त शिंक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषित किया जाता है कि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा नमक प्रधिनियम 1944 की धारा 9 के प्रधीन न्यायालय द्वारा दोषी पाये गये व्यक्ति तथा प्रधिनियम की धारा 33 में उल्लिखित प्रधिकारी द्वारा 10,000/- रु० या इससे प्रधिक का प्रयं वण्ड विया गया है ऐसे व्यक्तियों के नाम व पते निम्न प्रकार से हैं:—

### सितम्बर 1978 को समाप्त होने वाली तिमाही

<b>क</b> ० सं०	व्यक्तिकानाम	पता	ग्रधिनियम के किन प्रावद्यानों का उल्लंघन किया	दण्ड राशि
1	2	3	4	5
	भी ਹੀ ਹਾਜ਼ ਹ	———— मी-25	केल्टीय	गर्भटगर

 श्री बी० एच० सी-25, केन्द्रीय प्रर्थदण्ड केनी, मालिक, रॉयल इंड- उत्पाद मुल्क 100/- रु०

_1	2	3	4	5
	सर्वश्री मास्टर	स्ट्रीयल	तथा नमक	ग्रयवा न देने
	इंडस्ट्रीयल	इस्टेट,	श्रिधिनियम	की स्थिति में
	कार्पोरेशन,			2 सप्ताह
	सी-25 रॉयल	नायगांव	1944 की	का सश्रम
	इंडस्ट्रीयल इर	टैट, कास रोड,	<b>धारा</b> 9(1)	कारावास ।
	बम्बई-	वडाला,	(理),	
	400031	बम्बई-	9(1)	
		400031 l	(खाखा),	
			9 (1)	
			(खखख)	
		-II विभागीय न्य —-मून्य-	ायनिर्णयन— —	
			ई० म्रार	० श्रीकण्ठय्या,
				समाहर्ता

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निवेशालय सीमा गुरुक एवं केन्द्रीय उत्पाद गुरुक, नई दिल्ली, दिनांक 30 श्रक्तूबर 1978

सं० 17/78—बार्धक्य के कारण सेवा निवृत्त होने पर श्री एस० रामोजी ने, दिनांक 30-9-78 को दोपहर बाद से निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय (सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) के हैदराबाद स्थित केन्द्रीय प्रादेशिक यूनिट में निरीक्षण श्रिधकारी (सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) ग्रुप 'ख' के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

मए० वी० एन० राव, निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बम्बई-20

# केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड न**ई** दिल्ली, विनांक 8 फरवरी 1978

सं० 4-2012/75/-सी० एच० (ई)—श्री मुहम्मद लायकुट्टीन हुसैन, ड्राफ्टमैन ग्रेड 2, केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड, दक्षिण क्षेत्र, हैदराबाद (निवासी मकान नं० 21-7-4676; शकीर कोठा, हैदराबाद) (जो कि ड्यूटी पर नहीं ग्रा रहे हैं) की सेवाएं 15-10-1976 (ग्रपराह्न) से निदेशक, केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड, दक्षिण क्षेत्र, हैदराबाद ब्राएा उन्हें स्वीकृत 5 दिन का ग्राजित ग्रवकाश पूरा होने पर एतद्बारा समाप्त की जाती है ग्रीर उनका नाम केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड की कर्मचारी सूची से 16-10-1976 (पूर्वाह्न) से काट दिया गया है।

बी० के० बवेजा, मुख्य जल भू-विज्ञा० एवम् सदस्य विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंद्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी म्रधिनियम, 1956 मौर तारा ट्रेडिंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 28 धक्तूबर 1978

सं० एस० ए० 92-2822(2)—कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर तारा ट्रेडिंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिंगत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 भौर उड़ीशा हेमी कैमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, विनांक 28 श्रक्तूबर 1978

सं ० एस० ए० 494-2823(3) — कम्पनी मधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के भनुसरण में एसद्दारा सूचना दी जाती है कि उड़ीशा हेमी केमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 भौर क्लिंग सेविंगस् यूनिट प्राईवेट लिमिटेड के विषय में कटक, दिनांक 2 नवम्बर 1978

सं० एस०ए० 557-2849(2)—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि किलग सेविंगस् यूनिट प्राईवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रजिस्टर से काट दिया गया है।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 श्रौर पवीत चीट स्कीम्स एन्ड ट्रेडिंग प्राईवेट लिमिटेड के विषय में कटक, दिनांक 2 नवम्बर 1978

सं० एस० ए० 553-2850(2) — कम्पनी मधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्क्षारा सूचना दी जाती है कि पवीक्ष चीट स्कीम्स एन्ड ट्रेडिंग प्राईवेट लिभिटेड का नाम भ्राज रिजस्टर से काट दिया गया है भीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी ग्रक्षिनियम, 1956 ग्रीर सीन्तालायण प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 2 नवम्बर 1978

सं० एस० ए० 5-49-2851(2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतव्दारा सूचना दी जाती है कि सीन्तालायज प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है, और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है। कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 भीर ग्राखन्डलमनी मिलक प्रोड्यूसर्स एन्ड कनफेक्सनर्स प्राईवेट लिभिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 2 नवम्बर 1978

सं० एस० ए० 522-2852(2)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि आखन्डलमनी मिल्क प्रोड्यूसर्स एन्ड कन्-फेक्सनर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है, और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी भ्रधिनियम 1956 भौर कलींग सीकूड्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 2 नवम्बर 1978

सं० एस० ए० 561-2857(2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ध्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि कलींग सीफूड्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम धाज रजिस्टर से काट दिया गया है, भौर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 और वी सन साईन होटेल प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, विनांक 2 नवम्बर 1978

सं० एस० ए० 589-2858(2)—कम्पनी प्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के प्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि सन साईन होटेल प्राईवेट लिमिटेड का नाम प्राज रिजस्टर से काट दिया गया है, भ्रौर उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और वी उड़ीगा फिल्म्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 2 नवम्बर 1978

सं० एस० ए० 674-2859(2) - कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दी उड़ी गा फिल्म्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर स्टार श्राफ उड़ीशा फेडीट एन्ड इन्वेस्टमेन्ट कम्पनी लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 2 नवम्बर 1978

सं० एस० ए० 587-2860(2)— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि स्टोर आफ उड़ीशा केडिट एन्ड इन्वेस्टमेन्ट कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

### कम्पनी अधिनियम, 1956 और न्यू उड़ीसा केंमिकल वर्क्स प्राध्वेट निमिटेड के विषय में

भटक, दिनांक 2 नवम्बर 1978

सं० एस० ए० 558-2861(2)—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि न्यू उड़ीसा केमिकल्स वकर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है, ग्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई हैं।

दिलीप कुमार पाल, कम्पनियों का रज़िस्द्रार, उड़ीशा

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दी ईस्टर्न आटोमोबाईल एन्ड इंजिनियरिंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

- मद्रास, दिनांक 1 नवस्यर 1978

सं ० 674/पीसी आर्ष 560(3)/78—कम्पनीः अधिनियम, 1.956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर दी ईस्टर्न ग्राटोमोबायल एण्ड इंजीनियरिंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> के० पञ्चापकेशन, कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार, तमिलनाडु

कम्पनी किश्विनियम 1956 श्रीर दि बेरिंग्स एण्ड कंपोनेंटस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 3 नवम्बर 1978

सं० 1970/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर दि बेरिंग्स एंड कंपोनेंट्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिखात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० एन० गुहा, कम्पनियों का रजिस्ट्रार, कर्नाटक रुपए से ग्राधिक है

प्ररूप आई० टी० एन० एस०———आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, पूना

पूना-411004, दिनांक 12 अक्टूबर 1978 निदेश सं० सी० ए० 5/ठाना/जून 78/370—श्रतः मुझे, श्रीमित पी० ललवानी आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 45/2(पीटी) 3(पीटी) 4(पीटी) 43/1 4/0 4बी 44/1(पीटी) है तथा जो नौपाड़ा, ठाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजरट्रीवर्ता श्रिधि री वे वार्यालय ठाना में, रिजरट्रीकरण श्रिधि-

नियम, 1908 (1908 का 16) के फ्रधीन दिनांक जून 78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्थ ग्रास्तियों, को, जिन्हें भारतीय ग्राय कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या घन-कर ग्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

भत: श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत:—

- (1) 1. वसंत शिवाजी गावंड
  - 2. जयश्री वसंत गावंड
  - 3. संजय वसंत गावंड
  - 4. श्रजय मसंत गावंड (मायनॉर)
- श्री वसंत गावंड (मायनॉर) गावंड लाग, पंचपाखड़ी, श्राग्रा रोड, ठाना ।

- 6. विवोकर भ्रसोसिएट्स तर्के भागीदार श्री पी० एस० दिवेकर पूर्णिमा बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के नजदीक, ठाना
- 7. श्री एंटरप्राईसेस भागीवार श्री डी० टी० कुलकर्णी श्री एंटरप्राईसेस, श्राकाश भ्रपार्टमेंटस, श्राग्रा रोड, ठाना
- 8. विट्ठल एजन्सीज तर्फे भागीदार श्री श्रार० एम० पटवर्धन विट्ठल एजन्सीज, जीवन शांती सोसायटी, सेकंड फ्लोर बलाव पाली, ठाना ।
- 9. सत्य बिल्डर्स, तर्फे भागीदार मिसेस रेणू सी० मिरानी परांजपे उद्योग भवन, भ्रापोसिट देना बेंक, गोखले रोड, ठाना
- 10. श्री जी० डी० श्रार० राव (सेक्नेटरी), सत्य प्रिमाईसेस को-श्रापरेटिव्ह सोसायटी लि०, गोखले रोड, नौपाडा ठाना
- 11. श्री कें पी० प्रभू (चेयरमैन) सत्य प्रिमाइसेस कीं-श्रापरेटिव्ह सोसायटी लि०, गोखले रोड, नौपाडा, ठाना
- 12. श्री एम० एम० घाटपांडे (मेंबर एम० सी०) सत्य प्रमाई-सेस को-ग्रापरेटिव सोसायटी लि०, गोखले रोड, नौपाडा, ठाना। (श्रन्सरक)
- (2.) सत्य प्रिमाईसेस को-ग्रापरेटिय हौसिंग सोसायटी लि॰, गोखले रोड, ठाना (ग्रन्तरिती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब

  िस्सी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास

  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

प्लाट जो सर्वे नं० 45/2(21), 3(पीटी), 4(पीटी), 43/1, 40, 4 बी भ्रौर 44/1 (पार्ट) जोखले रोड, नौपाडा, जि० ठाना में स्थित है। क्षेत्रफल 2867.50 वर्ग मीटर

(जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 108/78 जून, 1978 को सब रिजिस्ट्रार ठाना के दफतर में लिखा है)।

श्रीमति पी० ललवानी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पूना ।

दिनांक: 12-10-78

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के भधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 23 अक्तूबर 1978

निदेश सं० 111-279/म्रर्जन/78-79---भ्रतः म्झे, एम० एन० तिवारी

आयकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

म्रौर जिसकी प्लाट नं० 729 है, होल्डिंग नं० 1754/274 (नया) है तथा जो थाना नं० 137 वार्ड नं० 2/10 (नया) पटना म्यून-सपल कार्पोरेशन स्टेशन रोड पटना में स्थित है (म्रौर इससे उपलब्ध म्रुनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रिधीन दिनांक 27-2-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्टह प्रतिशत प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (ध्रम्त(रितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्त-बिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रवि-नियम के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के ग्रधोन निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात्:--

- 1. श्री फनीन्द्र प्रसाद सिन्हा पुत्र डा० महेण्वर प्रसाद सिन्हा स्टेशन रोड पटना के निवासी वर्तमान कांके रोड, रांची (ग्रन्सरक)
- 2. श्री राम किशन प्रसाद पुत्र स्वर्गीय गंगा भगत उत्तरी मन्दीरी के निवासी, पटना (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारो, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

घरारी जमीन का रकबा 1679 वर्गा फीट जिसका होस्डींग नं 175ए (240 नया) प्लाट नं 729 का भाग बाना नं 137 वार्ड नं 2 (10 नया) है ग्रीर जो स्टेशन रोड पटना में स्थित है ग्रीर जो पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 1301 दिनांक 27-2-78 में वर्णित है ग्रीर जो जिला श्रवर निबंधन पदाधिकारी पटना के हारा पंजीकृत है।

> एम० एन० तिवारी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षक), भ्रजन रेंज, पटमा ।

दिनांक 23-10-78 मोहर: प्ररूप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के धधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 23 प्रक्टूबर 1978

निदेश सं० के० एन० एल० | 61 | 77-78--- प्रतः मुझे, रबींद्र कूमार पठानिया,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मुख्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है

भ्रोर जिसकी सं • मकान नं • 376, माडल टाऊन है तथा जो करनाल में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा भ्रधिकारी के कार्यालय करनाल में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (घन्तरकों) और धन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या श्रन्य श्रस्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ज्वत भिधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त मिधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269ण की उपघारा (1) के अधीन, निक्तिम्खतम्य क्यिमें, अर्थात् :--

- 1 श्री रमेश चन्द सूरी पुत्र श्री लक्षमी चन्द सूरी ए-7, नवल भ्राफिसरज फलैटस कोलाबा, बम्बई (भ्रन्तरक)
- 2. सर्वश्री राजिन्द्र सिंह तथा मुख्यविन्द्र सिंह, पुतान श्री जोगिंदर सिंह, मकान नं० 376, माडल टाऊन, करनाल (ग्रन्तरिती)
  - 3. पं॰ राम सरन मकान नं॰ 376, माडल टाउन, करनाल (वह न्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविधि, जो भी घविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अथित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पच्छी करणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठितियम के भ्रष्ठयाय 20क में परिभा-षित ह, वही भर्य होगा जो उस श्रष्ठयाय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 376, माडल टाउन, करनाल (सम्पत्ति जैसे कि रिजस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय में रिजस्ट्री कमांक 6878 मास फरवरी, पर दर्ज है)।

रवींद्र कुमार पठानिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रॉज, रोकहतक ।

दिनांक: 23-10-1978

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निदेश सं० पी० एन० पी०/34/77--78---भ्रतः मुझे, रबीद्र कुमार पठानिया

आयकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी संख्या भूमि जिसका रकवा 3 विघा 12 विसवा है तथा जो तरफ राजपूतन, पानीपत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पानीपत में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक फरवरी, 1978

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर भन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त धिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या
- (■) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या मन्य मास्तिमों की, जिल्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त ग्रिश्चितयम की घारा 269-ग के अनुसरण म, मैं, उक्त ग्रिधितयम की आरा 269-च की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- 1. श्रीमित बिमला चौधरी, विधवा श्री लक्षमन दास बजाज 188, साङल टाउन, पानीयत (ग्रन्तरक)
- 2. श्री लक्षमी जन्द पुत्र श्री नेकी राम मार्फत जनरल मटल इन्डस्ट्रीज, रेलवे रोड, पानीपत (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के ग्रज़ैन के संबंध में कोई भी आक्षीप :----

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
  हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी
  के पास लिखिन में किये जा सकेंगे:

स्वब्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

> रवींद्र कुमार पठानिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, रोहतक, ।

दिनां क: 4-11-78

प्रकप आई० टी० एन∙ एस∙—

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 23 सितम्बर 1978

निदश सं० सीम्रार सं० 62/16191/78-79/एसीक्यू०/ बी—यत: मुझे, जे० एस० राव,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्व 25,000/+ रु० से प्रधिक है

मीर जिसकी सं० 193/2 है, तथा जो 24 वीं बी करास रोड III बलाक ंज्यानगर बंगलूर-II में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रक्षिकारी के कार्यालय जयानगर बंगलूर दस्तावेज सं० 2883/77-78 में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन ता० 28-2-1978

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्नह अतिशत से मधिक है घौर मन्तरक (मन्तरकों) थौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी माय या किसी घन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें मारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

1. श्री सी० नागराजा पुत्र स्व० एम० मुद्रन्न 239/9, बुल टमपल रोड, करास बसवनगुडी बंगलूर-4 (श्रन्तरक)

2. श्री एम० धार० सतयानारायना सट्टी पुत्र बी० रंगटय-सेट्टी नं० 2---सी पुटटशा रोड बसबनागुडी बंगलूर-4 (भन्तरिती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियो करता हं।

उस्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी मान्नेप:---

- (क) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भवधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य क्यक्ति द्वारा, घघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त भिक्षितियम के श्रद्भाय 20क में परिभाषित हैं, वहीं धर्म होगा, को उस भ्रद्भाम में विया गया है।

#### धन्स्यो

(दस्तावेज सं० 2883/77-78 ता० 28-2-78) खाली जगह जिसका सं० 193/2 24 वी "बी" कास ेड III बलाक जयानगर,ग बंगलुर

बांध -

उ:सं∘ 176

द: 24 वीं कास

पू:सं 0 194

प:सं० 192

जे० एस० राव सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज बंगलूर

विनांक 23-9-78

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर मििनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 9 श्रक्तूबर 1978

निर्देश सं ० : 62/16225/78-79/एसीक्यू/बी--ग्रतः मुझे-डी० सी० राजगोपालन,

म्रायकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधितियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/रुपए से श्रधिक है।

भौर जिसकी सं० 1632, नवा० 2365 है, तथा जो कास रोड, के० ग्रार० एक्स्टेंशन, तुमकूर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय तुमकूर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन विनांक 9-2-1978

को पूर्वोक्त सम्वित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरितो (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसो भाय की याबत उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम या धनकर प्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

भ्रतः श्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत:---

- (i) एल० वेंकटे श्वरटुलु पुत्र श्री एल० वी० लक्षमय्या
   (ii) एल० वी० लक्षमय्या (iii) एच० पारथसर थी (मैंनर)
   रेप्रेसेंटेड बै० फादर ग्रांड के० ग्रार० एक्सटेंग्नन काचुरल गार डियन एल० वी० लक्षमय्या के० ग्रार० एक्सटेंग्नन तुमकर
   (ग्रन्तरक)
- 2. (i) के० ए० वेंकटाचल सेट्टी पुत्र लेट के० आवष्पा सेट्टी (ii) के० पी० जनारदन (iii) के० बी० श्रीनिवास मूरती (iv) के० बी० गौरीशंकर (v) के० पी० रवींद्रनाथ नं० 2365, a4 कास रोड, के० श्रार० एक्सटेंशन, तुमकूर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>ग्रर्जन के लिए</mark> कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की लारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(वस्तावेज सं० 3789/77-78 ता० 9-2 78)। 1632, ग्रंत नवा 2365, 4 कास रोड, के० ग्रार० एक्स-टेंशन, तुमकुर

बाद :

पू: एस० के० लकक्षमप्या प: एम० एस० कृष्णमूर्ति उ: IV कास रोड द: कनसर्जेंनगी

> डी० सी० राजगोपालन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 9-10-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली-1 41/4क, आसफग्रली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1978

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० भ्रार०-III/ फरवरी-56/78-79—श्रतः मुझे, जे० एस० गिल, भ्रायकर भ्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'जक्त भ्राधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख

इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं ुएस-102 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबज ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (108 का 16) के ग्रधीन दिनांक फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत, से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्राधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ शन्तिरित्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: भ्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत:—

- 1. मैं ० प्रसाद ऐंण्ड कं०, 95, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली इनके पार्टनरस श्री डी० ग्रार० गुप्ता, डी-49, ग्रेटर कैलाश (2) श्रीमति कमलेश कुमारी, निवासी 9/5 ईस्ट पटेल नगर (3) श्री सुबोध प्रसाद, निवासी 9/5, ईस्ट पटेल नगर । के बारा (अन्तरक)
- 2. श्रादरणीय थूळबाल्ड सी० एम० श्रार०, सुपुत्र कुरविल्ला बरके, जोकि कांग्रीगेशन श्राफ कारमेडिटीस श्राफ मेरी इम्मोकुलेट के पहले जरनल थे, एरनाकुलम, कोचीन, केरला स्टेट। इनके जरनल काउनसिलर श्रादरणीय जोसफ लिक्कश्रोरी सी० एम० श्राई० के द्वारा तथा उपरोक्त कांग्रीगेशन के मिशन सैक्ट्री (श्रन्तरिती)

को यह सूजना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिक्षितियम के ग्र6वाय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथ होगा जो उस ग्र8वाय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान जोकि 300 वर्ग गंज क्षत्रफल के प्लाट पर बता हुआ है, जिसका नं० एस-012 है, ग्रेटर कैनाश-1, नई दिल्ली में निम्त प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : जायदाद नं० एस-104 पश्चिम : जायदाव नं० एस-100

उत्तर: सर्विस लेन वक्षिण रोड:

> जे० एस० गिल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1,

दिनांक: 7 नवम्बर 1978

प्ररूप ३ ाई० टी • एन० एस०—

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ(1) के भीनीत सूचना

**भार**त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्र**जै**न रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 नवम्बर, 1978

निदेश सं० ए० पी० नं० 1857—श्रतः मुझे बी० एस० वहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से मधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो लाजपत नगर जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्व श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सारीख मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत घिषक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरितों (धन्तरितियों) के बीव ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक कर से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भिध-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को. जिन्हें भारतीय झायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठियाने में संविधा के लिए;

खतः अबः; उत्तर अधिनियम की झारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपझारा (1) के अधीन निम्निशिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

- 1. श्री के० एल० साहनी पुत्र मोती राम, 4 लाजपत नगर जालन्धर (श्रन्तरक)
  - 2. श्री नत्थू राम साहनी 217 लाजपत नगर, जालन्धर (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि उपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति संपित में रुची रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ब्रधोह्स्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को <mark>यह सूचना चारो करके पूर्वीका सम्पत्ति के मर्ज</mark>न के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बन्द में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत-बद्ध किसी भन्य अपक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सफ़ेंगे।

स्पब्धोकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्ष्यों और पदों का, जो उक्स प्रिक्षित्यम के प्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं वही प्रथं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### अमुख्यी

कोठी न० 217 जो लाजपत नगर जालन्धर में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 7367 मार्च 1978 में रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक: 4-11-78

प्ररूप बाई० टी० एन• एस•⊸⊸-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269ण (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निदेश सं० ए० पी० नं० 1838—म्प्रतः मुझे बी० एस० भाटिया

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम श्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से अधिक है

भ्रौर जिसकी संख्या जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बस्ती गैख रोड जालन्धर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबब अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रुप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से प्रधिक है धौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) घौर प्रन्तरिती (प्रन्त-रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नशिचित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक कप में किया गडी किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रक्रितियम के भ्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। ग्रीर/या
- (का) ऐसी जिसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर भिक्षिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के सिए;

अंतः श्रव, उक्त भिवितियम की घारा 269-म के धनुसरण में; में, उक्त भिवित्यम की धारा 269-म की उपधारा (1) के भिवान, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्मातः :—

- 1. श्री संगारा सिंह पुत्र गुजर सिंह भगवानपूर जिला श्रमत-सर (2) गुरमुख सिंह पुत्र भाग सिंह श्रौर पूरन सिंह, बलकार सिंह, बलवन्त सिंह पुत्र भाग सिंह पंजरी रामदास जिला श्रमृतसर (श्रन्तरफ)
- 2. मैंज॰ यूनीवरसल स्पोरस इंडस्ट्रीज 246-ए इसलामाबाद जालन्धर की भ्रधभ्रा नाथ चंदा जालन्धर (भ्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधभोग में सम्पत्ति है) ।
- जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मविध जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही घर्ष होगा, जो उस घध्याय में दिया गया है।

### ग्रमुसूची

पलाट जो बस्ती रोड जालन्धर पर स्थित है जैसा कि विलेख नं॰ 1274 मार्च 1978 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रंधिकारी जालन्धर में लिखा है। .

> बी० एस० भाटिया सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज जालन्धर

दिनांक: 4-11-1978

प्रारूप भाई∙ टी० एन० एस•----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निदेश सं० ए० पी०-1839—अतः, मुझे, बी० एस० दहिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 42) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-आ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से अधिक है,

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो इस 1661 मुहल्ला: में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च 1978

को पूर्वोक्त संपक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपक्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह्न प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारताय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविला के लिए;

भतः अब उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अमु-सरज में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रर्थात् :---

- 1. श्री शकुंतला पत्नी श्रजीत राम ई० एस० 166, मखदून पुर, जालन्धर (श्रन्तरक)
- श्रीमित सुमन दई उर्फ सोमा देवी पत्नी बनवारी लाल इ० एस० 166, मुहल्ला मखदूमपुर जलन्धर (श्रन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है) ।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के पर्जन के संबंध में कोई भो भाक्षीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रीवित्यम के ग्रध्याय 20-क में पर-माधित हैं, वही ग्रर्थ होगा जो, उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### धनुसूची

मकान सं एस० 166 जो महत्ला मखदूमपुरा जलन्धर में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 2614 मार्च 1978 को रिजस्ट्री-कर्सा ग्रिधिकारी जलन्धर में लिखा है।

बी॰ एस॰ दहिया सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जलन्धर

विनांक: 4 नवम्बर 1978

प्ररूप आई०टी० एन∙ एस∙----

आयकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायंकर प्रायंक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जासन्धर, दिनांक 4 नवम्बर, 1978

निदेश सं० ए० पी० नं० 1840—श्रतः मुझे बी० एस० दहिया

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूह्म 25,000/- इपये से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो मोता सिंह नगर जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रम्तरित की गई है भीर मुझे इह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किवत नहीं किया गया है:—

- ्क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की वाबत उक्त ग्रिधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे वचने में शुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में युविधा के लिए;

्रत: यद; उक्त ग्रष्टिनियम, की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं; उक्त ग्रष्टिनियम की धारा 269-व की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

- 1. श्री अजीत सिंह पुत्र ठाकर सिंह एल० आई० सी० ग्रॉच नं० 2 पकाबांग जलंधर (प्रन्तरक)
- 2. गुरपरीत कौर पत्नी मोहन सिंह गाँव पलदी तहसील हांगियारपुर (राही प्यारा सिंह महास वकील) जलन्धर (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता हो (बहु व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबब है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
  में हितबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताअरी वे पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिक नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाजित हैं, बही शर्य होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

### अनुसूची

कोठी नं ० 469 मोता सिंह नगर जलंघर में स्थित है जैसा कि सं ० नं ० 7680 मारला 1978 को रजिस्ट्रीकृत श्रधिकारी जलंघर में लिखा है।

> बी० एस दहिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैंन रेंज, जलन्धर

दिनक: 4 नवम्बर 1978।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) के प्रधीन युचना भारत सरकार

कानस्मिन, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजंन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 नवम्बर 1977

्निदेश सं० ए०पी०नं० 1841—ग्रतः मक्षे,श्रीबी०एस० दहिया 🖟 प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उस्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के

ध्यीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- र॰ से

अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसाकि श्रनसूची में लिखाहै तथा जो बस्ती शेख रोड, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन मार्च, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से धिक है और ग्रन्तरक (मन्तरकों) मौर मन्तरिती (मनारितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक न, निम्न लिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से जि**षित** नहीं किया गया **है:**---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भक्षि-नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमो करने या जससे बचने में सूविधा के लिए। और 🗇
- (ख) ऐसी किनो भाय या किसी घन या श्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया असा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ब्रतः भ्रव, उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, म उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के धीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :---

- 1. श्रो वेदकास, प्रोगानास, पुत्र बलाकी राम, बस्ती शेख रोड, जालन्धर। (अन्तरक)
  - 2. श्री मती शीला देवी पत्नी बलदेव राय,
    - (2) कृष्णा रानी, पत्नी गोपाल कृष्ण 394, सोतला मंदिर, ग्रमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अन्यिष, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अथिकत द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिधिनियम के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही सर्व होगा, जो उस सम्याय में दिया गया है।

### मनुसूची

मकान जो बस्ती रोड, जालन्धर में स्थित है जैसा कि विलेख में 7787 ग्रौर 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीखा: 4-11-78

प्ररूप ग्राई०टी० एन० एस०----धायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269ष (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त] (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांकः 4 नवम्बर, 1978

निदेश सं० ए०पी० नं० 1842—यतः मझे, बी० एस० वहिया

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- उ० से अधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि धनसूची में लिखा है तथा जो फतहपुरा जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपावक धनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन दिनांक मार्च, 1978

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भौर मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भौर मन्तरक (अन्तरकों) भौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के सीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में नास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य बास्सियों की, जिन्हें भारतीय भागकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्थिधा के लिए;

सतः ग्रम, उनतः श्रिधितियम की धारा 269-ग के ग्रमु-सरण में, में, उक्त श्रिधितियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन निम्निस्तित व्यक्तियों, श्रथीत्:—— 4—346GI/78

- श्री कृष्प्र लाल पुत्न बेलीराम् ृद्धारा हैं मनेजर, युनाईटिड कमरशियस बैंक रघुनाथ बाजार, जम्मू।
  - (भन्तरक)
- 2. श्री हरबन्स लाल पुत प्रजंन दास
  - (2) लक्ष्मी रानी पहनी श्री हरबन्स लाल मकान नं० बी- VII 241, फतहपुर, जालन्धर (ग्रन्सरिती)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
   (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
   (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध के कोई भी श्राह्मव :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अधोहेस्तांक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त प्रक्षि-नियम के धध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा जो उस स्रक्ष्मस में विसा गया है।

#### अन<u>ुस</u>ुची

मकान नं बी- VII 241, जो फतहपुरा जालन्धर में सम्मिलित है जैसा कि विलेख नं 7889 मार्च, 1978 के रजिस्ट्रीकर्ता घधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० वहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जालन्धर

तारी**खः 4-11-78** 

मोहर ;

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

भागकर अधिनियम, 19हाँ (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

भार्यालय, सङ्घक पायकर भावकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 4 नवम्बर, 1978

निदेश सं० ए० पी० नं० 1843—यतः मुझे बी० एस० दिह्या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परशात् 'उनत श्रिधिनियम' कहा गया है), की श्रारा 269-स के मधीन संप्राप्त प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण ह कि स्थालर संस्थित, जिसका उसित बाबार मृत्य

25,000/- ४० से भाभि 🖑 🖫

भीर जिसकी सं० जैसा कि अनसूची में लिखा है तथा जो लिंक रोड जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) के श्रधीन जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च, 1978

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बूश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रभायूबोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल हो, जिल्ली वृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरिक (अन्तरकों) भीर (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीख् एंसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक कप से कथित नहीं निया गया है :---
  - (क) अन्तरण ये ्रह्रूई किसी पाय की बाबत, उक्त श्रिष्ठितियम के श्रिष्ठीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
  - (ख) ऐसी किसी बास या अस्य आस्तियों को, जिस्हें तारर्ग क्षेत्रभाग- हर शिक्षित्रमा, 1922 (1922 का १४: किसी अस्ति असिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1357 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्दर्शित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त श्रांधनियम, की धारा 269ना के समुसरक में, में, उक्त श्रीधियम की धारा 269-थ की उपसारा (1) के बसीम निम्नलिखित स्यक्तियों, सर्थात्:--  श्री स्नासा सिंह, पुत्र गुरबचन सिंह 39, मडिल टाउन, जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

श्री हरबन्स सिंह वेदी
 235, माडल, टाउन, जालन्धर।

(श्रन्तरिती)

जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रिच रखता है ) (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्संबंधी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में रामाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कियो प्रन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंथे।

स्थव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीरे पदा का, ओ उक्त शिध-नियम, के शध्याय 20क में परिभाषित हैं, तही श्रथ होगा ना उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

### अमुसूची

प्लाट नं० 1162 लिंक रोड, जालन्धर में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 8019, मार्च, 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधि-कारी के कार्यालय जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 4-11-78 मोहर: प्ररूप भाई• टी॰ एन• एस•—

मायकर भाषिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के प्रभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निदेश सं० ए० पी० नं० 1844—यतः मुझे बी० एस० दिह्या आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है और जिसकी सं० जैसा कि प्रनुसूची में है तथा जो चहार बाग, शिवाजी नगर, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में प्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पल्दह प्रतिगत से प्रधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप सं कियत नहीं किया गया है:——

- (क) प्राप्तरण से हुई किसी प्राप्त की बाबस, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी आथ या किसी धन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः। धवः, उत्तरं धिविनयमं की बारः 269न्य के धनुतरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपबादा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत् :—

- श्रीमती श्रमीवती दुरगल पस्तिश्वौर सुरेश कुमार दुरगल पुत्र संत राम दुरगल, 128/3, सैंट्रल टाऊन, जालन्धर । (ग्रन्तरक)
- श्री नरंजन चन्द पुत्र पुन्नू राम, गांव पंडोरी खास, तहसील नकोदर, जालंधर ।

(म्रन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
   (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो ध्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता हो।
   (वप ध्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्राजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की वारीख से 45 विन की भविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामील से 30 दिन की भविध, के भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भी तर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मुझोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शन्दों और पन्ने का, जो उक्त अधिनियम के प्राच्याय 20क में परिभाषित है, वही धर्ष होगा, जो उस प्राच्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्रापर्टी नं० इजे-192 चहार बाग, शिवाजी नगर, जासन्धर में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 7845 मार्च, 1978 में रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 4-11-1978

🎪 प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 नवम्बर, 1978

निदेश सं० ए० पी० नं० 1845—यतः मझे बी० एस० दहिया

म्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्राविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम पाधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ध्पये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ं जैसा कि श्रनसूची में है तथा जो रेलवे रोड, जालन्धर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908 ( 1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1978

को पूर्वीकत सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अँग्तरिन की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अग्तरिती (अन्तरितिया) अं बीज एसे भन्तरण के लिए तय पाया गया भाजफल, निल्लिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्जिक एन से कृषित नहीं किया गरा है;

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के भक्षीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर धिधनियव, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

ग्रतः शब, उक्त श्रिविनयम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिविनयम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्राचीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राविः—

- 1. श्री देसराज पुत्र रामूमल डब्ल्यू०-एम 169, बस्ती गुंजा जालन्धर। (श्रन्तरक)
- श्री राम प्रकाश पुत्र मन्शीराम गांव मांगेवाल, जिला होशियारपुर।
   (भ्रन्तरिती)
- जैसा ऊपर नं० 2 में है।
   (बह व्यक्ति जिसके भ्रष्टिभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
   (वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्साक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजीन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रजंन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो मी
  भविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का जो उक्त श्रिधिनियम के भव्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

दुकान नं० 3ई-169 रेलवे रोड, जालन्धर में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 8234 मार्च 1978 में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी जालन्धर में लिखा है।

> वी० एस० दहिया सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 4-11-78 मोहर: म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के ममीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालनधर

जालन्धर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निदेश सं० ए० पी० नं० 1846— यतः, मुझे, बी० एस० दिह्या, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारख है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-क से अधिक है श्रीर जिसकी

सं० जैसा कि अनस्वी में है तथा जो लिक रोड जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्री-करण श्रिष्ठिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन मार्च, 1978 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमान से सिक्षक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक इप से कियान नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बागत, उक्त ग्रिमियम के ग्रिमीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य ग्राहिउयों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः। अब, उन्त घिषिनियम की बारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्मात्:—

- श्री ग्रासा सिंह, 39, मांडल टाऊन, जालन्धर । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री जगजीत सिंह, 39 माडल टाऊन, जालन्धर । (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त प्रस्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सभ्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्ती व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष, जो भी भविष बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचमा के राजपन में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ग्रघोहस्तामरी के पास जिख्त में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण !---इसमें प्रयुक्त शब्दों मौर पवीं का, जो 'उक्त अधिनियम', के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

### अनुसभी

प्लाट खसरा नं० 26376/21080-21081 जो 2 लिंग रोड, जालन्धर में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 8085 मार्च, 1978 जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, जालन्धर

तारीख: 4-11-78

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निदेश सं० ए० पी० नं० 1847—यतः मुझे बी० एस० दहिया

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मूल्य 25,000/- स्पए से मधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो गांव चोहक में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मार्च, 1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः म्रब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:—

श्री जसबंस सिंह पुत्र अमर सिंह,
 597 माडल टाऊन, जालन्धर ।

(श्रन्तरक)

 श्री बलदेव सिंह, गुरदीप सिंह पुत्र जैमत सिंह पुत्र नरिजन सिंह, गांव चोहक, तहसील जालन्धर ।

(श्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है )

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रान्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पस्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं श्रर्थं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अन्सूची

जमीन 16 कनाल, 14 मरले जो गांव चोहक में स्थित हैं जैसाकि विलेख नं० 7773 मार्च, 1978 में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जालन्धर

तारीख : 4-11-78

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस० ---

आयकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निदेश सं० ए० पी० नं० 1848—यतः मुझे बी० एस० दहिया

भायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनसूची में लिखा है तथा जो गांव जला सिंह में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मार्च, 1978

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रयीत्:--

 श्री हजारा सिंह पुत्र इन्द्र सिंह, गांव श्रम्बगड़, तहसील जालन्धर ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती चैंचल महेश पत्नी कपिलदत्त महेश श्रह्ण होशियारपुर, जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो ध्यक्ति सम्पैत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सप्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्मब्बीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्स श्रधिनियम कि श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूचो

जमीन 34 कनाल 11 मरले जो गांव जला सिंह में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 8039, मार्च, 1978 में रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 4-11-78

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—— ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

> 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निदेश सं० ए० पी० न० 1849--यतः मुझे बी० एस० वहिया

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिन, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनसूची में लिखा है तथा जो गांव क्रिंजल्ला सिंह में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रीधक है ग्रीर अन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए घा, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखिष्ठ व्यक्तियों, श्रर्थात् —  श्री जागीर सिंह पुत्र म्रार्जन सिंह गांव जला सिंह, तहसील जालन्धर।

(मन्तरक)

 श्री कापिल दत्त पुत्र दौलत राम अङ्का, होशियारपुर, जालन्धर।

(ब्रन्तरितीं)

3. जैसाऊ पर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है।)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **धर्जन के** लि**ए** कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त तमाति के प्रजीत के सम्बन्ध में कोई भी स्नाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाणन की तारीख से
  45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूवना के राजगत्न म प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
  किसो अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पढदो हरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों ग्रीर पदों का जो उक्त प्रधिनियम के ग्रध्याय 20 नंक में परिभाषित हैं, बही प्रयंहीगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन 18 कनाल, 18 मरले जो गांव जला सिंह में है जैसा कि विलेख नं० 7945 मार्च, 1978 में रिजस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी में लिखा है।

> बी० एस० दहियां समक्ष प्राधिकारी, सहायक भागकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 4-11-78

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस•---

आयकर ध्रिप्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

प्रजॅन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निवेश सं० ए० पी० नं० 1850—यतः मझे बी० एस० दहिया

ब्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- इ० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनसूची में लिखा है तथा जो गांव गढ़ा, तहसील जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाकार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निकित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की नावत, उन्त क्षिक्ष-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसा किसी घाय या किसी घत या अन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्ठित्यम, या धनकर घिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः प्रव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के क्योन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्षात्।—-

5-346 GI/78

- 1. (1) श्री गजयपाल सिंह पुत्र वय्यान सिंह
  - (2) सरबजीत सिंह,
  - (3) इन्द्रबीर हिंह पुत्र गजयपाल सिंह
  - (4) बलविन्द्र कौर श्रौर मनजीत कौर पुत्रिया भुजयपाल सिंह, गांव गढ़ा, जालन्धर ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री दलजीत सिंह, बलदेव सिंह पुत्र दिलबाग सिंह गांव मंडवा, तहसील फगवाड़ा।

(श्रन्तरिती)

3. जैसाऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्तिमें रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी स से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब ब किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

ह्पव्यक्तिण्यः—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही सर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

जमीन 2 कनाल जो गांव गढ़, जालन्धर में स्थित है जैसाकि विलेख नं० 7400 मार्च, 1978 में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, समक्ष प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 4-11-78

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज जलन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी०/81/852—यतः मुझे, बी० एस० दहिया

ष्मायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुप्त से श्रिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में हैं। तथा जो गांव वितू नंगल जलन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावक ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जलन्धर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण अधिक में बास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उक्त मधिनियम की धारा 265-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269.-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्वात्:—

- 1. श्री इन्द्र पाल पुत्र मुनी लाल करतारपुर।
- (2) श्री हरी राम पुत्र ठाकर दास करतारपुर
- (3) श्री बलदेव सिंह पुत्र साधू सिंह दितूनंगल तहसील जलन्धर।

(अन्तरक)

- 2. मैंसर्स राजकुमार ध्रमवाल एण्ड को० करतारपुर। (भ्रन्तरिती)
- 3. जैसा ऊपर नं० 2 में है।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो की सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनको बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी
  ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रविद्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रीधिनियम के घ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस भ्रष्ट्याय में विया गया है।

### अमुसूची

जमीन 17 कनाल 3 मरले जो गांव दितू नंगल में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 7840 मार्च 1978 की रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी जलन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख: 4.11-78

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०————— आयकर ग्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) भी धारा

269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 4 नवम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० सं० 1851—यतः मुझे बी० एस० वहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो बस्ती ग्रोख म स्थित है (ग्रीर इससे उपायद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय आलन्धर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से श्रीधक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रिषिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुधिधा के लिए:

ध्रतः भ्रज, उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के ध्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रिथीत्:— 1. श्रीमती रामजीदास पुत्री राम चंद बस्तो शेख जलन्छर।

(मन्तरक)

- 2. (1) श्री राजकुमार
- (2) श्री मोहिन्द्र कुमार
- (3) श्री सूदेश कुमार पुत्र सोहन लाल
- (4) श्रीमती भगवान देवी बेवा पुनू लाल
- (5) श्रीमती रीटा रानी पत्नी राज कुमार
- (6) श्री कुन्दन लाल सुपुत्र जीवन दास 50 विजय नगर जलन्धर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की सारीख से
  45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बद्धिकरण:--इसमें प्रयक्त मध्यों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### ग्रनुसूची

जमीन 2 कनाल 1 मरला जो बस्ती शेख में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 7562 मार्च 1978 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी जलन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, जलन्धर

तारीख: 4-11-78

### प्ररूप प्राई० टी० एन∙ एस ∙---

भायकर ममिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 च (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज IV, बम्बई

बम्बई, दिनांक 23 भ्रगस्त 1978

निर्देश सं० ए० ग्रार० 4/821-फरवरी-78--यतः मुझे एम० सी० उपाध्याय भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु∙ से भ्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एस० नं० 9 ग्रौर 10 हिस्सा नं०8,7,3,4 है तथा जो गांह मोहिली में स्थित है (श्रौर इससे उपावब अनुसूची में ग्रौर पुर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 24-2-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दुरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) भीर मन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्त भन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उकत अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा **के लिए; भीर**/ण
- (खा) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्थ भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर प्रक्रिनियम, 1957 (1957 **का** 27) के प्रयोजनार्थे भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया या या किया जाना **भाहिए** या, छिपाने में सुविधा के लिए:

शतः श्रम, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के शनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपघारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधातः --

- 1. श्री भूपिन्द्र सिंह और अन्य (श्रन्तरक)
- 2. सुरिन्दर इंजि० कं० प्रा० लि० (भ्रन्तरिती)
- 3. यथोपरी

(वह व्यक्ति, जिसके म्रधिभोग में सम्मित है)

4. यथोपरी

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाजेंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 4.5 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन 📦 भीसर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अध्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास क्रिकियत में किए जा सर्केंगे।

स्पच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त श**ब्दों भी**र पदों का, जो अक्त अधिनियम के प्राध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### पहली अनुसूची

बंबई महानगर के रजिस्ट्री उप जिला बान्द्रा, जिला बंबई उपनगर के मोहिली गांव (कुर्ला में) मौजूद पड़ी हुई जमीन या मैदान के वे तमाम टुकड़े या भाग, उन पर इस समय खड़ी या बाद में बनने वाली बाड़ियों, किराएदारी के मकानों, इमारतों या ढांचों सहित ग्रौर जिन टुकड़ों या भागों के सर्वे नं० व हिस्सा नं० श्रागे लिखें हैं:--

सर्वे नं०	हिस्सा नं०	क्षेत्रफल वर्गगजमें	क्षेत्रफल वर्ग मीटरों में
9	8 (श्रंश)	576 वर्गगज	418,611 <b>व</b> र्ग मीटर
9	9 (ग्रंग)	616 वर्गगज	515.956 ,,
9	7 (भ्रंश)	444 ,,	371.242 ,,
10	3 (श्रंश)	3464 "	2896.354 ,,
10	4 (भ्रंश)	23 ,,	19.231 ,,
10	2 (श्रंश)	362 ,,	302.629 ,,

श्रीर इन टुकड़ों या भागों की सीमा इस प्रकार बनती है :— यानी उत्तर की छोर आंशिक रूप नं० 10 हिस्सा नं० 1 ग्रीर सर्वे नं० 9 हिस्सा नं० 8 (भाग), दक्षिण की म्रोर भ्रांशिक रूप से सर्वे नं० 10, हिस्सा नं० 4 (ग्रंग) और हिस्सा नं० 3 (ग्रंग) व हिस्सा नं० 2 (ग्रंश) भौर पश्चिम भ्रोर ग्रांशिक रूप से सर्वे नं० 9, हिस्सा ने॰ 8 (श्रंग) व हिस्सा 7 (श्रंग) है श्रीर इनके बारे में नगरपालिका में एल॰ वार्ड के नं॰ 3936 (6 सी॰ व 6 डी०), स्ट्रीट नं० 45 एच०, व 45 एच०ए० (सभी मोहिली गांव के ) हैं।

	वूसरी धनुसूची		
ऋ० सं०	मर्स	नि का नाम साइज धौर उसकी क्षमता	
1.	लाथ	2 ए <b>च</b> ०पी०	
2.	लाथ	. 2 ,,	
3.	लाथ	2 ,,	
1	काश्वर समय मोहर कौर दशर्शर हो माखद		

5. लाथ मसीन

6. फ्लाई प्रेस नं० 22 हन्डील ग्रौर पहिए के साथ

5,

7. लाध

5,

 प्रीवेन डींग जेटीसीमसीन फेबीकेटेड

> एम० सी० उपाध्याय सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रजन रेंज, दिल्ली

दिनांक: 23 ग्रगस्त 1978

मोहर:

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

आयंकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, **सहायक भायकर भायुक्त (निरोक्षण)** श्रर्जन रेंज, अमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 24 अगस्त 1978

निर्देश सं० ए० एस० [स्नार० | 78-79 | 41- यतः मुझे एन० पी० साहनी

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है जो ग्राम मनोचहल में स्थित है (श्रौर इससे उपावक श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तरनतारन में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1978

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया

गया था मा किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: मब, उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधात् :---

 श्री पिशोरा सिंह पुत्र श्री प्रीतम सिंह ग्राम मनोचहल कलां, तरन तारन जिला ग्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

 श्री दिलबाग सिंह पुत्र श्री गुरबक्स सिंह एवं श्री निर्मल सिंह पुत्र श्री हरबन्स सिंह सखारी तहसील। तरन तारन जिला अमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर भ्रंकित है श्रौर यदि कोई किरायेदार हो ।

(वह व्यक्ति,जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानाता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह भूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक किसी धन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रिष्ठ-नियम के प्रष्ठयाय 20क में परिभाषित हैं, वही भ्रषें होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भू-खण्ड नाप 56 केनाल 7 मरला स्थित ग्राम मनोचहल कला, तहसील तरन तारन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख में संख्या 530/ फरवरी 1978 में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिध कारी तरन तारन जिला श्रमृतसर में लिखा है।

> एन० पी० साहनी सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 24 अगस्त 1978

प्ररूप धाई• टी• एन• एस•---

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** घारा 269-**घ** (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 24 श्रगस्त 1978

निर्देश सं० ए०एस०म्रार०/78-79/42—यतः मुझे एन० पी० साहनी

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्ष्य 25000/- रुपए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम मनोचहल कलां तहसील तरनतारन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय तरन तारन में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908

(1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1978 को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत्त प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक उप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भ्रिष्टिनियम के भ्रमीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय था किसी घन या प्रमय प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रव उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) निम्नलिखित क्यक्तियों, के अधीन श्रयात् :---

- श्रीमती बचन कौर विधवा श्री श्रीतम सिंह मनोबहल कलां, तहसील — तरनं तारम, जिला अमृतसर। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती दलबीर कौर पुत्नी श्री बूटा सिंह चिचारावल तहसील तरन तारन जिला ग्रमृतसर ग्रमरीकी पुत्नी चानन सिंह बासटे।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर कमांक 2 पर श्रंकित है श्रौर यदि कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके घिधभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, मझोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उब्त भिन्न नियम के भव्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही भर्थ होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भू-खण्ड नाप 56 केनाल 8 मरला स्थित ग्राम मनोचहल कलां तहसील तरन तारन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 5302 फरवरी 1978 में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीध-कारी तरन तारन जिला ग्रमुतसर में लिखा है।

> एन०पी० साहनी सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 24 अगस्त 1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर भ्रमृतसर, दिनांक 24 भ्रगस्त 1978

निर्देश सं० ए० एस० ग्रार०/78-79/43-यतः मुझे एन० आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घर्षिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ह० से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम सरहली कलां तहसील तरन तारत में स्थित है (श्रीर इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तरन तारन में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख फरवरी 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके कुरयमान प्रतिकल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत झिंछक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त श्रि जिनियम के श्राचीन कर वेंने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ओर/या
- (बा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय मायकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविज्ञा के लिए:

अतः अय, उन्त अधिनियम की चारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयति :---

- 1. श्री चनम सिंह पुत्र निहाल सिंह ग्राम मनोचहल कलां, तहसील तरन तारन जिला ग्रमृतसर। (भ्रन्तरक)
- 2. श्री मुख्तार सिंह पुत्र श्री इन्दर सिंह सरहली कलां तहसील तरनतारन दिलबाग सिंह पुत्र श्री गुरबक्स सिंह सरहली कलां, तहसील तरन तारन जिला ग्रमुतसर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर कमांक 2 पर श्रंकित है और यवि कोई किरायेदार हो। (बहु व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षी ---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्यद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

**स्पब्धीकरण** :---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जी उन्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### धनुसूची

कृषि भू-खण्ड नाप 56 के 2 एम स्थित ग्राम सरहली कलां तहसील तरन तारन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 5654 फरवरी 1978 में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी तरन तारन जिला भ्रमृतसर में लिखा है।

> एन० पी० साहनी सक्षम प्राधिकारी. सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण),

तारीख: 24 अगस्त 1978

मोहर:

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के मधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्चमृतसर श्चमृतसर, दिनांक 24 श्रगस्त 1978

निर्देश सं० एएसग्रार/78-79/44 — यतः मुझे एन० पी० साहनी आयकर प्रिक्षित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिष्ठित्यम' कहा गया है), की घारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम सरहली कला तहसील तरन तारन में स्थित है (ग्रीर इससे उपावक अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, तरन तारन में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख फरवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए प्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है, घोर घन्तरक (अन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिक्षित में बास्तिविक क्य से कवित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (बा) ऐसी किसी आय या किसी घन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्वं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिमाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की **एपधारा (1)** के बाधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्बात्:---  श्री दर्शन सिंह पुत्र श्री निहाल सिंह मनोचहल कलां तरन तारन, जिला श्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री देवीन्द्र सिंह पुत्र श्री श्रमरीक सिंह री हिस्सा कुलदीप सिंह पुत्र हरदीप सिंह री हिस्सा मनखन सिंह पुत्र श्री ठाकुर सिंह ग्राम सरहली कलां री हिस्सा।

(भ्रन्तरिती)

 जैंसा कि ऊपर ऋमांक 2 पर श्रंकित है श्रौर यदि कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में किच रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितन इ किसी प्रक्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्प्रव्यक्ति प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रविनियम, के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं| वहीं भर्ष होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि नाप 59 के॰ 3 एम स्थित ग्राम सरहली कलां तहसील तरन तारन जिला श्रमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 5655 फरवरी 1978 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तरन तारन जिला श्रमृतसर में लिखा है।

> एन०पी०साहनी स**क्षम प्राधिकारी** सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज, कलक**ला** ।

दिनांक : 24-8-78

मोहरः

#### प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अग्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज ग्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 24 ग्रगस्त 1978

निर्देश सं० एएसग्रार/78-79/45/--- यतः मुझे एन० पी० शाहनी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रीर जिमकी सं० भृमि है तथा जो ग्राम जैन्तीपुर तहसील ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, तहसील ग्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐमे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सें हुई किया आय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में युविधा के सिग्; और/या
- (स्व) ऐसी किसी भाष या किसी भन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ं प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने ने सुविधा के लिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।---6---346GI/78 1. श्री शाम लाल पुत्र श्री नरायनदास ग्राम जैन्तीपुर, तहसील ग्रमतसर।

(ग्रन्तरक)

 श्री चिमन लाल पुत्र श्री नरायनदास ग्राम जैन्तीपुर, तहसील ग्रमुतमर।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर श्रंकित है ग्रौर यदि कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्तिः जिनके बारे में स्रधोहस्ताक्षरी जानगा है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उना संपत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (न्त्र) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
  किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

### अनुसूची

कषि भूमि नाप 51 के० 15 एम० स्थित ग्राम जैन्तीपुर तहसील ग्रमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकत विलेख संख्या 5648 मार्च 1978 में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी तहसील ग्रमृतसर में लिखा है।

> एन० पी० साहनी सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख:24 अगस्त 1978

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-----ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर कार्यालय ग्रमृतसर, दिनांक 28 ग्रगस्त 1978

निर्वेश सं० एएसम्रार/78-79/46/ — यतः मुझे एन० पी० साहनी, आयकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख

के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

रुपए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी भूमि ग्राम बोल्टोहा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, तहसील पट्टी जिला श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रंबीत्:—

- श्री ईकबाल सिंह पुत्र श्री मंगल सिंह निवासी ग्राम बोल्टोहा, सब तहसील खेमकरन, जिला ग्रमृतसर। (श्रन्तरक)
- श्री मक्खन सिंह, बसन सिंह, गुरनाम सिंह पुत्र श्री बन्ता सिंह निवासी बोल्टोहा, सब तहसील खेम करन, जिला ग्रमृतसर।

(श्रन्सरिती)

- 3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर ग्रॅंकित है ग्रौर यदि कोई किरायेद्वार हो। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है),

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के झर्जन के सम्बन्ध में कोई भी म्राध्नेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### **प्रनुसूची**

कृषिभू-खण्ड नाप 53के० 11 एम० स्थित ग्राम बोल्टोहा सब तहसील खेमकरन जिला ग्रमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 844 फरवरी 1978 में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी तहसील खेमकरन जिला ग्रमृतसर में लिखा है।

> एन० पी० साहनी सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 28∎8-78 ं

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर मर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के भन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, ग्रमृतसर श्चमृतसर, दिनांक 28 श्रगस्त 1978

निर्देश सं० एएसम्रार/78-79/47/ --अतः मुझे एन० पी० साहनी प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,**0**00/-रुपये से मुख्य ग्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो मारी मेगा तहसील पट्टी में स्थित है (ग्रीर, इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पुर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय तहसील पट्टी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, भव, उन्त श्रिधिनियम की घारा 269-ग के श्रनु-सरण में, में, उन्त श्रिधिनियम की घारा 269-ग की उपचारा (1) के अधीन निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री हरदीप सिंह पुत्र श्री दरबारा सिंह निवासी नारली तहसील पट्टी, जिला श्रमृतसर।

(अन्तरक)

 श्री मेजा सिंह पुत्र विश्वन सिंह श्री सुरजन सिंह पुत्र श्री बहादुर सिंह निवासी ग्राम द्राजके तहसील पट्टी, जिला ग्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

 जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर ग्रंक्ति है ग्रौर यदि कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति , जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवब्र है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिणरण: --- इसम प्रयुक्त शब्दों स्रीर पदों का, जो उक्त प्रश्चि-नियम के ध्रष्टयाय 20-क में परिभावित हैं, वह सर्थ होगा, जो उस प्रष्ट्याय में दिया गया है।

### धनुसुची

कृषि भू-खण्ड नाप 52 के॰ 1 एम स्थित ग्राम मारी मेगा तहसील पट्टी जिला श्रमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 845/3007 फरवरी 1978 में रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रधिकारी पट्टी जिला श्रमृतसर में लिखा है।

> एन० पी० साहनी सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 28-8-1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के भाषीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 28 ग्रगस्त 1978

निवेश सं० एएसम्रार/78-79/48/ ——यतः मुझे एन० पी० साहनी

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्तिं, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-क्पए से श्रिष्ठिक है

श्रौर जिसकी सं० 741,  $1948/I^{I}$ -25,  $1129/I^{I}$ -25 एम० सी० ए० है तथा जो कूचा तरखाना, ग्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप है विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जनवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर यह कि मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के भ्रधीन कर वेने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रब, उक्त भ्रिभिनयम की घारा 269-ग के भ्रनुसरण में मैं, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्षात्:—  श्री जसविन्दर सिंह देवीन्दर सिंह पुत्रगण श्री करतार सिंह, निवासी कटरा ग्रहलूबालिया गली लालावाली कूचा तरखाना ग्रमृतसर।

(ऋलास्क)

 श्रोमती सुदर्शन रानी पत्नी श्री सत्तभाल महिण्वरी निवासी कटरा श्राहलूवालिया कूचा तरखाना श्रमुतसर।

(अन्तरिती)

 जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर श्रंकित है श्रीर यदि कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके स्रधिमोग में सम्पत्ति है)

 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में इचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रबोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उनत सम्पत्ति के ध्रजन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप---

- (क) इस सूचना कि राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोकरण: --इसमें प्रयुक्त मच्यों और पदों का, जो उक्त मधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही मर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### श्रनुसू<del>ची</del>

सं० नं० 741 श्रोर 1948/II-25-1120/II-25 एम० सी० ए० जो कूचा तरखाना में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेखं संख्या 3416 जनवरी 1978 में रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी, शहर श्रमृतसर में लिखा है।

एन०पी० साहनी सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) यर्जन रेंज, श्रमुतसर

तारीख: 28-8-1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०—

आयकर मिषिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के मिषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, प्रमृतसर कार्यालय

श्रमृतसर, विनांक 21 सितम्बर 1978

निदेश सं० एएसग्रार/78-79/53—यतः मुझे एन० पी० साहनी आयकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त श्रिधिनयम कहा गया हैं) की धारा 269 घ को अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित श्राजार मूल्य 25000/-रुपए से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 1/4 हिस्सा H. 251 श्राबादी दुर्गयाना श्रमृतसर में है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर शहर में रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1978

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिगत से अधिक है बीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रीमिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्टिनयम, या धन-कर ग्रीमिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: प्रव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में; मैं, उन्त ग्राधिनियम की धारा 269-घ की उपज्ञारा (1) के ग्राधीन, निम्नसिखित स्थक्तियों, श्रर्थात्:—  श्री जगत पाल खक्षा पुत्र बंगीधर श्रवादी दुर्गायाना श्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

- 2. श्री जुगल किशोर पुत्र सरदारी लाल मकान : 251 अबादी दुर्गयाना मन्दिर, श्रमृतसर। (अन्तरिती)
- 3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि ऊषर नं० 2 में ग्रौर कोई किरायेदार हो तो।
  - (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. श्री/श्रीमती/कुमारी ग्रौर कोई व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुची रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजेंन के लिए कार्यत्राहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस यूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी भन्य स्थित द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पदों का, जो उक्त श्रक्षिनियम के श्रष्टयाय 20क में परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

#### ग्रमुसूची

1/4 हिस्सा मकान नं० 251 ख्रबादी दुर्गयाना जैसा कि रजिस्टर्ड डीड 3694 फरवरी 1978 रजिस्ट्रीकृत अधिकारी श्रमृतसर शहर में लिखा है।

> एन० पी० साहनी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 21-9-78

प्ररूप आई • टी • एन • एस • ----

धायकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर कार्यालय

-ग्रमृतसर, दिनांक 21 सितम्बर 1978

निर्देश सं. एएसम्रार/78-79/54—यतः मुझे, एन०पी० साहनी

कायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— इ० से भिधिक है

और जिसकी सं० 1/4 हिस्सा मकान नं० 251 श्रबादी दुर्गयाना श्रमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर शहर रिजस्ट्रीकर्रा श्रिवियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भविनियम, के भवीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या धन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रचीत्:—  श्री जगतपाल खन्ना पुत्र वंशी धर भ्रबादी दुर्गयाना ग्रम्तसर।

(ग्रन्तरक)

 श्री पन्ना लाल पुत्र श्री सरदारी लाल मकान नं० 25 स्रबादी दुर्गयाना श्रम्सतसर।

(भ्रन्तरिती)

 जैसा कि नं० 2 में है। स्रौर कोई किरायेदार हो तो

(वह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो कोई व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रुखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवढ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीक्षर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त ध्वित्यम के ध्रध्याय 20-क में परिभाषित है बही धर्य होगा जो उस घड्याय में दिया गया है।

### श्चनुसू घो

1/4 हिस्सा मकान नं० 251 श्रबादी दुर्गयाना श्रमृतसर रिजस्ट्रीकृत नं० 4142 मार्च, 1978 रिजस्ट्री श्रधिकारी श्रमृतसर शहर में है।

एन०पी.०साहनी सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रुजैन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 21-9-78

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ष(1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 21 सितम्बर 1978

निदेश सं० एएसग्रार/78-79/55—यतः, मुझे, एन० पी० साहनी,

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है

स्रीर जिसकी सं० 1/4 हिसा मकान नं० 251 स्राबादी है तथा जो दुर्गयाना स्रमृतसर में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, स्रमृतसर णहर में रजिस्ट्रीकरण स्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान अतिफल से, ऐसे दृश्यमान अतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: श्रब, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—  श्री जगत पाल खन्ना पुत्र श्री वंशी धर म्नाबादी दुर्गयाना श्रमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री जवाहर लाल पुत्र सरदारी लाल मकान नं० 251 श्राबादी दुर्गयाना श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

जैसा कि नं० 2 में है श्रौर कोई किरादार हो तो ।
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्गक्ति है)

4. श्री/श्रीमती/कुमारी जो श्रीर कोई व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे ।

स्पच्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में विया गया है।

### अनुसूची

1/4 हिस्सा मकान नं० 251 ग्राबादी दुर्गयाना श्रमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 4252 मार्च 1978 रजिस्ट्री ग्रधि-कारी ग्रमृतसर गहर में है।

> एन० पी० साहनी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 21-9-78

प्ररूप ग्राई॰ टी॰ एन० एस०---

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के भधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर कार्यालय श्रमृतसर, दिनांक 1978

निदेश सं० एएसग्रार/78-79/56---यतः, मुझे, एन० पी० माहनी,

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का का**रण** है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य 25.000/- ए० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 1/4 हिस्सा मकान नं० 251 ग्राबादी दर्गयाना है तथा जो स्रम्तसर

में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रप्रैल 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है, फ्रीर अन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत उकत अधिनियम के ग्रधीन कर देने के **ग्र**न्तर≆ के दाधित्व में कभी **कर**ने या उससे बचने में सुविधा च कि कि भीर/या
- (१९) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों : को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में नृविधा के जिए:

**ग्रतः** ग्रद, उक्त ग्रिधिनियम, की घारा 269-ग के ग्रन्• सरण में, मै, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नशिक्त व्यक्तियों, अर्थात:--

1. श्री जगत पाल खन्ना पुत्र श्री वंशीधर श्राबादी दूर्गयाना ग्रमृतसर्।

(ग्रन्तरक)

2. श्री प्यारा लाल पुत्र श्री सरदारी लाल मकान नं० 251 स्राबादी दुर्गयाना स्रमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है श्रीर कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ग्रीर कोई व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति. जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राजेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की भविः या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही धर्ब होना जो उस मध्याय में दिया गया है।

# ग्रनुसुची

1/4 मकान हिस्सा नं० 251 ग्राबादी दुर्गयाना ग्रमृतसर रजिस्ट्रीकृत नं० 234 ग्रप्रैल 1978 रजिस्ट्री अधिकारी ग्रमृतसर शहर में है।

> एन० पी० साहनी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख:

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०——— ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के ग्रिधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रजॅन रेंज, श्रमृतसर कार्यालय ग्रमृतसर, दिनांक 23 सितम्बर 1978

निर्देश सं० एएसग्रार/78-79/57—यतः मुझे एन० पी०

साहनी शरास्त्र

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 957/1-10 मण्छी बाजार इन साईड हाल बाजार 'श्रमृतसर शहर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध

धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय ग्रमृतसर णहर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तिरत्त की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है श्रीर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर ग्रन्तिरती (श्रन्तिरतियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण निखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; भ्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रम, उनत श्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-म की उपघारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत् :— 7—346 GI/78  श्रीमती प्रकाश कौर विधवा श्री नथ्या सिंह ग्रौर श्री गुरवचन सिंह पुत्र नंथ्या सिंह मच्छी बाजार इनसाईड हाल बाजार श्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

 श्री हरि सिंह ग्रमरीक सिंह पुत्रागण श्री उजागर सिंह नियासी मच्छी बाजार इनसाईड हाल बाजार श्रम्तसर।

(भ्रन्तरिती)

 जैसा कि नं० 2 में है भ्रौर कोई किरायेदार हो तो।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रीर कोई व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### म्रनुसूची

मकान नं० 957/1-10 मच्छी बाजार श्रमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 3709 फरवरी 1978 रजिस्ट्री ग्रधिकारी ग्रमृतसर शहर में है।

> एन० पी० साहनी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 23-9-78

### प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

# भायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रिष्ठीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, श्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 26 ग्रक्तुबर 1978

निदेश सं० एएसम्रार/78-79/63—-यतः, मुझे, जी० एल० गारू.

भायकर भाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/- द० से श्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० जमीन का टुकड़ा खसरा नं० 530/530/9 530/10/530/11/530 / 12 /530/13 है तथा जो सुरुतान पिन्ड रोड श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) ) के प्रधीन, तारीख मार्च 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचन म सुविधा के लिए; और/ या

में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रम्य ग्रस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-हर ग्रिधनियम, 1922(1922 का 11) या 'उक्त ग्रिधनियम', या धन-कर ग्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुत्तरण में, मैं, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रष्णनः---  श्री कृष्ण कुमार पुत्न मोहन लाल माडल टाऊन श्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

 श्री धुयुन्धर खन्ना पुत्र श्री रोशन लाल कटरा श्रहलुवालिया ग्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

जैसा कि कोई व्यक्ति किरायेदार हो तो ।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है) 4.यदि कोई श्र्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता है।

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित**बद्ध** है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवढ़ किसी भ्रन्य क्यक्ति द्वारा, भ्रभ्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो 'उकत भ्राध-नियम', के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्म होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है '

### अनुसूची

प्लाट 782, 25 सुल्तान पिन्ड रोड श्रमृतसर रिजस्ट्री-फूत नं० 444 मार्च 1978 रिजस्ट्री श्रिधकारी श्रमृतसर शहर में हैं।

> जी० एल० गारू, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 26-10-1978।

गारू

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस०———— म्रायकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्चमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 26 ग्रम्तूबर 1978 निर्देश सं० एएसग्रार/78-79/64—यतः मुझे जी० एल०

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० नियर कनाल सुल्लतान पिंड रोड है तथा जो श्रमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त प्रिष्ठिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त श्रीधनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त श्रीधनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत:---  श्रीमती रूप रानी पत्नी मनोहर लाल गली तिवाडिया लोह गढ़ गेट श्रमृतसर।

(श्रन्तरिती)

 श्री प्रवीन कुमार पुत्र प्रवैक कुमार कटरा ग्रह्वालिया ग्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

 जैसा कि नं० 2 में है श्रौर कोई व्यक्ति किरायेदार हो तो ।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रोर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20—क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन का टुकड़ा 1225 गज सुल्तान पिंड रोड ग्रमृतसर रजिस्ट्रीकृत नं० 4114, मार्च 1978 रजिस्ट्री श्रधिकारी ग्रमृतसर शहर में है।

> जी० एल० गारू सक्षम प्राधिकारी सह।यक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, ग्रम्तसर

तारीख: 26-10-78

प्रकप शाई० टी० एन० एस०--

# **धायकर प्रधिनियम,** 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्चमृतसर श्चमृतसर, दिनांक 6 नवम्बर 1978

निर्देश सं० एएसम्रार/78-79/65---यतः मुझे, जी० एल०

गारू आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- र॰ मे प्रक्रिक है

स्रोर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव मोहन पुर तहसील तरन तारन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय तरन तारन में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, घन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से घिषक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त मधि-नियम के श्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये भौर/मा
- (ख) ऐसी किसी माथ या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर अग्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए बा, खिपाने में सुविधा के लिए;

घतः भन, उम्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रमुसरण में, में, उम्त प्रधिनियम, की धारा 269-च की उपचारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत्:---  श्री बचन सिंह पुत्र सुन्दर सिंह पुत्र ज्वाला सिंह गांव डाडीयां, तहसील तरन तारन।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सुलखन सिंह, इश्पाल सिंह ग्रमृतपाल सिंह पुत्राण गुरनाम सिंह 1/2, जसविन्दर सिंह पुत्र ग्रवतार सिंह गांव मोहनपुर, तहसील तरन तारन।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि फ्रम नं० 2, अगर श्रौर कोई किरायेदार हो तो ।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रीर कोई व्यक्ति जायबाद में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के नियं कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शावधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरच :- इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त मधिनियम के भड़्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस मझ्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि 28-के-4 एम गांव मोहनपुर तहसील तरन तारन जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 303 ग्रप्रैल 1978 ग्राफ रजिस्ट्रीय थारटी तरन तारन में है।

> जी० एल० गारू सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, ग्रमुतसर

तारीख: 6-11-78

प्ररुप माई० टी० एन० एस०--

म्रायकर मिविनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 6 नवम्बर 1978

निर्देण सं० एएसग्रार/78-79/66—यतः मुझे, जी० एल० गारू

मायकर मिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि गांव मोहनपुर तहसील तरन तारन है तथा जो जिला श्रमृतसर में

स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय तरन तारन में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, अप्रैल 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है थ्रौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रिवित्यम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दार्थित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसो आय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः म्रथ, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन निम्नसिक्षत व्यक्तियों मर्मात:—  श्री दारा सिंह पुत्र सुन्दर सिंह, पुत्र ज्वाला सिंह गांव डाडीयां तहसील तरन तारन।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सुलखण सिंह, हरपाल सिंह, श्रमृत पाल सिंह पुदान गुरनाम सिंह 1/2, जसविन्दर सिंह पुद्र श्रवतार सिंह 1/2 गांव मोहनपुर, तहसील तरन तारन।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि क्रम नं० 2 ऊपर ग्रौर कोई किरायेदार हो तो।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ग्रीर कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुची रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाद्वियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्तः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख सैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिनियम के प्रष्याय 20-क में यथापरित्राधितः हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस धष्याय में दियाः गया है।

#### अनुसुस्रो

कृषि भूमि 28के-4 मरले गांव मोहन पुर तहसील तरन तारन जैसा कि रजिस्ट्री नं० 304 अप्रैल 1978 रजिस्ट्रींग ग्रथारिटी तरन सारन में है।

> जी० एल० गारू सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 6-11-78

प्ररूप भाई। टी० एन० एस०----

मायकर मिसिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, म्रमृतसर

भ्रमृतसर, विनांक 6 नवम्बर 1978

निर्देश सं० ए० एस० म्रार०/78-79/67—यतः मुझे, जी० एल० गारू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रक्षितियम' कहा गया है), की घारा 269-खा के ग्रंबीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्यत बाजार मूह्य 25,000/- कि से ग्रंबिक है

न्द्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि नं58 / 206, 207 103 / 295, 296, 5 / 10, 49 / 4 है तथा जो गांव मोहनपुर तहसील तरन तारन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय तरन तारन में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर यह कि भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में बास्तविक हा में कथित न किया हों गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी भाग की नानत, उक्त भश्चित्यम के भ्रभीन कर देने के भ्रस्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वश्ने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या प्रन्य शास्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रम, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, 'उक्त प्रधिनियम' की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिखित व्यक्तियों प्रयात्:—

 श्री सुरजन सिंह पुत्र श्री तेजा सिंह वासी गांव मारहाना, तहसील तरन तारन।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री ज्ञान सिंह, सुरिन्दर सिंह, मलकीयत सिंह पुत्रान श्री प्रीतम सिंह, मरहाना, तहसील तरन तारन। (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि क्रम नं० 2 ऊपर झौर कोई किरायेदार हो तो।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है) 4. ग्रौर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुची रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्तांक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी ग्रवि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबंद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पव्हीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर वदों का, जो उक्त अधिनियम के भ्रष्टयाय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

#### प्रनुसूची

कृषि भूमि 44के-5एम मारहाना गांव जिला ग्रमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रडीड नं० 320 में ग्रप्रैल 1978 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी तरन तारन में हैं।

> जी० एल० गारू सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 6-11-78

प्ररूप भाई • टी • एस • एस •-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज श्रमृतसर कार्यालय श्रमृतसर, दिनांक 6 नवम्बर 1978

निर्देश सं० एएसम्रार/78-79/68—यतः मुझे जी० एल० गारू

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/-र॰ से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० जमीन का टुकड़ा जोशी कालोनी अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख अप्रेस 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरत की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रविक है धौर प्रन्तिरक (अन्तरकों) भौर धन्तिरती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तियिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/मा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भ्रिष्टित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिन्नियम, या धन-कर श्रिष्टित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए;

अतः ग्रंब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-थ की उपश्वारा (1) के ग्रंधीन निम्नलिखन व्यक्तियों, अर्थात् ।——  श्री गुरुबचन सिंह पुत्र राम सिंह कलाथ मार्चेन्टस टाली साहब ग्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

 श्री सुशील चन्द पुत्न शंकर दास सतीस कुमार पुत्न गुशील कुमार गुरु बजार श्रमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है श्रौर कोई किरायेदार हो तो।

(बहु व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रीर कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुची रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रास्त्रेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 विन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबकः किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ह्यच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठितियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा को उस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जोशी कलोनी श्रमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 162 श्रप्रैल 1978 जैसाकी रजिस्ट्रीग्रधिकारी श्रमृतसर में है।

> जी० एल० गारू सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायुकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रजन रेंज ग्रमृतसर

तारीख: 6-11-1978

### प्रकप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

श्राथकर श्रधिनियम् 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज ग्रमृतसर कार्यालय श्रमृतसर, दिनांक 6 नवम्बर 1978

निर्देश सं० एएसम्रार/78-79/69---यतः मुझे जी० एल०

गारू

भायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की भ्रारा 269-ख के अभ्रीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 16 जोशी कालोनी श्रमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है

(ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रल 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक स्प से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भवि-नियम के अधीन कर देने के भ्रम्बरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर/या
- (वा) ऐसी किसी घाय या किसी घन या धन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय घाय-कर ग्रीविनयम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीविनयम, या घन-कर ग्रीविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उनत भविनियम की धारा 269-ग के भनुसरक में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—-  श्री अवतार सिंह पुत्र राम सिंह कलाथ मर्चेन्ट बाजार टाली साहब अमृतसर।

(ग्रन्तरक)

 श्री शुशील चन्द पुत्र शंकर दास, सतीश क्पूर पुत्र शुशील चन्द गुरू बाजार श्रमृतसर।

(श्रन्तरिती)

जैसा कि नं० 2 में श्रीर किरायेदार हो तो।
 (वह व्यक्तित जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुची रखता हो। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में घ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त भिध-नियम, के श्रष्ट्याय 20क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा जो उस ध्रष्ट्याय में दिया गया है।

### ग्रनुस<del>ुची</del>

जमीन का टुकड़ा नं० 16 जोशी कालोनी श्रमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 161 भ्रप्रैल 1978 श्रौर रजिस्ट्री भ्रधिकारी भ्रमृतसर में है।

> जी०एल०गारू सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजन रेंज म्रमृतसर

तारीख: 6-11-78

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

ाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्पालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, ग्रम्तसर

श्रमृतसर, दिनांक 6 नवम्बर 1978

निर्देश सं० एएसम्रार/78-79/70—यतः मुझे जी० एल० गारू यायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ५सकें पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख

्सक पश्चात् जिल्ला स्रोधीनयम कहा गया है), को धारा 269 ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-कुल में स्थाक है

कि से अधिक है

और जिसकी सं कोठी नं 36 ग्रीन एवन्यू ग्रमृतसर है

तथा जो में स्थित है (ग्रीर

इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर शहर रिजस्ट्रीकरण ग्रधिव

नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रप्रैन 1978

को पूर्वित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान

प्रतिकत के लिए यन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने

का कारण है कि यथानुर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,

उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह

पतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (भन्तरकों) भीर धन्तरिती

(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मस्तरण लिखित में

अस्तवि र रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त भवि-तियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (व) ऐभी किनी ग्रांत या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों की. जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1923 का 11) या उच्च ग्रिधिनियम, या धन-चर शिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा क लिए;

भ्रत: अब, उक्त प्रधितियम की घारा 269ग के मनु-परण में, में, उक्त प्रधितियम की घारा 269 व की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयति:—

- शीनती सकुन्ता देवी विधवा सोहन लाल श्रीमती जीना देवी पत्नी श्री जतीन्द्र सुद श्रीर विशाली लड़की जतीन्द्र सुद 96 ग्रीन एवन्यू श्रमृतसर। (श्रन्तरक)
- श्रीमती लाज बन्ती विधवा दीना नाथ महाजन के/ग्रो महाजन एडवोकेट बारीवाल जि० ग्रमृतसर।
   (ग्रन्तरिती)
- उ. जैसा कि कोई किरायेदार हो तो । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुची रखत। हो तो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य अ्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रशिनियम के प्रष्टियाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रर्थ होगा, जो उस प्रष्टयाय में दिया गया है।

### अनुसुची

कोठी नं० 36 ग्रीन एक्नीयु ग्रमृतसर रजिस्ट्रीकृत नं० 38/31-3-78/3-4-78 ग्रीर रजिस्ट्री ग्रधिकारी ग्रमृतसर शहर में है ।

जी० एल० गारू, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 6-11-78

मोहर:

8 -- 396 GI/78

प्ररूप 'माई० टी० एन०' एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 2/69-वा(1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, भ्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनाक 7 नवम्बर 1978

निर्देश सं० एएसम्रार/78-79/71—यतः मुझे जी० एल० गारू आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है

25,000/- ६० स आधक ह

ग्रीर जिसकी सं० मकान न० 2032/2071/4 नीव नं०
2216/vi/बजार बंशावाला है तथा जो ग्रमृतसर में स्थित है
(ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है),
रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर गहर में रजिस्ट्रीकरण
ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 28-3-1978
को पूर्वोक्त मम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर भन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर मन्तरिती
(भ्रन्तरिनियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक
कप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण में हुई किसी ध्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के ध्रधीन कर देंने के ध्रम्तरक के दाविस्त में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिशी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रमित :---

- श्री श्रवतार सिंह राज पाल सिंह सेवा सिंह, खन कौर विधवा सेवा सिंह एम-3 ग्रीन एव्नीयू ग्रमृतसर । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री एस० एस० भ्रनन्द पुत्न श्री मक्खन सिंह मकान नं० 2032/227/4 नीम नं० 2216/vi-10- बजार बंशायाला भ्रमृतमर। (भ्रन्तरिती)
- जैसा कि कोई किरायेदार हो तो। (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति मे रुची रखता हो तो। (वह व्यक्ति जिनके बारे मे ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के बर्जन केलिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी स्नाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी भविध आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रह्माय में विया गया है।

### अमुसूची

मकान नं० 2032/2271/4 नीव नं० 2216/vi-10 वाजार बंगावाला श्रमृतसर रजिस्ट्रीकृत नं० 4409 मार्च 1978 श्रौर रजिस्ट्री श्रधिकारी श्रमृतसर शहर मे है।

> जी० एल० गारू सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन, रेंज श्रमृतसर

तारीख: 7-11-78

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, ग्रमतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 7 नवम्बर 1978

निर्देश सं० एएसग्रार/78-79/72—यतः मुझे, जी० एल० गारू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 44) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक हैं और जिसकी सं० मकान नं० 2246/11-30 कटरा अलूबालिया अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति क उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

(क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या

प्रतिफल, निन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनिमय, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनिमय, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

श्रत: ग्रव, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) क श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्थात:---

- श्री काणी राम पुत्र निधान चन्द एन्ड लजाबती
  पत्नी काणी राम कूचा कमाल दीन कटरा श्रल्वालिया
  श्रमृतसर
  (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती बीबी वन्दना पुत्नी बृजलाल कूचा कमालदीन कटरा श्रलुविालिया श्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है और कोई किरायेदार हो तो

[बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है]

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में ६चि रखता हो तो [वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितबद्ध है]

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कःर्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उना अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### ग्रनुसूची

मकान नं० 2948, 2720 2953/2 एण्ड 2246/II/30 कुचा कमल देवी कटरा श्रलुवालिया जैसा कि रिजस्ट्रीकृत नं० 4532 मार्च 1978 श्रौर रिजस्ट्री श्रिधकारी श्रमृतसर शहर में है।

जी० एल० गारू सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, श्रमतसर

तारीख: 7-11-1978

प्ररूप आई० दी० एन०एस०----

भ्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को भ्रारा 289थ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर कार्यालय श्रमृतसर, दिनांक 7 नवम्बर 1978

निर्देश सं० एएसम्रार/78-79/73—यतः, मुझे, जी० एल० गारू,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार पूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 3411/12, 137/Xii श्रन्दर हाथी गेट, श्रमृतसर है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय श्रमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रष्ठीन, तारीख मार्च 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्त बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (फ) प्रन्तरण से हुई किसी थाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और था
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः भव, उनत ग्रिधिनियम की धारा 269ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1)के ग्रिधीन, निस्क्लिखित व्यक्तियों ग्रायीत् :---

- राम दास, केणव राम, णंकर दास, निहाल चन्द बेलीराम पुत्र सीता राम श्रीमित मनोरमा मेहरा विधवा भगवान दास श्रीमिती णणी खन्ना ग्रांर लिलिता मेहरा प्ली भगवान दास अन्दर हाथी गेट, श्रमृतसर। (ग्रन्सर्क)
- 2. श्री रमेश कुमार मेहरा पुत्न निहाल चन्द मेहरा मकान नं० 3411/12 श्रीर 1371/XII/2 श्रन्दर हाथी गेट श्रमृतसर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है श्रौर कोई किरायेदार हो तो।

[वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है] 4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुची रखता हो तो।

> [वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित**बद्ध है]**

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेर:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशात की तारीख ने 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त मिध-नियम के ग्राध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं यथं होगा, जो उस ग्राध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान नं० 3411/12, और 137/XII/2 ग्रन्दर हाथी गेट, ग्रमृतसर जैसा कि रिजस्ट्रीकृत नं० 4533 मार्च 1978 ग्रीर रिजस्ट्री ग्रिधकारी ग्रमृतसर शहर में है।

जी० एल० गारू सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

दिनांक : 7-11-78

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के शमीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 9 नवम्बर 1978

ि निर्देश सं० एएसम्रार/78-79/74—यतः, मुझे, जी० एल० क

आयकर श्रिष्ठियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके प्रश्नात 'उक्त मिन्नियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रश्नीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क॰ से अधिक है श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 3534 गली हीरा चौधरी राम सिंह रोड़ अमृतसर है (श्रीर इससे उपायक अनुसूत्री में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख भीमार्च 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति- फल के लिये प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से धिक्षक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (च) श्रन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत उकत प्रधि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रिष्ठनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिष्ठितमम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः पा, उक्त प्राधितियन को जारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त प्रधितियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के प्रश्लीच निम्निवित व्यक्तियों, प्रयात् १---

- श्री जसवन्त सिंह पुत्र ग्राया सिंह मकान नं० 2533-A/V-18 गली हीरा चौधरी रामसर श्रमृतसर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री गुरु वचन सिंह पुत्र भगत सिंह, मकान नं० 2539/V-18 गली हीरा चौधरी रामसर श्रमृतसर श्रीर जसवन्त पुत्र श्राया सिंह अमृतसर। (श्रन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 में है या कोई किरायेदार हो तो। बुंबह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है]
- 4. श्रीर कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो। [वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है]

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उबत सम्बक्ति के प्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी पाओर :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसक दि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधितियम, के शब्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही धर्थ होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

### यनुसूची

मकान नं० 2539/U-18 का आधा पोरसन गली हीरा चौधरी, रामसर, श्रमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 5934 मार्च 1978 रजिस्ट्री अधिकारी श्रमृतसर शहर में है।

> जीं० एल० गारू सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 9-11-78

मोहरः

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक ९ नवम्बर 1978

निर्देश सं० एएसम्रार/78-79/75—यतः मुझे, जी० एल० गारू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० मकान नं० 2539/V-78 गली हीरा चौधरी रामसर रोड़, श्रमृतसर है में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

स्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:—

- श्रीमती श्रवतार कौर पत्नी श्री जसवन्त सिंह मकान नं० 2539/V-18, गली हीरा चौधरी रामसर रोड़ श्रमृतसर। (श्रन्तरक)
- श्री जसवन्त सिंह पुत्र श्री श्राया सिंह निरंकारी भगवान चौक, परागदास, श्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है और कोई किरायेदार हो तो

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रिधोहस्ताक्षरी

जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### घनुसूची

ग्राधा हिस्सा मकान नं० 2535/V-18 गली हीरा चौधरी रामसर रोड़ ग्रमृतसर जैसा कि रिजस्ट्रीकृत नं० 5936 मार्च 1978 रिजस्ट्री ग्रिधिकारी श्रमृतसर शहर में है।

जी० एल० गारू सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 9-11-78

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध (1) के ब्रधीन सूचना

भारतं नरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

म्रमृतसर, दिनांक 10 नवम्बर 1978

निर्देश सं० एएसश्रार/78-79/—यतः, मुझे, जी० एल० गारू भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रुपए से ग्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 1336, 1342/VIII/17 है तथा जो लारेन्स रोड़, श्रमृतसर

में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम,1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च 1978

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाना गया निकल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में गर्भातिक कम से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रान्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किमो धाय पा किमी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों की जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यत: शव, उक्त प्रधितियम की आ**रा 269-ग के अनुसरण** में, भे, उक्त प्रधितियम की आरा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन, सिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री मनोहर लाल पुत्र हरी चन्द, राधा स्वामी रोड, श्रमृतसर। (ग्रन्तरक)
- श्रीमती चन्चल मेहरा पत्नी यशपाल मेहरा, कटरा खजाना श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

- जैसा कि ग्रौर कोई किरायेदार हो तो।
   (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में फ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह पुतना आरो अरके पूर्वाकत सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सन्पत्ति के ग्रर्जन के सन्बन्ध में कोई भी ग्रा नेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितयद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी हरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

### अमुस्ची

मकान नं० 1336, 1342/VIII-17 लारेन्स रोड़ श्रमृतसर जैंसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 4449, मार्च 1978 रजिस्ट्री श्रधिकारी श्रमृतसर शहर में है।

> जी० एल० गारू सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, स्रमृतसर

तारीख: 10-11-1978.

#### ब्रक्प धाई • टी० एन० एस०-----

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, म्रम्ससर

श्रमृतसर, दिनांक 10 नवम्बर 1978

निदेश सं० एएसम्रार/78-79/77---यतः, मुझे, जी० एल०

गारू आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संगमकान नं वेरी गेट अमृतसर है तथा जो ... में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से में विणत है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है भीर प्रन्तरिती (ग्रन्तरितीयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या सन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अत: अब, उन्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के मधीन; निम्नलिखित स्पक्तियों सर्थात: --  श्री हरी किशन पुत्र विशन दास, श्रन्दर बेरी गेंट ग्रमतसर।

(भ्रन्तरक)

 श्री राम प्रकाण, श्रोम प्रकाण, नन्द किशोर पुत्र बिशन दास, श्रन्दर बेरी गेट श्रमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

 जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किरायेदार हो तो।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

 यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो।

> (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मन्य क्यक्ति द्वारा मघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक् नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### ग्रनुसूची

मकान नं० बेरी गंट, श्रमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 4552, मार्च 1978 और रजिस्ट्री श्रधिकारी श्रमृतसर शहर में है।

> जी० एल० गारू सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

तारीख: 10-11-1978

प्रक्र माई० टी० एन० एस०----

भायकर भिंधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के भंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 श्रक्तूबर 1978

निदेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन 458--यत:, मझे, एम०पी० वशिष्ठ ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार महरू 25,000/- रु• से भ्रश्विक है भौर जिसकी सं० · · · · है तथा जो श्राहोर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ब्राहोर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 22-2-1978 को पूर्वक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मन्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर यह ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भग्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त प्रधितियम के प्रधीन कर वेने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी याय या किसी वन या प्रत्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः प्रम उरत श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रिषात्:---9--346/G178

(1) श्री रणकोड़दास महेश्वरी राठी एवं अन्य निवासी श्राहोर, जिला जालीर (राजस्थान)

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भंवर लाल पुत्र पुत्रराज श्रोसवाल, श्राहोर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रज़ैन के संख्वन्य में कोई भी ग्राप्तेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तिया दर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध , जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रकोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पर्धाकरण:---ध्समें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पद्दों का, जो उक्त ग्राधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

### ग्र**न्**सुची

पाणी की सेरी, भ्राहोर जिला जालौर में स्थित मकान सम्पत्ति का भाग जो उप पंजियक, श्राहोर द्वारा क्रमांक 54, दिनांक. 22-2-78 को पंजिबद्ध विक्रय पत्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० पी० विशिष्ठ ्रेंसक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 23-10-1978

मोहरः

प्रसप भाई० टी० एन० एस० ----

साधकर घितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के घितीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 प्रक्तूबर, 1978

निदेश सं० राज०/सहा० <mark>ग्रा० ग्रर्जन 457—यतः, मुझे,</mark> एम०पी० वशिष्ठ

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

संप्रधिक हैं भीर जिसकी सं० ''' हैं तथा जो आहोर में स्थित हैं, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय आहोर में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 22-2-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ते मह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है: ──

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बावत उकत पश्चित्यम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उनत प्रधिनियम की धारा 269ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269श की उपधारा (1) के स्वीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्वातः :—

- (1) श्री रणछोड़ दास महेश्वरी राठी एवं ग्रन्य निवासी श्राहोर जिला जालौर (राज०)। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सुखराज पुत्र जय रूपचन्द एवं बाबूलाल पुत्र श्री सुखराज श्रोसवाल, श्राहोर। (श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीश सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भवीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तेंगे।

स्पब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रक्षितियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस श्रद्ध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

पानी की सारी, ग्राहोर जिला जालौर में स्थित मकान सम्पत्ति जो उप पंजियक, ग्राहोर, कम संख्या 53, दिनांक `22-2-78 को पंजीबद्ध विकय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० पी० विशिष्ठ सक्षम प्राधिकारी स**ह**ायक अयकर श्रायु**न्**त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जत्रपुर

तारीख: 23-10-1978

मोहर 🕻

प्ररूप धाई॰ टी॰ एन॰ एस०-

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 श्रक्तूबर, 1978

निदेश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/461——यतः मुझे एम०पी० विशष्ठ

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन समाम श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- क्पए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० 6/483 है तथा जो ब्यावर में स्थित है, (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय ब्यावर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 22-2-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविद्यत उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी धाय की वाबत, उक्त अधिनियम के धधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनयम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उषत ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीतु:— (1) श्री राम स्वरूप पुत्र बक्षी रामजी रायपुरिया स्वयं एवं कर्ता अविभक्त हिन्दू परिवार, माधोपुरिया मोहल्ला, व्यावर

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स रामसहाय सूरजमल द्वारा पार्टनर सूरजमल, छोटीसावड़ी जिला चिलौड़गढ़।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य क्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्टीकरण:--इसर्में प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिधिनयम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

दुकान जिसके नम्बर 6/483 है और फतेहपुरिया भाजार, ज्यावर में स्थित है तथा उप पंजीयक ज्यावर द्वारा ऋम संख्या 320 दिनांक 22-2-78 पर पंजीबद्ध विऋय पद्म में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० पी० वाशिष्ठ सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 23-10-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जयपुर

्जयपुर, दिनांक 23 ग्रम्तूबर 1978

निदेश सं० राज०/सहा० भ्रा० भ्रर्जन/464-यतः एम० पी० वाशिष्ठ भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के म्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है भ्रौर जितकी सं० है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर में, रजिस्ट्री-करण, ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 17 फरवरी, 1978 तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और यह कि श्रन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण

(क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त अधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या

लिति में शस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: श्रव, उस्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उस्त ग्राधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थीन्:— (1) श्री पवन कुमार पुत्र श्री गुलाब चन्द गुप्ता, निवासी श्री गंगानगर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री लाजपतराय पुत्र मनीराम बिस्नोई निवासी श्री गंगानगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

चक नं० 3 ए छोटी पर स्थित 6 बीधा 5 बिस्वा कृषि भूमि जो उप पंजीयक, श्री गंगानगर द्वारा क्रम संख्या 186 दिनांक 17-2-78 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> एम० पी० वाशिष्ठ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपूर

तारीख: 23-10-1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०—— आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **धारा** 269 घ(1) के ग्रिधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 श्रक्तूबर 1978

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/465—यतः मुझे एम०पी० विशष्ठ
आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास काने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वातर मून्य 25,000/- ६० से अधिक हैं और जिसकी सं० है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है,

ग्रौर जिसकी सं० है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 15-2-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के। पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंदरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रनारण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीत कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किन प्राप्त या किना उन या प्रत्य ग्रास्तियों
  ो जिन्हें भारतीय प्राप्तका पश्चितियम, 1922
  (1922 का 11) जिल्हें प्रशिवियम या
  धन-कर ग्राधित्यम, 1967 (1957 का 27)
  के प्रयोजनार्थ अनिवीत कारा ग्रहर नहीं किया
  ग्रा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
  म सुविधा के लिए;

न्नतः, त्रव उक्त रिविधियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) र रिधीन निम्नलिधित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री विक्रम कुमार पुत्र गुलाबचन्द गुप्ता, श्रीगंगानगर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री लाजपत राय पुत्र मनीराम बिस्नोई निवासी श्रीगंगानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस यूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर यूचना की तामील में 30 दिन की अविध शो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीन व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
  45 दिन के भीतर उपन स्थावर सम्यक्ति में
  हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जी उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

चक 3 ए छोटी में स्थित 6 बीघा 5 बिस्वा कृषि भिम जो उप पंजीयक, श्रीगंगानगर द्वारा कम संख्या 187 दिनांक 15-2-78 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवर-णित है।

> एम० पी० वाशिष्ठ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 23-10-1978

प्रकप माई० टी० एम० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 श्रक्तूबर, 1978

निदेश सं० राज०/सहा० आ० ऋर्जन/466—यत मुझे एम०पी० वाशिष्ठ

भायकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के भवीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से भविक है

ग्रीर जिसकी सं० है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1098 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16-2-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरिष्ठ की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रम्तरक (प्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण खिखित में बास्तविक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी धाव की वावत 'उक्त श्रिविनयम' के श्रिप्तीन कर देने के श्रम्तरक के दायिक्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी घन या प्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भव, उत्तर प्रिविनियम, की बारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त प्रिविनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्निविश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री विकास गुप्ता पुत श्री गुलाब धन्द गुप्ता, श्री-गंगानगर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र कुमार पुत्र श्री मनी राम बिस्नोई, श्री-गंगानगर

(ग्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी ध्रवध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही मर्च होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

चक 3 ए छोटी, श्रीगंगानगर में स्थित 6 बीघा 5 विस्या कृषि भूमि जो उप पंजीयक, श्रीगंगानगर द्वारा कम संख्या 182 दिनांक 16-2-78 पर पंजीबद्ध विक्रय पक्ष में धौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० पी० वाणिष्ठ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 23-10-1978

मोहरः

प्ररूप आई टी एन एस-

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रधीन सुवना

मारत सरकार

कार्यालय, सद्दायक भायकर भायुक्त (निरीकण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 ग्रन्तूबर 1978

निदेश सं० राजः/सहाः आः अर्जन 467—म्रतः, मुझे, एम० पी० वाशिष्ठ,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्राधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करमें का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से भ्राधिक है

स्रोर जिसकी सं० है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रजस्ट्रीकर्ता झिधकारी के कार्यालय श्री गंगानगर में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख 23-2-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के जिए मन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत भिक्ति है भौर भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रक्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए

न्नतः प्रव, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के झनुसरण में, में, उक्त प्रविनियम की बारा 269-व की उपवारा (1) के प्रजीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् !----

- 1. श्रीपवन कुमार पुत्र श्री गुलाब चन्द गप्ता निवासी श्री गंगानगर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मोहिन्द्र कमार पुत्र मनीराम बिस्नोई निवासी श्री गंगानगर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पद्दों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा जो उस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

### अनुसू ची

चक 3 ए० छोटी श्री गंगानगर में स्थित 6 बीघा 5 बिस्वा कृषि भूमि जो उप पंजीयक, श्री गंगानगर द्वारा कर्माक 181 दिनांक 23-2-78 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० पी० विशिष्ठ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 23-10-1978

प्ररूप धाई०टी० एन• एस•---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-घ (1) के धधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 सितम्बर, 1978

निदेश सं० ग्राई० ऐ० सी० एक्वी/भोपाल 78-79/1125— ग्रत: मुझे दि० च० गोयल ग्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम श्रिधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- इ० से श्रीक है

श्रीर जिसकी छृषि भूमि है, तथा जो मुख्याड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मुद्धवाड़ा में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 23-2-1978 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को जिम्हें, भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रिषिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के तिये;

ग्रतः ग्रम, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिथिनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यात:—

 (1) श्री दोराब जी पुत्र कावसजी व (2) श्रीमती नरिगसदेवी पिल टेमरस जी, सुभाष वार्ड, कटनी जिला—जबलपुर (श्रन्तरक)

- 2. (1) श्री जोधाराम पुत्र बुधरमल निवासी कटनी केम्प, कटनी।
  - (2) श्री राधाकृष्ण पुत्र सुखरामदास, हनुमान गंज कटनी।
  - (3) श्री सुन्दरदास पुत्र लरिकराम, शान्ती नगर, कटनी।
  - (4) श्री ग्याम चन्द्र पुत्र करमचन्द्र, कटनी केम्प।
  - (5) श्री रमेश कुमार पुत्न नारायण दास, गांधी गंज, कटनी।
  - (6) श्री कन्हैया लाल पुत्र लक्ष्मी चन्द, जय प्रकाश, कटनी।
  - (7) श्री सुन्दर दास पुत्र होतलदास, शान्त नगर, कटनी।
  - (8) श्री विजय कुमार पुत्र नचणमल, कटनी केम्प, कटनी।
  - (9) श्री नन्दलाल पुत्र संगतराम, कटनी केम्प, कटनी ।
  - (10) श्री मोती लाल पुत्र सदोरामल, विनोवा वार्ड कटनी।

(श्रन्तरिती),

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यों क्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खास 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दी अरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित है, वही शर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया ाया है।

#### अनुपूची

8.504 हेक्टेयर्स भूमि मौजा टिकुरीन तह० मुख्वाड़ा जिला जबलपुर ग्रौर पूर्ण रूप से सब रजिस्ट्रार मुख्वाड़ा के रजिस्ट्रेशन क्रमांक 798, 1978 में वर्णित है।

> दि० च० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 28-9-1978

प्रकप भाई • टी • एन • एस •-------

वायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 भ (1) के भवीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 सितम्बर 1978

निदेश सं० ग्राई० ए० सी० एक्नी/भोपाल-78-79/1126---श्रतः मुझे, दि० च० गोयल

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ध्वए से प्रधिक है

श्रोर जिसकी सं० बंगला है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रौर उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 9-2-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशक्ष से घषिक है
और अन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे
ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक उप से कवित नहीं किया गया
है ---

- (का) अन्तरण से हुई किसी भाय को बाबत, उक्त मधिनियम, के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (हा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य झास्तियों को जिन्हें भारतीय झाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रन, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, गर्यात्:---10--346 GI/78 (1) श्री धनश्याम दास पुत्र बद्रीलाल जी गोयल
 (2) श्री श्रोम प्रकाश (3) श्रशोक कुमार (4)
 महेश कुमार सभी पुत्र श्री घनश्याम दास सभी निवासी
 7, जानकी नगर, ऐनेक्सी नु० 1, इन्दौर

(म्रन्तरक)

2. (1) श्रीमती रतनदेवी पन्नी श्री पन्नालाल बोकड़ीया (2) श्रीमती प्रकाश कुमार पत्नी श्री प्रकाश चन्द्र बोकड़ीया निवासी—बंगला नं० 7, जानकी नगर, ऐनेक्सी नं० 1, इन्दौर।

(भन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजेंन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विस की भविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 वित की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त मध्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठित्यम के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं श्रषं होगा जो उस श्रध्याय में दिया ंग्या है।

## अनुसूची

बंगला नं० 7, जानकी नगर ऐनेक्सी I, इन्दौर।

दि० च०गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 28-9-1978

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा

269-ध(1) के घधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 सितम्बर 1978

निदेश सं० ग्राई० ए० सी० एक्वी/भोपाल-1127/78-79— ह मुझे, दि० च० गोयल,

ष्मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269—ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

भीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (भीर इससे उपावद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, 31-3-1978 को पूर्वोक्त समिति के उचित याजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय सायकर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रिथीन्:—  श्री सुनाव चन्द्र कालू राम जी व्यास (यादव) यादव मण्डी, नीमच केन्ट।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती पुष्पाबाई पत्नी श्री होतूमल जी सिधी सिन्धी कालोनी, नीमच केन्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य<mark>वाहियां</mark> करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी
  ग्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्विकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब
  किसी भ्रन्य व्यक्ति बारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोक्ररण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रिशिवियम के ग्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# **ग्रनुसूची**

प्लाट नं० 40 पर दो मंजिला मकान, जवाहर नगर, नीमच केन्ट।

> दि० च० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 28-9-1978

प्ररूप माई० टी • एन • एस • ----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के **प्रधीन** सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 सितम्बर 1978

निदेश सं० श्राई० ए० सी० एक्वी/भोपाल-78-79/1128 —-भ्रतः मुझे, दि० च० गोयल,

आयकर शिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त ग्रिधनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

25,000/- रु० से अधिक हैं
और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 28-2-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए धन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक हैं और धन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उन्हेश्य से उक्त धन्तरण

लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रम, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रधीन, निस्नसिखित व्यक्तिकों, प्रथीतः—  श्री मदन लाल पुत्र लखमी दास खन्ना निवासी 11, तम्बोली बाखल, इन्दौर।

(भन्तरक)

2 (1) श्री श्रमुतोश पुत्र ईप्यर चन्द्र (2) श्रीमती कमला देवी पत्नी ईश्वर चन्द्र उपाध्याय निवासी 24/1, छीपा बाखल, इन्दौर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के कि लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, मघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के घड़्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस घड़्याय में दिया गया है।

# बनुसधी

मकात नं० 11 का प्राधा भाग (ईस्टर्न) तम्बोली बाखलः इन्दौर ।

> दि० च० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 28-9-1978

मोइर:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आवकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालम, सहायक ज्ञायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 सितम्बर 1978

निदेश सं० ग्राई० ए० सी० एक्वी/भोपाल-1129/78-79 --ग्रतः मुझे, दि० च० गोयल,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पप्रचात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाखार मूल्य 25,000/— स्पर्य से प्रधिक है,

श्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 28-2-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान

है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफक्ष मिक्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक्ष कप से कथित नहीं किया गया है:---

प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक

- (क) प्रस्तरण में हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भौर/मा
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें मारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः मन, उन्त मधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रधीन निश्नलिखित अपन्तियों, अर्थात्— 1. श्री मदनलाल सखमीदास खन्ना निवासी 11, तम्बोली बाखल, इन्दौर

(ग्रन्सरक)

2. श्री ईश्वर चन्द्र पुत्र श्री राधा किशन उपाध्याय 24/1, छीपा बाखल, इन्दौर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वेक्तिसम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त संस्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्वच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों शौर पदों का, जो उक्त ग्रधितियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रबं द्वीगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मकान नं० 11 का स्राधा भाग (वेस्टर्न) तम्बोली बाखल, इन्दौर।

> दि० च० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 28-9-1978

प्ररूप आई०टी०एन०एस०---

ग्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की विश्वारा 269 ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 सितम्बर 1978

निदेश सं० ग्राई० ए० सी० एक्बी/भोपाल 1130/78-79---ग्रतः मुझे दि० च० गीयल,

प्रायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं अमकान है, तथा जो रतलाम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रतलाम में, रजिस्ट्रीणन श्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 20-2-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुबिधा के लिए; ग्रीर/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय भायकर श्रीवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीवित्यम, या धन-कर श्रीवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ शन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उन्त अधिनियम की घारा 269म के बनुसरण मं, में, जनत अधिनियम की घारा 269म की उपधारा (1) के अधीन निक्नसिक्षित स्पक्तियों, प्रमृत् :—

- (1) श्री सुखलाल त्रिबेदी पुन्न श्री जोगेश्वर त्रिबेदी
   (2) श्रीमती धुरीबाई पत्नी श्री सुख लाल त्रिबेदी निवासी ग्राम दामडी तह० डोंगरगढ़ (राज०)
   (श्रन्तरक)
- 2. श्री ताहेर भाई पित श्री मोह० हुसैन नहिरा पाकावाला निवासी चांदनीचौक, रतलाम। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन को तारीख मे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेगे।

स्पक्कोकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों स्रोर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 32, स्टेशन रोड, रतलाम।

दि० च० गोयल, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख : 28-9-1978

(अन्तरक)

प्ररूप श्राई० टो० एम० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-ध (1) के अधीन सूचना भारत गरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 सितम्बर, 1978

निदेश सं० माई० ऐ० सी० एक्वी/भोपाल 78-79/1131---म्रतः, मुझे दि० च० गोयल'

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 1-2-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित थाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उहेश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयको वाबत उक्त यिन नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/मा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रम्थ ग्रास्त्रियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविश्वा के लिए;

मतः मन, उक्त मधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं; उक्त स्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, सर्थात्ः—

- श्रीमती पुखराजबाई पत्नी जगदीश सिंह जी 1. श्रीमती पुख मेहता निवासी मनोरमा गंज, इन्दौर।
- श्री सन्तोष सिंह पुत्र ग्रमर सिंह जी ग्रजमानी निवासी नेपानगर (म० प्र०)।
   (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के प्रजंग के लिए कार्यवाहियां करसा हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस यूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त यधिनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गंभ है।

## घनुसूची

खुला प्लाट नं० 4, विषटरी स्टेंट कालोनी, रेसीडेन्सी ऐरिया, इन्दौर ।

> दि० च० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 28-9-1978

प्ररूप भाई० टी० एन● एस०---

भागकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

शहरा 269घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 सितम्बर, 1978

निदेश सं० ग्राई० ऐ० सी० एक्वी/भोपाल 78-79/1132---ग्रतः, मुझे दि० च० गोयल

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से ग्रिधिक है

भ्रौर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (स्रौर इससे उपबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन 14-2-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उश्वित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उलित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्राधि-नियम के ग्राधीन कर देने के श्रन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शर्याया
- ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अभीजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

बतः, ग्रव, उक्त श्रिष्ठितियम को धारा 269म के अनुसरण म मैं, उक्त श्रिष्ठितियम, की धारा 269म की उपधारा (1) के श्रिष्ठीन, निम्नलिक्षिल स्थिनतयों अवित :— (1) श्री मोतीलाल जैन पुत्र मौजीलाल जैन (2)
 श्रीमती ग्रमलता पत्नी मोती लाल जैन निवासी
 8, रूपराम नगर, इन्दौर।

(भ्रन्तरिती)

 (1) श्री बलराज पुत्न श्री दयाराम जी (2) श्री ग्रमर लाल (3) श्रीमती गांति देवी पत्नी श्री फतेह चन्द्र जी निवासी 12 से 15, रूपरामनगर नगर, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तहसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्की करण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उबत श्राधिनियम के भड़्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भयं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

### धनुसूची

प्लाट नं० 12, 13, 14 व 15 पर मकान, रूप नगर, इन्दौर।

दि० च० गोयल सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 28-9-1978

प्ररूप प्राई० टी॰ एन॰ एस॰-----

आयकर अ**धिनियम, 1**961 (1961 का 43) की वारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 28 सितम्बर 1978

निदेश सं० म्राई० ऐ० सी० एक्वी/भोपाल 78-79/1133 म्रतः, मुझे दि० च० गोयल,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्म 25,000/- क० में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं प्रकान है तथा जो इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 23-2-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) धौर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण निकित में बास्तविक छ। ने कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के भधीन कर देने के भन्तरक के दायिक्ष में कमी करने पाउससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसो भाय या किसी घन या मन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

भतः ग्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के शनुसरण में, में, एक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अक्षोन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  श्री कृष्णाराव रघुनाथ राव फडनीस 100, रूपराम नगर, इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती प्रमिला बाई पत्नी श्री दामोदर जी दुबे मकान नं० 72, मेन रोड, नन्द लाल पुरा, इन्दौर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्येकाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भो धाक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की घविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो मी
  धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधि-निमम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान नं० 100, प्लाट नं० 113 पर, रूपराम नगर, इन्दौर ।

> दि० च० गोयल सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, भोपाल ।

तारीख: 28-9-1978

मोहरः

प्ररूप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 29 मितम्बर, 1978

निदेश सं० ग्राई० ऐ० सी० एक्बी/भोपाल 78-79/1138--श्रतः मुझे दी० घ० गोयल श्रायकर प्रधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त घिष्टिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- द० से अधिक है और जिसकी सं० मकान है तथा जो रा० ज० क० इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 9-2-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है, भीर यह कि प्रन्तरक (अम्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित भारतविक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त ग्रिष्ट-नियम, के भ्रष्टीन कर देमें के ग्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या श्रन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम या धन-कर भिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः प्रव उक्त ध्रिष्ठिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधील निम्निश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :~-11-346GI/78

 श्री यशवन्त पुत्र विनायक डबीर निवासी 8, नगर निगम मार्ग, इन्दौर

(भ्रन्तरक)

 श्री दिगम्बर पुत्र गनेश निवासी 59बी, राजिन्द्रा नगर, इन्दौर । है

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों झीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

प्लाट नं० 295 पर मकान राजेन्द्रा नगर स्थित इन्दौर।

दि० च० गोयल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 28-9-1978

६० से अधिक है

प्रक्ष भाई • टी • एन • एस •---

प्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की ॄैधारा 269व (1) कि• प्रधीन क्रियुचना

भारत । सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्रं, भोपाल भोपाल, दिनांक 28 सितम्बर, 1978 निदेश सं० ग्राई० ऐ० सी० एक्वी/भोपाल 78-79/1135 —ग्रतः, मुझे दि० च० गोयल ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-

ग्रौर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 13-2-1978

1908 (1908 का 16) क अधान, 13-2-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है भौर अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबंद उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या प्रन्य प्रास्तियों को जिम्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्ठिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रव, उक्त ग्रविनियम की घारा 269 ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रविनियम की घारा 269 म की उपचारा (1) के ग्रवीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, ग्रमीत्:→-  श्री मदन लाल पुत्र श्री नारायण प्रसाद श्रीग्नहोत्री निवासी राजेन्द्रा श्राटो सर्विस पैट्रोलपम्प, सिरपुर, इन्सौर

(अन्तरक)

 श्री केशारी मल पुत्र मिश्री लाल जैन—निवासी शान्ती नगर जैन कालोनी, इन्दौर

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबंद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त ग्रब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 66 का पहली, दूसरी व तीसरी मंजिल, कैलाश मार्ग, इन्दौर ।

> दि० च० गोयल सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 28-9-1978

प्ररूप धाई • टी • एन • एस :-

भायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 सितम्बर 1978

निदेश सं० श्राई० ऐ० सी० एक्वी/भोपाल 78-79/1136---श्रतः, मुझे दि० च० गोयल,

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/• क्पए से ग्रधिक है

श्रोर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रोर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 9-2-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबस, उक्त अधिनियम के भ्रघीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-व की उपघारा (1) अधीन निम्नलिखित अर्थात:—  श्री मदन लाल पुत्र नारायण प्रसाद श्रम्निहोल्ली निवासी राजेन्द्र झाटो सर्विस पैट्रोल पम्प, सिरपुर इन्बौर ।

(भ्रन्तरक)

 श्री मिश्रीमल पुत्र गुलाब चन्द्र जैन निवासी शान्ती नगर, जैन कालोनी, इन्दौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के श्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकेंगे।

ह्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### श्रनुसूची

मकान नं० 66 का भूतल मंजिल, फैलाश मार्ग, इन्दौर।

दि० च० गोयल, ृंसक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख: 28-9-1978

मोहर ।

### प्रकृप धाई• टी॰ एन॰ एस॰---

ग्रायकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के मधीन सूचना

# भारत सरकार कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 सितम्बर, 1978

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से अधिक है,

भीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो जावरा में स्थित है (धौर इससे उपाबद अनुसूचि में भौर पूर्ण के रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जावरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 14-2-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिबक अप से कियत नहीं किया गया है!—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ध) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्सियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रम, उन्त श्रिधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-म की उपचारा (1) के श्रचीम, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् —

- 1. श्रीमती सुशील आई पत्नी श्री बाबूलाल जी कोलन नियासी प्राजाद चौक, जावरा, जिला रतलाम (प्रन्तरक)
- 2. श्रीमती दारवा बाई पित स्व० सौभागमल जी महाजन निवासी 12, सुतारी पुरा, जावरा जिला रतलाम (ग्रन्तरिती)

को यह सूवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध्य या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्डोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो जक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान नं० 12, सुतारीपुरा, जावरा।

दि० च० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज, भोपाल

तारीख: 28-9-1978

प्ररूप आई • टी • एन • एस • — - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के ग्रधीन नूबना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोगाल, दिनांक 29 सितम्बर, 1978

निवेश सं० ग्राई० ए० सी० एक्वी/भोगाल 78-79/1138→ग्रतः मुझे, दि० च० गोयल
ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन
सक्षम प्रधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है
ग्रीर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो उज्जैन में स्थित है (ग्रीर
इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय उज्जैन में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 20-2-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से

1908 (1908 का 16) के प्रधीन 20-2-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूरुप से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरिक (अन्तरकों)भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; बौर/या
- (भा) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः मन, उन्त मिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उन्त मिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्निवित व्यक्तियों अर्थात्:---  (1) श्रीमती तुलसा बाई पत्नी श्री रतनचन्द चौधा
 (2) श्री रतन चन्द पुत्र श्री बल्लभदास चौधा निवासी गनधात कालोनी, उज्जैन।

(भ्रन्तरक)

2. (1) श्रीमती प्रीती भागवा पत्नी श्री कुलदीप भागवा (2) श्री कुलदीप भागवा पुत्नी श्री एंकर लाल जी भागवा निवासी—कमला नेहरू मार्ग, उज्जैन। (श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रावैन के लिये कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

इपद्धीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम के ग्रव्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रव्याय में दिया गया है।

## प्रनसंधी

प्लाट नं० 5 राम कृष्ण कालोनी, यूनियसिटी देवास रोड, उज्जैन।

> दि० च० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 29-9-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

अ।यकर **प्रक्रि**नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल
भोपाल, दिनांक 29 सितम्बर, 1978

निदेश सं० ग्राई० ऐ० सी० एक्वी/भोपाल 78-79/1139 — श्रतः, मुझे, दि० च० गोयल श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपबद्ध श्रनसूची में ग्रोर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 9-2-1978 को पूर्बोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यशान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (भन्तरकों)भौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत, उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: भ्रब, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, म, तक्त श्रधिनियम की घारा 269-थ की उपघारा (1) के श्रधीन; निम्लिकित व्यक्तियों अर्थास् ।—  श्रीमती राजकुमारी पत्नी डा० ग्यानचन्द जी पहाड़िया निवासी 1, छोटी ग्वाल टोली, इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

- (1) श्रीमती कलावती पत्नी डा० करनमल साल गिया (वर्तमान चिकागो श्रमेरिका) द्वारा राकेश पुत्र करनमल सालगिया।
  - (2) श्री राकेण पुत्र करनालमल सालगिमा 43/1, कमला भवन, इन्दौर।
  - (3) श्री रवी पुत्र डा० करनालमल सालगिया (ग्रवपस्क) द्वारा मां श्रीमती कलावती द्वारा श्राम मुख्तयार राकेश सालगिया।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
  किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान नं 35 पुराना, नया नं 44, साउथ तुकागंज गली नं 2, इन्दौर साथ भूमि भौर पूर्ण रूप से दस्तावेज क्रमांक 712, दिनांक 9-2-78 में विणित है।

> दि० च० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारी**ज**: 29-9-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 सितम्बर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एसी क्यू०/भोपाल/1140/78-79--श्रतः, मुझे दि० व० गोयल आयक्तर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है,

श्रीर जिसकी सं० दुकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 2-2-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई
है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से भिधक है भौर भन्तरक
(भन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया
है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर-देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या घन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तिरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत, श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269 ग के श्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की खारा 269-घ की उपधारा (1) कि श्रिधीम निम्नलिखत व्यक्तियों, श्रयति —— 1. 1. श्री जगदीशचन्द्र पुत्र श्री रामेश्वर दयाल 2. सो॰ सुशीला देवी पुत्री श्री गिरधारीलाल जी निवासी जावरा कम्पाउन्ड इन्दौर

(ग्रन्तरक)

2. श्री मोहनलाल पुत्र श्री घीसालालजी निवासी ग्राम वारू फाटक जिलाखारगोन

(भ्रन्तिरती)

को यह मूत्रना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए भा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गन्दों योग पदों का, जो उकत प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

दुकान 19—8<sup>11</sup> प्लाट कमांक 55 ग्रौर 56 स्थित "नजर वाग" वेस्ट राजवाड़ा इन्दौर।

> दि० च० गोयल सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 29-9-1978

प्ररूप माई० टी• एन० एस०----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269 व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 29 सितम्बर, 1978

निदेश सं ० श्राई ० ए० सी ० / एसी क्यू / भोपाल / 1141 / 78-79
— ग्रतः, मुझे दि च गोयल
प्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000 /- ६० से ग्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान है, जो उज्जैन में स्थित है (श्रौर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय उज्जैन में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 6/2/78 की पूर्वोक्त सम्पत्ति

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरितों (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तब पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त बिध-नियम के भ्रष्टीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, स्थिन में सुविधा के स्थि।

मतः भव, उक्त भविनियम की घारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त भविनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—  श्री विकस कुंमार पुत्र श्री बब्बूभाई निवासी रिलीफ रोड श्रहमदाबाद

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती शान्ता बेन विधाया पत्नी बब्बा भाई निवासी बड़ा सराफा, उज्जैन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारोख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़
  किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखात में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

तीन मंजिला मकान म्यू० क्रमांक 4 नया क्रमांक 149 स्थिति बढ़ा सर्राफा उज्जैन ।

> वि० च० गीयल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 29-9-1978

मोहरः

प्ररूप भाई• टी० एन० एस०----

भावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल दिनांक 29 सितम्बर, 1978

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल/1142/78-79— ग्रतः, मुझे दि० च० गोयल ग्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- २० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 20-2-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मस्य से कम के दृश्यमा प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमाम प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (यन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कांवत नहीं किया नया है:---

- (क) प्रम्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घम्य घास्तियों को जिन्हें भारतीय घायकर प्रधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्बरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अना चार्तिए था, छिपामें में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त प्रधितियम, की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधितियम की धारा 269-व की कपवारा (1) के प्रधीन, निम्निस्तिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :----12---346GI/78 1. श्री चतुर्भुज पुत्र जुगल विश्पोरजी चितोदा निवासी नार्थ राज मुहल्ला गली कमांक 1 मकान, नः 25 इन्दौर व श्रीमती राघव वाई पत्नी श्री नवनी लाल निवासी नार्थ राज मुहल्ला गली नं० 3 मकान न० 5 इन्दौर ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री रामगोपाल पुत्र मोतीलालजी मोहनलाल जी निवासी म० नं० 16/2 वयायापटटी इत्वीर

(भ्रन्तरिती)

को यह सुमना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उन्त प्रक्षि-नियम के घडगाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्चे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **प्रनुसूची**

मकान क्रमांक 25 गली क्रमांक 1 स्थित नार्थ राज मृहल्ला इन्दौर (बेस्टन पार्ट)

> दि० च० गोयल सक्षम प्राधिकारी, सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण), घर्जन रेंज भोपाल

तारीख: 29-9-1978

प्ररूप ब्राई० टी० एन० एस०----

आयक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269घ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 29 सितम्बर, 1978

तिदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल/1143/78-79
—ग्रतः, मुझे दि० च० गोयल
आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्वात् 'उक्त ग्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- ४० से

प्रधिक है

ग्रौर जिमकी सं० बंगला है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, 20-2-1978

पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य। उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्दह प्रतिशत श्रीयक है श्रीर शन्तरिक (अन्तरिकों) भीर शन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसो प्राय की बाबत, उक्त प्रिधितयम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बोर/या
  - (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या घन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

ग्रतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथौत् :-- 1. श्री हरिकशनलाल पुत्र श्री कुलजसराय भाटिया निवासी 3/3 न्यू पलासिया इन्दौर

(ग्रन्तरक)

- 2. श्रीमती श्यामा देवी पत्नी श्री हरनारायन जाजोदिया
- श्रीमती प्रमिला देवी पित्नी श्री देवीकीनन्दन जा-जोदिया श्री कुष्ण कुमार पुत्र श्री हर नाराय जाजोदिया निवासी 236 एमटी कलाथ मार्केट इन्दौर

(प्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारी भरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिये कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद म सनाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शिक्यों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियमं के भध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भध्याय में दिया गया है।

### **मनुपूर्वी**

बना हुम्रा बेंगला 3/3 न्यू पलासिया इन्दौर 1 एरिया 60'--80''

दि० च० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 29-9-78

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 सितम्बर, 1978

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल/114/78-79
— ग्रंतः, मुझे दि० च० गोयल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 44) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/६० से अधिक हैं

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो रायपुर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिक्षकारी के कार्यालय रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिक्षका, 1908 (1908 का 16) के श्रिक्षीन 27-2-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति क उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्सरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनमय, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनमय, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अनिनिम्मलिखत व्यक्तियों, श्रयांत :---  श्री डा० ग्रार० पी० पाण्डे पुत्र श्री रामप्यारे पाण्डे निवासी मिलेट्री हासपिटल बैरागढ़, भोपाल

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती हन्सादेशी पाण्डे बेवा पत्नी श्री रामदुलारे पाण्डे निवासी मोधापारा, रायपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उवत अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### ग्रनुसूची

प्लाट के साथ मकान एरिया 4060 वर्ग फिट स्थित राजेन्द्र नगर राजकुमार कालेज के पास रायपुर।

> दि० च० गोयल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 29-9-1978

मोहर

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 सितम्बर 1978

निदेश सं० आई ए सी/एक्बी/भोपाल/1145/78-79— अतः मुझे दि० च० गोयल आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खा के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से ग्रधिक है

श्रौर जिसकी सं कृषि-भूमि है जो जेनाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बरहानपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिक्ति, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और प्रन्तरक (श्रन्तरकों) भौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त शन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रिधिनयम के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269 व की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, श्रयीत्:— 1. श्री नरेन्द्र कुमार टीकम दास गुप्ता निवासी कसेरा बाजार बुरहानपुर और 2. श्री महेन्द्र पुत्र रूप चन्द साह निवासी वाऊदपुरा बुरहानपुर।

(म्रन्तरक)

 श्री कालू राम 2. श्री नारायण दोनों पुत्र श्री श्रोमकार सोनार निवासी करंज बाजार तहसील बुरहानपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उन्त श्रिधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थं होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

### प्रमुखी

कृषि भूमि क्षेत्रफल 7.37 एकड़ (2.983 हैक्टर्स) नया खसरा ऋमोक 425 मोजा जेनाबाद तहसील बुरहानपुर।

> दि० च० गोयल सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 29-9-78

प्ररूप थाई • टी • एन • एस • ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-ज (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 सितम्बर 1978

निर्देश सं० प्रार्ड० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/1146/78-79—अतः, मुझे, दि० च० गोयल, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- स्पर् से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० बंगला, जमीन है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर, में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 20-2-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भौर धन्तरक (अन्तरकों) भौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वाक्षाविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिष्टिनयम के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्थ श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत श्रिधिनियम, या ध्रन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट उहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः सब, उक्त समितियम की धारा 269-ग के सनुसरण में, मैं, उक्त शिवितयम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के सभीन, निम्नलिखित अ्यक्तियों, अर्थात:—-

- (1) श्री एस० सिन्न्यी ईश्वरी प्रसाद पुत्र श्री एस० सी० रायबहादुर मुन्नालाल जैन निवासी नरधर्या मालदारपुरा जबलपुर । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री रबीन्द्र कुमार शर्मा पुत्र श्री भैयालालजी शर्मा निवासी 765 नेपियर टाउन जबलपुर । (स्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के क्लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त कन्धों ग्रीर पदों का, जो उपत अग्निक नियम, के भव्याय 20-म में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्राह्माय में दिया गया है।

### अनुसुची

बंगला क्रमांक 286, 287, 289, नेपियर टाउन नजूल सीट क्रमांक 25 व भूमि, जबलपुर (जो कि पूर्ण रूप से डाकूमेन्ट क्रमांक 716 दि० 20-2-1978 सब रिजस्ट्रार जबलपुर में वर्णित हैं।)

> दि० च० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 29-9-1978

# प्रकप बाई० टी० एन० एस०----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 2%9-व्य (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 सितम्बर 1978

निर्देश सं० न्नाई० ए० सी०/एक्बी०/भोपाल/1147/78-79—न्नातः, मुझे, दि० च० गोयल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पम्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से मधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम कुंड़िया में स्थित है (ग्रौर इससे उपाश्रद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, महेश्वर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, 6-2-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत भन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रान्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर बेंने के धक्तरक के वायित्व में कंसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों की, जिन्ह भारतीय भायकर भ्रिष्ठिनयम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिष्ठिनयम' या भन-कर भ्रिष्ठिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा भकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः शव, सक्त अधिनियम की सारा 269-ग के सनुसरण में, में, उक्त स्थिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों सर्वात्।——

- (1) श्री दीपकराथ पुत्र श्री बलवंत राव महाजन निवासी महेश्वर वेस्ट निमाड़ खरगोन । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जगदीश चन्द पुत्र श्री धन्नालाल पाटीदार निवासी कुड़िया तहसील महेश्यर वेस्ट निमाङ् खरगोन। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धार्क्षपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी ग्रविध वांद भें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भें मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप प्रना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास निखित में किये जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा, जो उस भव्याम में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि खसरा क्रमीक 18 रकवा 7.30 एकड़ स्थित ग्राम कुड़िया तहसील महेश्वर।

> दि० च० गोयल, सलम प्राधिकारी सहायक प्रायंकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्थन रेंज, भोपास

तारी**ख**: 30-9-1078

### प्रस्प धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 26.9व(1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यातय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 30 सितम्बर, 1978

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० /एक्वी०/ भोपाल/1148/78-79-ग्रतः मुझे, दि० च० गोयल, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त प्रधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम काकरिया में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, महू में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 16-2-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त संपत्ति का उक्तित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अम्लरक के हुई किसी आय को बाधत उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अम्लरक के दायित्व में कमी करने यह उससे ककते में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी भाष या किसी छन या पन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1924 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्कर अधिनियम, या अन्कर अधिनियम, या अन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती हारा अकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा क लिए;

भतः अथ, उक्त प्रधिनियम की धारा 269न के अनु-सर्ज में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 प की उपधारा (1) के अधीन निज्निवित व्यक्तियों, भ्रयति:—

- 1. (1) श्रीमती सुनीतादेवी पत्ति श्री बाब्लाल शारदा निवासी मह
  - (2) श्रीमती गीतादेवी पत्नि श्री सीताराम णारदा निवासी बंगला नं० 86 शारदा भवन (वर्तमान उदयपुर द्वारा श्राम मुख्तयार श्री बाबू लाल शारदा, मक्ट्र (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्री पूनमचन्द पुत्र भागीरथ
  - (2) श्री परमानन्द,
  - (3) श्री जगदीश,
  - (4) श्री रमेशचन्द,
  - (5) श्री देवराम सभी पुत्र श्री भागीरथ वर्तमान निवासी ग्राम काकरिया, पोस्ट मानपुर, तहसील महू। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

जक्त संपत्ति के ग्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सबिध या तस्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रग्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्षीकरण:---इसमें प्रयुक्त मन्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रवित्यम के प्रक्रमाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रचें होगा, जो उस प्रक्रमाय में दिया गया है।

## अनु सूची

कृषि भूमि 7.30 एकर्स खसरा ऋमांक 168/1 श्रौर 169 साथ में कुश्रा मोटर पंप विद्युत फिटिंग तथा फसल स्थित ग्राम काकड़िया पोस्ट मानपुर तहसील महू एवं कच्चा मकान।

> दि० च० गोयल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 30-9-78

प्रकप प्राई० टी० एन० एस०----

भायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 16 ग्रक्तूबर, 1978 निदेश सं० एस० एन० जी०/37/77-78—न्प्रतः मुझे

तथ्य राम प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- उपये से प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 कनाल 4 मरले है तथा जो उभावाल रोड, संगरूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्य प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, संगरूर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी 1978

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्न्नह प्रतिशत धिक्षक है धीर प्रस्तरक (प्रन्तरकों) भीर मन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत प्रस्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी माय की वाबत, उक्त श्रिष्ठित्यम के भ्रष्ठीत कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रस्य प्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन; निस्निलिखित व्यक्तियों सर्वातः

- 1. श्री चरणपाल सिंह पुत्र श्री उजल सिंह, वासी संगरुर। (ग्रन्तरफ)
- (2) मैंसर्ज जगदम्बा राईस मिल्ज, संगरूर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी घारतेप :---

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी धम्य ध्यक्ति द्वारा धधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्होकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, ओ उक्त घाँव-नियम के घड्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्च होगा जो उस घड्याय में दिया गया है।

# **प्र**नुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 कनाल 4 मरले है धौर जो उभावाल रोड, संगरूर में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, संगरूर के कार्यालय के विलेख संख्या 2099, फरवरी, 1978 में दर्ज है)

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीखा: 16 ध्रमतूबर, 1978

प्ररूप ग्राई० टी॰ एन० एस०-----

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 प्रक्तूबर, 1978

निर्देश सं० एस० एन० जी०/38/77-78-- ग्रतः मुझे, नत्थू राम, आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु० ग्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 कनाल 4 मरले (20 कनाल 16 मरले का चौथा हिस्सा) है तथा जो संगरूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची म श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, संगरूर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख फरवरी, 1978 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारम्हय से कम के दृश्यमान प्रति॰ फल के लिये भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से मधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रस्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त मधि-नियम, के मधीन कर देने के भ्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घर्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहियेथा, छिपाने में गुविधा के लिए।

- (1) श्री जुगराज सिंह पुत्र उजल सिंह, वासी संगरुर (ग्रन्सरक)
- (2) मैसज जगदम्बा राईस मिल्ज, संगरूर, उमावल रोड (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्बत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पटिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के भव्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

### **प्रनुसु**ची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 कनाल 4 मरले है श्रीर जो उभावाल रोड, संगरूर में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, संगरूर के कार्यालय के विलेख संख्या 2100, फरवरी, 1978 में दर्ज है।)

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखः : 16 श्रन्तूबर, 1978

प्ररूप आहे वटी एन एस ---

श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की द्वारा 289व (1) के भवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 श्रक्तूबर, 1978

निदेश सं० एस० एन० जी०/36/77-78---श्रतः मुझे नत्थु राम,

धायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ब्ल्ये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 10 कनाल 8 मरले (20 कनाल 16 मरले का श्राधा) है तथा जो संगरूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, संगरूर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित को गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की जाजत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और खा
- (ख) ऐसी किसी श्राय था किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त श्रिधनियम, या धनकर श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, विषय, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए घा, हि.पाने में गृविष्य के लिए :

श्रता भ्रव, उमत श्रधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में. में, उमत भ्रधिनियम की धारा 269म की उपघारा (1)के भ्रधीन, निक्निलिखित व्यक्तियों श्रमीत्:--- (1) श्रीमती बलदेव कौर पत्नी उजल सिंह वासी संगरूर (रोड उभावाल)

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्ज जगदम्बा राईस मिल्ज, ऊभावल रोड, संगरूर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मालेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तस्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी अ्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रष्ठ-नियम के ग्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, ओ उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 10 कनाल 8 मरले है श्रीर जो उभावाल रोड, संगरूर में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, संगरूर के कार्यालय के विलेख संख्या 2098 फरवरी, 1978 में दर्ज है।)

> नत्यू राम सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 16-10-1978

प्रकप आई • टी • एन • एस • — — आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 16 प्रक्तूबर 1978

निदेश सं० एल० डी० एच०/ग्रार०/103/77 78—ग्रतः मुझे नत्थू राम
ग्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सम्भाप्ताधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 26 कनाल 11 मरले है तथा जो गांव हीरां, तहसील लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिस की गई है भीर मृज्ञे या विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्प से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, चक्त अधि-नियम, के घंधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसो ग्राय या किसो घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विकास जीना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

मत: मन, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-म के भनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-म की उपघारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:---

- (1) श्री वरयाम सिंह पुत्र श्री दया सिंह वासी गांव हीरां, तहसील लुधियाना। (श्रन्तरक)
- (2) श्री अभय कुमार श्रोसवाल पुत्र श्री विद्या सागर श्रोसवाल, बासी 396/बी०-19, सिविल लाईन, घूमार मण्डी, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के प्रजैन के सिये कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्राजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबद्ध किसी भ्रन्य अपित द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे

स्वत्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रक्षि-ांनयम के भ्रष्ट्याय 20-क में यथा परिभावित हैं, बही प्रश्नं होगा जो उस प्रष्ट्याय में दिया गया है।

# धनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 26 कनाल 11 मरले है और जो गांव हीरां तहसील लुधियाना में स्थित है। (जायेदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 5943, फरवरी, 1978 में दर्ज है।)

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक्तर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखः : 16 अक्तूबर, 1978

269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, भ्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 16 अक्तूबर, 1978 निदेश सं० एल० डी० एच०/122/77 78—-श्रतः मृक्षे नत्थ् राम

म्रायंकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- स्पए से मधिक है

श्रीर जिसकी सं भूमि जिसका क्षेत्रफल 24 कनाल, 19 मरले है तथा जो गांव हीरां, जिला लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के आधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए शीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नसिश्चिष्ठ व्यक्तियों, श्रर्थात्,——

(1) श्री वरयाम सिंह पुत्र श्री दया सिंह, वासी गांव हीरां, तहसील लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री स्रभय कुमार स्रोसवाल, पुत्र श्री विद्या सागर स्रोसवाल, वासी 396 B-19 धूमार मण्डी, लुधियाना । (स्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी म्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
  व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इन सूत्रता के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अत्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्माडडोक्सरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का जो उक्त ग्राविनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रार्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 24 कनाल 19 मरले है श्रौर जो गांव हीरां, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 6050, फरवरी, 1978 में दर्ज है।)

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 16 प्रन्तूबर, 1978

प्ररूप माई० टी० एन० एस∙ ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **धा**रा 269**य** (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना कार्यालय लुधियाना, दिनांक 16 श्रक्तुबर 1978

निर्देण सं० लुधियाना/श्रार०/128/77-78—यतः, मुझे, नत्थूर।म, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, लुधियाना

आ। य कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके क्षित्र नियम कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 21 कनाल है, तथा जो गांव हीरां, तहसील लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपावद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1978 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए पन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान श्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रौर मन्तरक (अन्तरकों) भौर मन्तरिती (मन्त-रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक इप में किथत नहीं सिया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किमी श्राय की बाबत, उक्स श्रिष्टानियम के श्रिष्टीन कर देने के सम्सरक के वासित्व में कमी अरने या उससे बचने में मृ**विधा के लिए।** ग्रीर/पा
- (खा) ऐसो किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अम्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त धिष्ठिनियम की धारा 269-म के सनुसरण में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वातु:— 1. श्री वरयाम सिंह पुत्र श्री दया सिंह, वासी गांव हीरां, तहसील लुधियाना

(भ्रन्तरक)

 श्री ग्रभय कुमार पुत्र श्री विद्या सागर श्रोसवाल, वासी 396/बी० एच० घुमार मण्डी, लुधियाना

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपता में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं मर्थ होगा, जो उम प्रध्याय में दिया गया है।

# धनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 21 कनाल है ग्रौर जो गांव हीरां, तहसील लुधियाना में स्थित है ।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी , लुधियाना के विलेख संख्या 6090, फरवरी, 1978 में दर्ज है)

> नत्थू राम सक्षम द्रिष्टकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखा: 16 ग्रक्तूबर 1978

प्ररूप प्राई० टी० एत∙ एस०---

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना,दिनांक 16 श्रक्तूबर 1978

निर्देश सं० लुधियाना/म्रार०/117/77-78--यतः, मुझे, नत्थूराम, सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेज, लुधियाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ए० से अधिक ै

ग्रीर जित्तकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 31 कनाल 3 मरले है, तथा जो गांव भुखरी कलां, तहसील लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ने कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि समापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का यन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर यह कि भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में धास्तविक क्य से कथित न किया हों गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रीयितियम के मधीन कर देने के मन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे वचने में मुविधा के लिए, फ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिष्टिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रवं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, 'उक्त प्रधिनियम' की धारा 269-भ की उपधारा (1) के क्यीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रधीत् :---

1. श्री दियाल सिंह पुत्र श्री मोता सिंह वासी गांव भुखरी कलां, तहसील लुधियाना

(ग्रन्तरक)

2. श्री सोहन सिंह पुत्र श्री इशर सिंह वासी गांव भुखरी कहां, तहसील लुधियाना

(श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त अपिक्तयों में से कियी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवा किसी प्रक्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास जिख्त में किए जास जिंगे।

स्वव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त सध्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के श्रष्टयाय 20-क में परिभावित हैं, वही धर्म होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### धनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 31 कनाल 3 मरले है श्रौर जो गांव भुखरी कलां, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 5947, फरवरी, 1978 में दर्ज है)।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 16 अम्तूबर 1978

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

आयक्षर मित्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियान, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1978

निर्देश सं० लुधियाना/प्राई०/106/77-78—यतः, मुझे, नत्थू राम, सहायक भ्रायकर भ्रयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लिधियाना

अगयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है,

ग्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 38 कनाल 8 मरले है, तथा जो गांव भुखरी कलां, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्न रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिगमय, 1908 (1908 का 16) के धीन, तारीख फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई
है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से घिष्ठक है भीर भन्तरक
(भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया
है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिधिनियम, के भिधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या भ्रम्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिक्षिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, ं 957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उक्त ग्रिविनियम की भारा 269 ग के भनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा, (1) कै ग्रिवीन निम्निचित व्यक्तियों, ग्रथित् :— 1. श्री दियाज सिंह पुत्र श्री मोता सिंह वासी गांव भुखरी कर्तां, तहसील लुधियाना

(ग्रन्तरक)

2. श्री सोहन सिंह पुत्र श्री इशर सिंह नासी गांव भुखरी कलां, तहसील लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, को भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, ग्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त् ध्रिधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 38 कनाल 8 मरले है थ्रौर जो गांव भुखरी कलां तहसील लुधियाना में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता घ्रधिकारी के लुधियाना कार्यालय के विलेख संख्या 6041, फरवरी, 1978 में दर्ज है)। नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लिधियाना

तारीख: 16 म्रक्तूबर 1978

# प्रकप धाई० टी० एम० एस०---

# यायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के स्प्रीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 16 श्रक्तुबर 1978

निर्देश सं० लुधियाना/ग्रार०/108/77-78—यतः मुझे, नत्थू राम सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं भूमि जसका क्षेत्रफल 45 कनाल है, तथा जो गांव भखरी कलां जिला लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रम्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से भिषक है भीर मन्तरक (अन्तरकों) भीर (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्षित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त श्रिष्ठितियम के श्रिष्ठीत कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (खा) ऐसा किसा प्राय या किसी धन या प्रस्थ धारितयों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिखनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्थिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः घव, उक्त मिछिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरक में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की स्पवारा (1) के अग्रीन निम्नसिवित स्पक्तियों, मर्थात्:--  श्री दयाल सिप पुत्र श्री मोता सिंह नासी गांव भुखरी कला तहसील लुधियाना

(ग्रन्तरक)

2. सर्वश्री गुलवन्त सिंह वे दिदार सिंह पुत्न श्री सोहन सिंह वासी गांव भुखरी कलां, तहसील लुधियाना (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त संपत्ति के भजेंन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तक्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45-दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीश्वरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पदों का, जा उक्त झिक नियम, के झड्याय 20क में परिभाषित हैं, वही झर्च होगा जो उस झड्याय में दिया गया है।

# श्<u>र</u>नुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 45 कनाल है श्रीर जो गांव भुखरी कलां में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय के विलेख संख्या 5996 फरवरी, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 16 श्रक्तूबर 1978

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1978

निर्देज सं० जगराऊं/52/77-78—यत:, मुझे, नत्थू राम प्रायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269—खं के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रुपए से श्रधिक है.

श्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 7 कनाल है, तथा जो गांव अगवार गुजरां तहसील जगराऊं जिला लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबन्द ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय, जगराऊं में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धनकर ग्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

श्रत: श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रिथीत:---  श्रीमती उलीप कौर, श्रीमती परमजीत कौर व श्रीमती सरनजीत कौर पुत्रियां श्री तरलोक सिंह वासी श्रगबर गुजरां तहसील जगराऊं जिला लुधियाना ।

(भ्रन्तरक)

2. जगराऊं राईस मिलज, जगराऊं जिला लुधियाना (अस्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी
  ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्प<sup>6</sup>टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ऋषें होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 7 कनाल है और जो गांव श्रगबर गुजरां, तहसील जगराऊं में स्थित है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, जगराऊं के कार्यालय के विलेख संख्या 4523, फरवरी, 1978 में दर्ज है)।

नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 16 श्रक्तूबर 1078

मोहर :

14- 346GI/78

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1978

निर्देश सं० एल डीएच/322/77-78—यतः, मुझे, नस्थू राम, श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/—रू० से प्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० प्लाट जिसका क्षेत्रफल 480 वर्ग गज है, तथा जो 3-ए, इंडस्ट्रियल एरिया 'ए' लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधिनियम के श्रधीन कर देने के ब्रन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में मुखिद्या के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या श्रन्थ भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियागया था या किया आना चाहिए था, श्रिपाने में युविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री श्रविनाण कुमार पुत्र श्री सत प्रकाण व श्रीमती किरण मितल पत्नी श्री ग्रविनाण कुमार, 1061, संगलां-वाला णिवाला रोड, लुधियाना

(भ्रन्तरक)

श्रीमित मेल कौंर विधवा श्री गुरवचन सिंह वासी
 इंडस्ट्रियल एरिया 'ए' लुधियाना

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उरत सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपश्च में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रेष्ठिनियम के श्रष्टयाय 20क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस ध्रष्टयाय में दिया गया है।

# अमु सू ची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 480 वर्ग गज है ग्रार जो 3-ए इंडस्ट्रियल एरिया 'ए' लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 3570, फरवरी, 1978 में दर्ज है)।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 16 श्रमत्बर 1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

अरायकर **ब**िविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के ब्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 16 प्रक्तूबर 1978

निर्देश सं० सी एचडी/119/77-78---यतः, मूझे, नत्थु राम, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, लुधियाना भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमें इसके पण्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका - बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रक्रिक है श्रौर जिसकी सं० जायदाद नं० 309, सैंक्टर 21-ए, चण्डीगढ़ है, तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्-सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्राधीन, तारीख मार्च, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के भ्रष्ठीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिम्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त अग्निनियम, की धारा 269-म की उपवास (1) के निधीन, निम्निखित व्यक्तियों, ग्रथित् :---  श्री हरिन्द्र सिंह धिनसा पुत्र श्री इशर सिंह वासी पी-3, गुरुनानक देव युनिवर्सिटी, ग्रमृतसर

(अन्तरक)

2. सर्वश्री ठाकुर दास पुत्र श्री नत्यू राम, श्रीमित चिन्ती पत्नी ठाकुर दास, कपिल देव, रछपाल चन्द व तीर्थ राम पुत्र श्री ठाकुर दास वासी चागों गुरू की तहसील गरशंकर जिला होशियारपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजंन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के भव्याय 20क में परिभाषित हैं, वही भ्रयं होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

## अमुसुची

मकान नं० 309, सैक्टर 21-ए, चण्डीगढ़ : (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1420, मार्च, 1978 में दर्ज है)।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 16 श्रक्तूबर 1978

गया है:--

## प्ररूप माई • टी • एन • एस • ------

# न्नायकर न्निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1978

निर्देश सं० चण्डीगढ़/117/77-78—यतः, मूझे, नत्थू राम, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लूधियाना आयकर श्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ३० से श्रधिक है,

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 547, सैक्टर 8-बी, है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1978 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृध्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त धन्तरण विश्वित में वास्तविक अप से कियत नहीं किया

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिष्ट-निगम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (स्र) ऐसी किसी भाय या किसी धन था भन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या भन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अशः भ्रम, उक्त श्रिष्ठिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के प्रक्रीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षातु:—

- श्री भगवान दास गुप्ता पुत्र श्री हेम राज वासी मकान नं० 221-श्रार माङल टाउन, लुधियाना
  - (ग्रन्तरक)
- 2. श्री अमरीक सिंह रणधावा पुत्र श्री उधम सिंह रणधावा, रणधावा भवन, अजनाला, जिला श्रमृतसर (अन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पब्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 547, सैक्टर 8-बी, चण्डीगढ़ । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1396, मार्च, 1978 में दर्ज है)।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त(निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीखा : 16 म्रक्तूबर 1978

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना
लिधियाना, दिनांक 16 श्रक्तुबर 1978

निर्देश सं० चण्डीगढ़/115/77-78—यतः, मुझे, नत्थू राम, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के प्रधीन सञ्जन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रीधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 1401, सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़ है, तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबज्र ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकन के निए प्रत्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है और भन्तरक (भ्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरक से हुई किसी भाय की बाबत उक्त धिनियम के धिन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐनो हिन्नो प्राय या किसो धन या प्रान्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत: भव, उशत भविनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त भविनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भवीन निम्नलिखिल व्यक्तियों भवीत:--- 1. श्री बी० एस० बल पुत्न स्व० श्री नवाब सिंह वासी मकान नं० 48, सैंक्टर 27-ए, चण्डीगढ़ ▮

(अन्तरक)

2. श्री जसविन्दर सिंह (माइनर) पुत्र श्री सूबा सिंह व श्री सूबा सिंह पुत्र श्री सावन सिंह वासी मकान नं० 1900, सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस पूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इन पूत्रका के राजाल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हाउडो हरण: --इनर्ने प्रमुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उप अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान नं० 1401, सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़ । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1379, मार्च, 1978 में दर्ज है)।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 16 श्रम्तूबर 1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर मित्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना,

लुधियाना, दिनांक 16 अक्तूबर 1978

निर्वेश सं० चण्डीगढ़/101/77-78-यतः, मूझे, नत्थू राम, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, लुधियाना (1961 町 43) म्रधिनियम, 1961 (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की द्वारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से घ्रधिक है श्रौर जिसकी सं अमकान नं 1243, सैक्टर 22-बी, है, जो चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर) इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख, फरवरी, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के बुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तारेत की गई है और मुझे ंह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित सहेश्य से उस्त अन्तरण जिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया स्या है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम या घन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत: ग्रव, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269=ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269=व की उप-धारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, ग्रवीत्:---  श्रीमती स्वत्नी देवी पत्नी श्री पूरन चन्द वासी पूरन सिंह दा ढाज्या, नजदीक बस स्टैंड , जी० टी० रोड, श्रम्बाला केंट ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री राम प्रसाद शर्मा पुत्र श्री मोहन लाल शर्मा, श्री लाल चन्द शर्मा पुत्र श्री राम प्रसाद शर्मा वासी सैंट नं० 2, ठण्गी कोठी, शिमला-1

(अन्तरिती)

श्री मेहरसिंह वासी 1243, सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिष्टिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वी≇त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के झर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्राधोहस्ता-क्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्राधि-नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाजित हैं, बही भ्रष्टें होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

#### अमुसूची

मकान नं० 1243, सैक्टर, 22बी चण्डीगढ़। जायेदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सेंख्या 1205 फरवरी, 1978 में दर्ज है)।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 16 ग्रन्तूबर 1978

प्रकप धाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना दिनांक 16 भ्रक्तूबर 1978

निदेश सं० सोलन/1/77-78--यतः मुझे नत्थु राम, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज लिधयाना ध्रायकर ध्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से भिधक है श्रीर जिसकी सं० भमि जिसका क्षेत्रफल 1463 वर्ग मीटरज है तथा जो लोग्रर बाजार सोलन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सोलन में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख फरवरी 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृहय उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है, भीर यह कि मन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित बास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है :---

- (क) धन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त भिध-नियम, के भिधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुबिधा के लिए; और/या
- (सा) ऐसी किसी भाय या किसी धन या धन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव उस्त ग्रिधिनियम की घारा 269ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269 घ की उपघारा (1) के भ्राधीन मिम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री ग्रोम प्रकाश सत पाल पुत्र श्री रत्ती राम, श्रीमित कमला देवी पुत्री श्री रत्ती राम व श्रीमित जानकी विधवा श्री रत्ती राम वासी लोग्नर बाजार सोलन।

(ग्रन्तरक)

 श्री इन्दर सिंह व सुरिन्दर कुमार पुत्र श्री सन्त राम वासी गांव चन्गर तहसील सोलन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी मन्य व्यक्ति दारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रक्षित्यम, के श्रक्ष्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रक्षे होगा को उस शब्दाय में दिया गया है ।

#### अनुसुची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 1463 वर्ग मीटरज श्रीर जो लोग्नर बाजार, सोलन में स्थित है।

(जिसका खेवट खतौली नं० 1/10 मीन खसरा नं० 829 है)।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी, सोलन के कार्यालय के विलेख संख्या 56, फरवरी, 1978 में दर्ज है)।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रोंज, लिधयाना

तारीखा: 16 ग्रक्तूबर 1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 श्रक्तुबर 1978

निर्वेण सं० नाभा/44/77-78—यतः, मुझे, नत्थू राम, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, लुधियाना श्रायकर श्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269—ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 10 बिघा 4 विषया है, तथा जो गांव डल्लदी, तहसील नाभा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, नाभा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय, नाभा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय, नाभा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख फरवरी 1978 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है श्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर धन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई िकसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी घन या म्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायकर म्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रिधिनियम या घन-कर म्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती ब्रारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:——  श्री मान सिंह पुन्न श्री चनन सिंह बासी गांव डल्लपी, तहसील नाभा ।

(अन्तरक)

2. श्री मंगत राम पुत्र श्री रामजी दास, ग्रमर नाथ पुत्र श्री बुधर मल, श्री जगन नाथ, श्रमर नाथ, भगवान दास, रत्न लाल, भजन मल, पुत्र श्री रुलंदू राम, श्री तरसेम लाल पुत्र श्री नेत राम, ज्ञान चन्द, विश्वन लाल पुत्र श्री चरन दास मारफत मैंसर्ज विजय लक्ष्मी इंडस्ट्रीज, डल्लदी तहसील नामा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्टोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### **जन्** पूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 10 बीघा 4 विष्वा है ग्रौर जो गांव डल्लदी तहसील नाभा में स्थित है।

(जायबाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 2030, फरवरी, 1978 में दर्ज है)।

नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 16 श्रक्तूबर 1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-ग्रायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

य, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (ानराक्षण

म्रजन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 ग्रक्तूबर 1978

निर्देश सं० नाभा/46/77-78—यतः, मुझे, नत्थू राम, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रूपए से श्रिधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 8 कनाल 8 मरले हैं, तथा जो नाभा में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रीर पूर्णेरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नाभा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह धिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः ग्रबं, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :—
15—346 GI/78

 श्री मनजीत सिंह व श्री गुरचरण सिंह पुत्र श्री इन्दरजीत सिंह बासी नाभा।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रामधारी मल पुत्र श्री सुरस्ती मल, श्री लखपत राय व जौहरी लाल पुत्र श्री रामधारी मल (पार्टनरज) मैसर्ज शारदा मिलज, थाई रोड, नाभा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्राजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पक्षे का, जो उनस श्रिप्तियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### ग्रनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 8 कनाल 8 मरले है और जो नाभा में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 2061, फरवरी, 1978 में दर्ज है)।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण**),** श्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 16 ग्रम्तूबर 1978

मोहर

प्रह्म प्राई० टी० एन० एस०---

भागकर भिषितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के भिषीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 भ्रक्तूबर 1978

निर्देश सं० भ्रमलोह/29/77-78—यतः, मुझे, नःथू राम सहायक द्यायकर भ्रायकत (निरीक्षण) भ्रजंन रेंज, लुधियान। भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से भ्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 विघा 3 विश्वा है, तथा जो गांव जसड़ां, नजदीफ मण्डी गोविन्दगढ़ में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमलोह में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रिध-नियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रन, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रमुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  श्री इन्दर सिंह पुत्र श्री जगत सिंह द्वारा श्री दर्शन सिंह पुत्र श्री नरंजन सिंह, जनरल घटारनी, वासी गांव जसड़ां, तहसील घमलोह, जिला पटियाला ।

(भ्रन्तरक)

 मैंसर्ज यूनाइटेड ग्राइरन व स्टील रीरोलिना मिल्ज (रिजस्टरङ) मण्डी गोविन्दगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबज्ञ
  किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रष्टयाय 20क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

#### धनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 विघा 3 विष्वा है श्रौर जो गांव जसड़ां, तहसील श्रमलोह, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, श्रमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या 1402, फरवरी, 1978 में दर्ज है)।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 16 ग्रन्त्वर 1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1978

निर्देश सं० श्रमलोह/26/77-78--यतः, मुझे, नत्थू राम, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम श्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्ति बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 विष्वा है, गथा जो गांव नसराली नजदीक गोविन्दगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमलोह में रजिट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है भौर धन्तरक (अन्तरकों) भौर धन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के धधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हों भारतीय भ्राय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रंब, उक्त बिधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रंधिनियम, की धारा 269-घ की उपघारा (1) के ग्रंधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री ज्ञान चन्द पुत्र श्री श्रष्टिर मल वासी मण्डी गोविदगढ़ (श्रन्तरफ)
- मैर्सज इण्डियन मर्कैनिकल वर्क्स, मण्डी गोविदगढ़ द्वारा
   श्री निरन्वर कुमार गप्ता, पारटनर ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी
  ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्राधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः—इसर्मे प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को उक्त ग्रिधिनियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रष्यं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 विश्वा है ग्रौर जो गांव नसराली में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, श्रमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या 1373, फरवरी, 1978 में दर्ज है )।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 16 श्रमत्बर 1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 16 ग्रक्तूबर 1978

निर्देश सं० श्रमलोह/25/77-78—यतः, मझे, नत्थु राम, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लिधयाना भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-रुपये से श्रिधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 बिघा 8 विश्वा है, तथा जो गांव जसड़ां, तहसील श्रमलोह में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रींर पूर्ण रूप से वर्णिस है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमलोह में रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख, फरवरी, 1978

को पूर्वीकत सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है मौर प्रम्तरक (प्रन्तरकों) मौर प्रम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित म बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के भ्रप्तीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियय, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्निसिखत स्थिक्तमों, ग्राथीत्:--  श्री दरबारा सिंह, ग्रमर सिंह व गुरनाम सिंह पुत्र सुरजन सिंह वासी गांव जसड़ों, तहसील ग्रमलोह, जिला पटियाला ।

(भ्रन्तरक)

2. मैंसर्ज दोग्राबा स्टील रोलिंग मिल्ज, मण्डी गोनिन्दगढ़ हाराश्री नरिन्दर कुमार, पार्टनर

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 बिघा 8 विष्वा है श्रीर जो गांव जसड़ां, तहसील श्रमलोह, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, श्रमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या 1346, फरवरी, 1978 में दर्ज है)।

> नत्थू राम, सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 16-10-78 मोहर: प्ररूप भ्राई० टी• एन० एस•---- -

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1978

निर्देश सं० डेराबस्सी/27/77-78—यतः, मुझे, नत्थू राम सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है

ग्रींर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 22 बिघा 5 विक्वा है, तथा जो गांव छत, तहसील डेरा बस्सी में स्थित है (ग्रींर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रींर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, डेरा बस्सी में रजिस्ट्रीकरण श्रिधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख फरवरी, 1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मौर भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मिश्रक है मौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राप या किसी यन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधनियम, या घन-कर मिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-म के प्रनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात् :---  श्री महाधीर चन्द पुत्र श्री नानक चन्द वासी गांव छत तहसील डेरा बस्सी ।

(ग्रन्सरक)

2. श्री सुरिन्दर सिंह कैरों पुत्र श्री प्रताप सिंह कैरों व श्री उदय प्रताप सिंह कैरों पुत्र श्री सुरिन्दर सिंह कैरों वासी 28 सैक्टर 4, चण्डीगढ़

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से
  45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी भ्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी
  भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
  भ्यक्तियों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा शशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कृषि योग्य भूमि जिसका क्षेत्रफल 22 बिघा 5 विश्वा है ग्रौर जो गांव छत तहसील डेरा बस्सी में स्थित है।

(आयदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, डेरा बस्सी के कार्यालय के विलेख संख्या 1018, फरवरी, 1978 में दर्ज है)।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, लूधियाना

तारीख: 16-10-78

प्रारूप माई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, विनांक 16 श्रक्तूबर 1978

निर्देश सं० डेरा बस्सी/29/77-78—यत:, मुझे, नत्थू राम सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ए० से शिक्षक है,

स्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 22 बिघा 5 विषया है, तथा जो गांव छत, तहसील डेरा बस्सी में स्थित है (म्रौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता मधिकारी के कार्यालय, डेरा बस्सी में रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर धन्तरक (भन्तरकों) भीर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में बास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रधि-वियम के अधीन कर देने के भन्तरक के वायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

भ्रतः अब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरज में, मैं उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों प्रयात्:—  श्री धर्मवीर चन्द पुत्र श्री नानक चन्द वासी गांव छत, तहसील डेरा बस्सी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सुरिन्दर सिंह कैरों पुत्र श्री प्रताप सिंह कैरों व श्री जदय प्रताप सिंह कैरों पुत्र श्री सुरिन्दर सिंह कैरों वासी 28 सैक्टर 4, चण्डीगढ़

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के भर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षीप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हित-बद्ध किसी घ्रन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रड्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही भ्रषं होगा जो, उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### ग्रमुस्ची

कृषि योग्य भूमि जिसका क्षेत्रफल 22 बीघा 5 विश्वा ग्रीर जो गांव छत, तहसील डेरा बस्सी में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, डेरा बस्सी के कार्यालय के विलेख संख्या 1020, फरवरी, 1978 में दर्ज है)।

> नत्थू राम सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 16-10- 1978

प्रकप भाई • टी • एन • एस ----

भायकर भिष्यिम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के भ्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 श्रम्तूबर 1978

निर्देश सं० डेरा बस्सी/28/77-78—यत:, मुझे, नह्थू राम, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना श्रायकर श्रिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से श्रिष्ठक है

श्रींर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 22 बिघा 4 विश्वा है, तथा जो गांव छत, तहसील डेरा बस्सी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रींर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, डेरा बस्सी में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिन्तमा, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख फरवरी, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान श्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान श्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उकत अधिनियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-म की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित अर्थातः—  श्री बलवीर चन्द पुत्र श्री नानक चन्द बासी गांव छत, तहसील डेरा धस्सी।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सुरिन्दर सिंह कैरों पुत्र श्री प्रताप सिंह कैरों व श्री उदय प्रताप सिंह कैरों पुत्र श्री सुरिन्दर सिंह कैरों वासी 28 सैक्टर, 4, चण्डीग़ं

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रग्य व्यक्ति द्वारा मझोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनुसूची

कृषि योग्य भूमि जिसका क्षेत्रफल 22 बिघा 4 विश्वा है श्रोर जो गांव छत, तहसील डेरा बस्सी में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, डेरा बस्सी के कार्यालय के विलेख संख्या 1019 फरवरी 1978 में दर्ज है)।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

सारीख : 16 ग्रन्सूबर 1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1978

निर्देश सं० चण्डीगढ़/107/77-78—यतः, मूझे, नत्थू राम, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना आयकर शिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त शिधिनियम', कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से शिवक है

श्रीर जिसकी सं० जायदाद नं० 3297 है, तथा जो सैक्टर 15-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रीधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908

का 16) के श्रधीन, तारीख, फरवरी, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रतिफल के लिये, भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान श्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान श्रतिफल का पन्द्रह श्रतिशत से भधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त प्रिष्ठ-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये ग्रीर/बा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-थ की उपचारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत्।---  श्री रत्न देव सिंह चौंधरी पुत्र श्री बाबू सिंह वासी 3297, सैंक्टर 15-डी, चण्डीगढ़

(भ्रन्तरक)

 श्री प्रीतम लाल पुत्न श्री चन्दू राम 3297, सैक्टर 15-डी, चण्डीगढ

(श्रन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धावधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हितकुद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षित्यम के भड़्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस भड़्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान नं० 3297 सैक्टर 15-डी, चण्डीगढ़ । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1294, फरवरी, 1978 में दर्ज है)।

> नत्थू राम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखः : 16 भ्रक्तूबर 1978

प्ररूप मार्ह् । दीः दनः एसः---

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

<del>प्रजेन</del> रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 प्रक्तूबर 1978

निर्वेशः सं० चण्डीगढ़/106/77-78—यदः, मझे, नत्सू राम, सहायक आयकर आयुन्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

म्रीर जिसकी सं० 2. 1/2 मंजिला मकान जिसके व्लाट का क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है, तथा जो जायदाद सं० 835, सँक्टर 16-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इस उपाबद मनूसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, 16-डी, चण्डीगड़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद मनूसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण मधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण मधिकार, 1908 (1908 का 16) के मधींम, सारीख फरवरी, 1978

16) के प्रक्रान, ताराख फरनरा, 1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत, से प्रधिक हैं भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों)
भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरणः के दुई किसीः क्यायः की कालाः उक्त धिक्तिग्रमः के धधीन कर देने के धन्तरक के दायित्वः में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिंग्सिम या धन-कर घिंग्सिम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनां के कन्तिरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत: भन, उक्त भिवित्यम की घारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त भिवित्यम की घारा 269-म की उपधारा (1) के भिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात्:—
16-346 GI/78

. 1. श्री एस० सी० पंडित पुत्र पंडित नानक चन्द वासी मकान नं० 2.85, सैक्टर 1.4-बी, चण्डीगढ़

(मन्तरक)

2. श्री प्रेम सागर धवन व श्रीमित संतोष धवन वासी मकान नं० 35, सैक्टर 16-ए, चण्डीगढ़ (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वीक्त सम्मति के भ्रजंन के लिए कार्यवाहियां मुक्क करकाः हूं।

उनता सम्पत्ति के झर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 विन के भीतर उक्त स्थाकर सम्पत्ति में हिलबख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताकरी के पास जिखित में किए जा सकेंगें।

रफ्कोकरण:---इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों श्रीर पदों का, जो उनत ग्रिविनियम के श्रध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही श्रथ होगा जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

मकान नं ० 835, सैक्टर 16-डी, चण्डीगढ़।
(जायदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चण्डीगढ़ी --कार्यालय के विलेख संख्या 1286, फरवरी, 1978 में दर्ज है)।

> नत्थू राम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखा : 16 म्र<del>मतूब</del>र 1978

प्रकप बाई ॰ टी • एन ॰ एस ॰-

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष(1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 16 धक्तूबर 1978

निर्देश सं० चण्डीगढ़/104/77-78—यतः, मुझे, नत्यू राम, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उम्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 597, सैक्टर 8-बी, चण्डीगढ़ है, तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित हैं (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान श्रितफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिशी (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण लिखित में वास्तविक कय से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त मधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या घण्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठितयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठितयम, या घनकर भिष्ठितयम, या घनकर भिष्ठितयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धम, उक्त धिविनयम की बारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269न की उपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— 1ं श्रीमसी इन्दर कौर पत्नी श्री शेर सिंह बासी 597, सैक्टर 8-बी, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

 श्री जीवा नन्द पुत्र श्री हंस राज, 594, सैक्टर 8-बी, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी घाकीप :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
  की तामील से 30 दिन की प्रविध जो भी अविध बाद
  में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
  से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शश्यों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रव्याय 20-क में परि-भाषित हैं वही धर्ष होगा, जो उस प्राध्याय -- में दिया गया है।

#### अनुबुची

मकान नं० 597, सैक्टर 8-बी, चण्डीगढ़।

(जायवाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1243, फरवरी, 1978 में वर्ज है)।

> नत्यू राम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ब्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 16 धमतूबर 1978

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 16 भ्रमतूबर 1978

निद्दण सं चण्डीगढ़/100/77-78—यतः, मुझे, नत्यु राम, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—खं के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपये से अधिक है

धौर जिसकी सं० पलाट नं० 101, सैक्टर 7-सी, है, तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (धौर इससे उपायद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत: ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत्:—

- 1. श्रीमती प्रोमीला रानी पत्नी श्री भ्रवय कुमार वासी 1095, सैक्टर 21-बी, चण्डीगढ़ (अन्तरक)
- 2. श्री जोगिन्दर पाल पाठक पुत्न श्री बन्सी लाल पाठक वासी 102, सैक्टर 7-सी, चण्डीगढ़

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट नं० 101, सैक्टर 7-सी, चण्डीगढ़ । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1200, फरवरी, 1978 में दर्ज हैं)।

> नत्यू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 16 धन्तूबर 1978

प्राह्म पाईक टीक एन० एस ---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (किरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 प्रक्तूबर 1978

निर्देश सं० चण्डीगढ़/96/77-78---यतः, मुझे, नस्यु राम, सहीयक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना भ्रायकर भ्रोधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंचनात् 'उपत मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्याबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से भिधक है मौर जिसकी सं॰ प्लाट नं॰ 205, सैक्टर 21-ए, पुराना नं॰ 36-डी) है, तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (भीर इससे उपाबद मनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ताश्रध-कारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गरत की गई है और मुझे वह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जनके दश्य काम प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर श्रन्तक्ती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (स) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भिध-नियम के भाभीन कर देने के अन्तरक के दायिक्ष में कभी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती कुशक प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना अनहिए चा, कियाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रवः जनतं प्रधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं में, में, जनतं प्रधिनियमं की धारा 269-गं की उपधारा (1) के प्रधीनः निम्त्रकालित स्थानतयों सर्वात् !---  सर्वश्री हरवन्त सिंह, कुलशीप सिंह व करतार सिंह वासी 3406, हराध्यान सिंह रोड, करोल बाग, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

2. श्री कुलबीर सिंह द्वारा पुत्र श्री दारा सिंह वासी मकान नं э 3:062, सेनटर 19-दी, जण्डीगढ़

(भ्रन्तरिती)

को सह सूचता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यियां **गुरू** करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचमा के राजपत में प्रकाशन की तारीज से 4.5 दिन की अविध, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की वामील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहरूतकारी के पास
  लिखित में किए जा सर्वेगे।

क्ष्यव्हीकरक:—इसमें प्रमुक्त शब्दों कीर कदों का, जो उन्हर्त अधिनियम; के प्रध्याच 20-क में परिक्रेक्सिस है, बही प्रचें होणा, मो उस प्रध्याय में दिखा गया है।

#### अमुसुको

ब्लाट नं० 205, सैक्टर 21-ए, व्यक्तिगढ़ (पुराना नं० 36-ही)।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के क्लिख संख्या 1173, फरचरी, 1978 में दर्ज है)।

> नत्थू राम, सकंग प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजेंन रेंज, लुधियाना

तारीख: 16-10-7**8** 

प्रक्षियाई० टी॰ एनै० एस०----धावकर समियम, 1961 (1964 का 43) की धारा 268व (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यामय, सहायक भायकर भाय्कत (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 16 ग्रक्तूबर 1978

अनिर्देश सं० चण्डीगढ़/97/77-78—यतः, मुझे, नत्थू राम, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना श्रायकर श्रिषंनिष्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम श्रिधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-उ० से अधिक है

स्नौर जिसकी सं० 306, सैंक्टर 9-डी, चण्डीगढ़ है, तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रींर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख फरवरी, 1978

को पूर्वंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-भियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या अन्यकर भश्चिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्दिश्को द्वारा अकट सही किया गम्य या या किया जाना चाहिए चा, किएनने में सुविधा के लिए;

क्त: अब, उक्त ऋषिनियम की घारा 269-ग के धनु-सर्थक में, में, उक्त श्रोधिनियम की घारा 269-व की उपद्यार (1) के ध्रधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, ध्रवांत :--  श्री सरल नाथ बाली पुत्र स्थ० श्री दिना नाथ बाली, वासी 2-बी, कालीदास रोड, देहरादून

(घन्तरक)

- श्री रिवन्दर कृष्ण पुत्र स्व० श्री ग्रमर नाय कर्ता रिवन्दर कृष्ण एण्ड सन्ज वासी 1188, सैन्टर 18-सी, चण्डीगढ़ (ग्रन्तरिती)
- \*3. श्री एच० एस० हिस्लों (किरागेदार) 309, सैक्टर 9-डी, चन्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्अन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की धविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचवा की सामील से 30 दिन की धविध, ओ भी धविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधि-नियम के शब्याय 20क में परिभाषित हैं, वही धर्य श्रीमा जो उस शब्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान नं० 306, सैक्टर 9-डी, चन्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1179, फरवरी, 1978 में दर्ज है)।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 16 भन्तूबर 1978

प्ररूप गाई० टी॰ एन० एस०-

भायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, लुधियाना

सुधियाना, दिनांक 16 भ्रक्तूबर 1978

निर्देश सं० चण्डीगढ़/98/77-78—यतः, मुझे, नत्यू राम, धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूस्य, 25,000/- ६० से ग्रधिक है

भींर जिसकी सं० एस० सी० ओ० नं० 1-2-3, सैक्टर 17-बी, है, तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में धार पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1978

को त्र्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मृ से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक उप से किथात नहीं किथा गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त बाधि-नियम के भ्रधीन कर दैने के मन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; भीर/या
- (खा) ऐसी किती धाय या किसी धन या घण्य भाक्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधनियम या धन-कर मिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती प्रारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया काना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के खिबे।

पत: प्रव, उक्त घिष्टिनयम की आरा. 269 म के धनुसरण में में, उक्त घिष्टिनयम की धारा 269 म की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्वात् !--- 1. श्रीमती विमला देवी पत्नी बी० एन० गुप्ता, श्री बरिन्दर गुप्ता पुत्र श्री बी० एन० गुप्ता, श्रीमती कुमकुम गुप्ता पत्नी श्री बी० गुप्ता, कुमारी मीनाक्षी गुप्ता झब श्रीमती मीनाक्षी श्रनन्द पुत्री श्री बी० एन० गुप्ता वासी 235, सैक्टर 16-ए, चण्डीगढ़

(धन्तरक)

2. श्री भ्रवतार सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह, श्री रणवीर सिंह, श्री रणवीर सिंह, पुत्र श्री भ्रवतार सिंह, कुमारी निरन्वर कौर, कुमारी हरविन्दर कौर व श्रीमती रणवीर कौर पुत्रियां श्री भ्रवतार सिंह वासी मकान नं० 2061/15-सी, चण्डीगढ़ (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्केंगे।

स्पव्हीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के भ्रध्याय 20 क में परि-भाषित हैं, वही ग्रथे होगा, जो उस भ्रष्टयाम में दिया गया है।

#### अनुसूची

एस० सी० भ्रो० नं० 1-2-3, सैक्टर 17-बी, चण्डीगढ़।
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के खण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 1184, फरवरी, 1978 में दर्ज है)।

नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

मर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 16 प्रक्तूबर 1978

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1978

निर्देश सं० चण्डीगढ़/120/77-78—यतः, मूझे, नत्यू राम, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपए से श्रिधिक है

शौर जिसकी सं० मकान नं० 137, सैक्टर 9-दी, है, तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध अनूसूची में शौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है शौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पण्डह प्रतिशत से श्रधिक है शौर यह श्रन्तरक (श्रन्तरकों) शौर अन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उश्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धत: श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्निखित व्यक्तियों, श्रयित:--

 श्री धरिन्दर पुरी पुत्न श्री पी० एल० पुरी मारफत पंजाब कोपरेटिय बैंक लि०, रेलवे रोड,

(ग्रन्तरक)

 श्रीमित बिरिन्दर खुल्लर पत्नी श्री पवन खुल्लर वासी 137, सैक्टर 9- बी, चण्डीगढ़

(ग्रन्तरिती)

श्रीमित मोहनी खुल्लर 137, 9-बी, चण्डीगढ़।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्वव्हीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

मकान नं० 237, सैक्टर 9-बी, चण्डीगढ़

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1440, मार्च, 1978 में दर्ज हैं)।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 16 भ्रक्तूबर 1978

#### प्रकृप बाई० टी० एन० एस०-

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, प्रमृतसर

अमृतसर, तारीखा 15 नवम्बर 1978

निदेश सं० ए एस भार०/78-79/78—यतः मुझे, जी० एल० गारू

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संप्रत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य, 25,000/- इ० से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि 66 कनाल 14 मरले एक मकान और ट्यूबवैल है तथा जो कोटली मुगलां तहसील प्रजानकोट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, प्रजानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निधिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण निधित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है !—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबस, 'उक्त भ्रिष्टिनयम' के भ्रष्टीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/ या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य धस्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भ्रधिनियम', या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनाथं भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जनका चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भ्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के भ्रनुहरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थातः ---

- 1 हरपाल सिंह पुत्र हरनेफ सिंह, अधरोल नगर, पढानकोट। (अन्तरक)
- 2. बलविन्चर कौर पत्नी इककाल सिंह, पुत्र हरनेक सिंह, श्रवरोलनगर, पकानकोट (ग्रन्सरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 ग्रीर कोई किराएदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 और कोई व्यक्ति इस कृषि भूमि में रुचि रखता हो तो। (वह व्यक्ति, जिनके बादे में मधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितब है)

को यह सूचना जाकी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजेत के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजाया में प्रकाशन की तादी के कि कि दिन की अवधि या तत्सक्त्रकारी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रविध, जो भी प्रविध वाद में समाप्त होती हो, के कीतर पूर्वोक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्न किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्नीकरण:-इसमें प्रयुक्त मन्यों भीर पदों का, जो 'उक्त सृष्ठि-नियम', के सभ्याय 20-क में परिभाशित हैं, बही प्रयं होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि 66 बी० 14 एम० ग्रौर एक मकान ग्रौर ट्यूबर्वैक जो कि कोटली मुगलां तहसील पठानकोट में जैसा कि रजिट्रीकर्ता डीड नं० 5565 मार्च, 78 जैसा कि रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी पठानकोट में है।

> जी० एल० गारू सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, अमतसर

तारीख: 15-11-1978

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 27th October 1978

No. A.32013/2/77-Admn.I(I).—Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Dr. R. Bhaskaran, Iccturer In the Calicut Regional Engineering College, Calicut, and officiating as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission, to officiate as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on ad hoc basis wef the forenoon of 18-10-1978 to 17-1-1979, or until further orders, whichever is earlier, vide proviso to Regulation 4 read with regulation 7 of the Union Public Service Commission (Staff) Regulations, 1958.

No. A.32013/2/77-Admn.I(I).—The Chairman, Union Public Service Commission is pleased to appoint Shri V. N. Vaidyanathan, Assistant Planning Officer in the Directorate General. A.I.R.. and officiating as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission, to officiate as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on ad hoc basis wef the forenoon of 18-10-1978 to 17-1-1979 or until further orders, whichever is earlier, vide proviso to Regulation 4 read with Regulation 7 of the UPSC (Staff) Regulations, 1958.

S. BALACHANDRAN
Under Secy.
for Chairman
Union Public Service Commission

#### New Delhi-110011, the 18th October 1978

No A.32014/1/78-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri B. R. Basra, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate, on an ad hoc basis, in the Section Officers' Grade of the service for a period from 3-10-78 to 17-11-78 or until further orders, whichever is earlier.

S. BALACHANDRAN Under Secy. (Incharge of Administration) Union Public Service Commission

#### New Delhi-110001, the 21st October 1978

No. A.32013/1/77-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following officers in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Under Secretaries on od hoc basis in Grade 1 of the Central Secretariat Service for the period from 1-9-1978 to 16-10-1978.

- S. No. and Name
- 1. Shri T. N. Channa (Permanent officer of Section Officer's grade of CSS)
- Shri B. B. Mehra (Permanent officer of Grade A of CSSS)

#### The 28th October 1978

No. A.32013/1/77-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following permanent officers of Section Officers Grade of the CSS cadre in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Under Secretary on ad hoc basis in Grade I of the service for the periods shown against each or until further orders, whichever is earlier.

S. No. Name

Perioc

- 1. Shri B. R. Verma-17-9-78 to 1-11-78
- 2. Shri B. S Jagopota-22-9-78 to 6-11-78
  - 3. Shri P. C. Mathur-1-10-78 to 15-11-78

S. BALACHANDRAN
Under Secv.
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS (DEPARTMENT OF PERSONNEL & A R ) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 1st November 1978

No. A-19036/18/78-Ad V—The Director, CB.I and IGP, SPE hereby appoints Shri Ram Sarup, an officer of Puniab Police and an Inspector of Police, C.B.I., to officiate as Dy. Supdt. of Police in C.B.I.. SPE with effect from the forenoon of 22-7-78 and until further orders.

No. A-19036/24/78-Ad.V.—The Director, VBI and IGP, SPE is pleased to promote Shri G. S. Kapila, permanent Inspector of CBI, to officiate as Dy. Supdt. of Police on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 21-9-78.

RIPDAMAN SINGH Administrative Officer (A) CBI

#### DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 3rd November 1978

No. O.II-163/75-Estt.—Consequent on the expiry of his term of re-employment in the CRPF, Major Hukam Chand (Retd.) relinquished charge of the post of Assistant Commandant, A.W.S., CRPF Rampur on the afternoon of 24th September 1978.

No. P.VII-4/76-Estt-V — The President is pleased to appoint on promotion Shri S. P. Srivastava, Subedar of CRPF to the rank of Deputy Superintendent of Police (Company Commander/Quarter Master) in a temporary capacity until further orders.

2. He took over charge of the post in 1st Signal Bn., CRPF with effect from 1-10-78 (FN) on his repatriation from Directorate of Communications (Ministry of Finance).

#### The 4th November 1978

No. O.II-1218/75-Estt.—Consequent on his retirement from Government Service on attaining the age of superannuation Shri Sheo Narain Singh relinquished charge of the post of Dy. S.P., 21 Bn., CRPF, on the afternoon of 30-9-78.

No. O.H-1088/78-Estt —The President is pleased to appoint Dr. Ramakant Rehera as General Duty Officer, Grade-II (Dy. S.P./Coy Comdr) in the CRP Force in a temporary canacity with effect from the forenoon of 12th September, 1978 until further orders.

No. O.II-1089/78-Estt —The President is pleased to appoint Dr. Subhash Chandra as a Senior Medical Officer (Commandant) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 14-9-78 until further orders.

No. O.II-1093/78-Fstt.—The President is pleased to appoint Dr Umesh Gautam as General Duty Officer Grade-II (Dv. S.P./Cov Comdr.) in the CRP Force in a temporary canacity with effect from the forenoon of 27th September 1978 until further orders.

A. K. BANDVOPADHVAY Assistant Director (Adm.)

### OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, the 4th November 1978

No. E-16014(1)/22/73-Pers.—On attaining the age of superannuation Shri Parshotam Singh relinquished the charge of the post of Asstt. Inspector-General (L&R). CISF HOrs, New Delhi with effect from the afternoon of 31st Oct. 1978.

A. N. BHALLA Asstt. Inspector-General (Adm.) CISF HQrs

New Delhi-110019, the 6th November 1978

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Farrakka Shri P. N. Deo assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit, IOG Refinery, Gauhati with effect from the forenoon of 7th October 1978 vice Shri S. K. Tah Asstt Commandant, who on transfer to Farrakka relinquished the charge of the said post with effect from the same date.

No. F-38013(3) /1/78-Pers.—On transfer to Cochin, Shri M. R. Dinesan, relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit VPT Visakhapatnam wef the afternoon of 28th September, 1978.

No E.38013(3)/1/78-Pers.—On transfer to Delhi Shri John Chauhan relinquished the charge of the post of Asstt. Com-

17-346GI/78

mandant CISF Unit HEC Ranchi with effect from the fore-noon of 7th September, 1978.

No. E-38013(3)/1/78.Pers.—On transfer from Delhl Shri A. S. Bhatti assumed the charge of the post of Asstt. Commandant, CISF Unit RCF Ltd., Trombay, Bombay wef the afternoon of 14th October, 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Nagaland Shri R. N. Sarkar assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit RSP Rourkela with effect from the forenoon of 5th September 1978.

NARENDRA PRASAD Asstt. Inspector-General (Pers) CISF HQrs.

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

#### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA Now Delhi, the 23rd September 1978 ORDER

No. 19/37/76-Ad.I.—Whereas Shri Vasu Dev, an Assistant Compiler in the office of the Director of Census Operations, Punjab has been continuously absenting himself from duty since 24-5-76 without any intimation or permission of the Competent Authority;

AND WHEREAS this continued absence from duty constitutes a gross misconduct rendering the sald Shri Vasu Dev liable to disciplinary action;

AND WHFREAS the present whereabouts of Shri Vasu Dev are not known and it is not reasonably practicable to hold an enquiry against Shri Vasu Dev in the manner pro-vided for in the Central Civil Service (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965;

AND WEHRFAS the undersigned in the circumstances of the case deems that it is fit to remove the said Shri Vasu Dev from service;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by rule 19(ii) of the Central Civil Services (Classification, Control and Anneal) Rules, 1965, the undersigned hereby removes the said Shri Vasu Dev from service with effect from the date of issue of this order.

> P. PADMANABHA Registrar General and Census Commissioner of India Disciplinary Authority

#### MINISTRY OF FINANCE

#### (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 6th October 1978

No. 7(44) /5657.—Further to this office notification No. 7(44) 4418 dated 28-8-1978, Shri S. S. Manki who was promoted against the vacancy caused due to the adhoc appointment of Shri A. K. Ghosh, Assistant Works Manager as Chief Chemist will be reckoned with effect from 1-9-1978 against the permanent vacancy caused due to the promotion of Shri R. R. Rao, Assistant Works Manager as Deputy Works Manager with effect from that date.

> S. R. PATHAK General Manager

#### INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

Office of the Accountant General-I, Madhya Pradesh

Gwalior, the 3rd November 1978

No. OE-I/292:—The Accountant General-I, Madhya Pradesh, has been pleased to promote the following permanent/officiating Section Officers as Accounts Officers in an officiating capacity in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates noted against each:-

1. O. L. Jethani (02/255)—28-10-78 Forenoon
2. K. N. Khandelwal (02/241)—21-10-78 Afternoon,
3. S. P. B. Shukla (02/242)—26-10-78 Forenoon,
4. Ram Khilari (02/568)—21-10-78 Afternoon,
5. Sobran Singh (02/563)—21-10-78 Afternoon,
6. A. R. Shakyawar (02/569)—25-10-78 Forenoon vacancles.

KRISHNA GOPAL

Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

#### DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

#### OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF

DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 1st November 1978

No. 4771/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri C. P. Ramachandran, Controller General of Defence Acand counts, was transferred to the Pension Establishment accordingly struck off the strength of the Defence Accounts Department with effect from 31.10.1978 (AN).

#### The 2nd November 1978

No. 3995/AN-II.—The President is pleased to appoint Shri B. M. Menon, an Officer of the Level I of the Senior Administrative Grade of the Indian Defence Accounts Service, as the Controller General of Defence Accounts in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1st officiating capacity with effect from the November, 1978, until further orders.

R. L. BAKHSHI,

Addl. Controller General of Defence Accounts (AN).

#### MINISTRY OF DEFENCE

#### INDIAN ORDNANCE AND ORDNANCE EQUIPMENT **FACTORIES**

Calcutta, the 27th October 1978

No. 10/78/A/M.-The President is pleased to appoint the following officer with effect from the date as indicated :-

Name & Post

Posted at

Date

Dr. Balaram Sharma

Vehicle Factory,

27-8-78.

Brig.

Asstt. Medical Officer

Jabalpur.

K. C. SAKSENA.

Director of Health Services,

for Director General, Ordnance Factories,

### MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES & COOPERATION

#### (DEPARTMENT OF COMMERCE)

### OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

#### New Delhi, the 2nd November 1978

#### IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL ESTABLISHMENT

No. 6/422/53-Admn(G)/7811.—On attaining the age of superannuation, Shri P. C. Sen relinquished charge of the post of Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta, on the afternoon of the 30th September, 1978.

#### The 6th October 1978

No. 6/412/56-Admn(G)/7817.—Shri K. N. Kapoor, an officiating Deputy Chief Controller of Imports and Exports in this office expired on 15.9.1978.

No. 6/439/56-Admn(G)/7826.—The President is pleased to appoint Shri Takhat Ram, an officer officiating in the Selection Grade of the CSS and Deputy Chief Controller of Imports and Exports as Joint Chief Controller of Imports and Exports in this office in an officiating capacity w.e.f. the 1st August, 1978, until further orders.

#### The 6th November 1978

No. 6/1266/78-Admn(G)/7895.—The President is pleased to appoint Shri B. K. Zutshi, I. A. S., formerly Director in the Ministry of Shipping and Transport as Export Commissioner in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, w.e.f. the forenoon of the 13th October, 1978, until further orders.

K. V. SESHADRI, Chief Controller of Imports & Exports.

#### MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 26th October 1978

No. A-19018(6)/73-Admn.(G).—Consequent upon his appointment as Senior Supervisor at the Central Tool Room and Training Centre, Calcutta, Shri R. Viswanatha Rao relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr. II) (Mechanical) in the Small Industries Service Institute, Madras on the afternoon of 2nd August, 1978.

No. A-19018(342)/78-Admn.(G).—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Jogesh Chandra Pandey as Assistant Director (Gr. I) (Glass/Ceramics) in the Small Industry Development Organisation with effect from the forencon of 2nd September, 1978, until further orders.

2. Consequent upon his appointment, Shri Pandey assumed charge as Assistant Director (Gr. I) (Glass/Ceramics) in the Branch Institute, Rajkot with effect from the forenoon of 2nd September, 1978.

No. A-19018/348/78-Admn.(G).—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Pankaj Bhushan Kayal as Deputy Director (Glass/Ceramics) in the Small Industry Development Organisation with effect from the forenoon of 6th October, 1978, until further orders.

2. Consequent upon his appointment Shri Pankaj Bhushan Kayal assumed charge as Deputy Director (Glass/Ceramics) in the Office of the Development Commissioner (SSI), New Delhi with effect from the forenoon of 6th October, 1978.

M. P. GUPTA,
Deputy Director (Admn.)

#### OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

#### Bombay, the 6th November 1978

No. CER/6/78-:—In exercise of the powers conferred on me by Clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 and with the previous sanction of the Central Government, I here by make the following further amendment in the Textile Commissioner's Notification No. T. C. (4)/58, dated the 7th March, 1958, namely:—

In the Table appended to the said Notification against S. No. 10 for the existing entries in columns 2 and 3 the following entries shall be substituted namely:—

1	2	3	
j	The Commissioner for Industrial Development & Director of Industries & Commerce, Bangalore.	State of Karnataka	]
ú.	The Director of Food & Civil Supplies Bangalore.	-do-	}
iii.	The Additional Director of Industries Commerce, Bangalore.	-do-	
iv.	The Joint Director of Industries & Commerce & Ex-Officio joint Registrar of Industrial Co-operatives, Banglore.	-do-	
V.	The Joint Director of Food & Civil Supplies (Information Rationing), Bangalore.	(Bengalore Informal Rationing Ar <del>c</del> a)	
vi.	The Deputy Commissioners of Districts.	Respective Revenue Districts	
vil.	The General Manager (Joint Directors of Industries & Commerce) of Districts Industries Centres.	The District concerned	Karni taka
v <b>i</b> ll.	The Assistant Director of Food & Civil Supplies (CS), Bangalore.	The State of Karna- taka	
ix.	The Food & Civil Supplies Assistant to Deputy Commissioners of Districts.	Respective Revenue Districts.	}
x.	The Deputy Directors/Assistant Directors of all Districts & Sub-Divisions in District Industries Centres.	In their respective Jurisdiction.	
хi.	The Assistant Commissioners of Revenue Sub-Divisions.	Respective Revenue Sub Divisions.	

1	2		3
xiii. xiv. xv. xvi.	The District Weaving Supervisors of Districts.  The Assistant Director (Powerlooms) Industries & Commerce, Bangalore.  The Technical Assistant (Powerlooms) of Industries & Commerce Depart of all the Divisions.  The Tahsildars of Revenue Taluka.  The Block Development Officer of taluka  The Inspectors of Civil Supplies.	Respective Districts Jurisdiction assigned. tment of Respective Divisions.  Respective Taluka -do- In their respective Jurisdiction.	KARNATAKA
	The Food Inspectors. The Revenue Inspectors.	-do-	

G. S. BHARGAVA,
Joint Textile Commissioner

# DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 2nd November 1978

No. A-1/1(448).—Shri D. R. Bagchi, officiating Deputy Director in the office of the Director of Supplies & Disposals, Calcutta retired from Government service with effect from the afternoon of 31st October, 1978 on attaining the age of superannuation (58 years).

#### The 4th November 1978

No. A-1/1(82).—Shri P. P. Kapoor, permanent Director and officiating D. D. G. in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 31st October, 1978 on attaining the age of superannuation (58 years).

SURYA PRAKASH,
Deputy Director (Administration),
for Director General of Supplies & Disposals.

# MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 4th November 1978

No. A19012(105)/78-Estt.A.—Shri S. K. Patnaik, Senior Technical Assistant (Geology) is promoted to the post of Assistant Mining Geologist in Group 'B' post in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 20th October, 78, until further orders.

S. BALAGOPAL, Head of Office

#### ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 3rd November 1978

No. F.92-139/78-Estt./18575.—Shri Parimalendu Haldar, Senior Zoological Assistant, Zoological Survey of India, Headquarters, Calcutta, is hereby appointed to the post of Assistant Zoologist (Group 'B') in the scale of Rs. 650-1200 in the same Department at the Headquarters Office in Calcutta, in the temporary capacity with effect from 2nd November, 1978 (Forenoon), until further orders.

DR. T. N. ANANTHAKRISHNAN, Director,

Zoological Survey of India.

### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES (DRUGS SECTION)

New Delhi, the 1st November 1978

No. A.12025/1/78-D.—The president is pleased to appoint Dr. P. Das Gupta to the post of Deputy Drugs Controller (India) in the office of the Deputy Drugs Controller (India), Central Drugs Standard Control Orgn., North Zone, Ghaziabad on a purely temporary basis, with effect from the forenoon of the 26th August, 1978 and until further orders.

S. L. KUTHIALA,
Deputy Director Administration,
for Director General of Health Services.

New Delhi, the 30th October 1978

No. A.31013/2/78-SI.—The President is pleased to appoint Shri D. S. Desikan of the Medical Stores Organisation, in the post of Deputy Assistant Director General (Medical Stores) in the scale of Rs. 1100-50-1600, in a substantive capacity with effect from 1.11.1976.

K. C. MISRA, Deputy Director Administration (Stores).

#### New Delhi, the 2nd November 1978

No. 13-10/75-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Smt.) Manjeet Kaur to the post of Dental Surgeon under the Central Government Health Schenie, New Delhi, with effect from the forenoon of the 28th June, 1978 on an ad-hoc basis and until further orders.

No. A. 12025/12/77-Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. Inderjit Singh to the post of Dentist, Maxillo facial (Prosthodentist) at Safdarjang Hospital, New Delhi with effect from the forenoon of 1st August, 1978 in a temporary capacity and until further orders.

No. A.12026/20/78-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. Mohini Gehani, Physiotherapist, Safdarjang Hospital, New Delhi to the post of Senior Physiotherapist at the same Hospital, with effect from the forenoon of the 23rd September, 1978, on ad-hoc basis and until further orders.

#### The 4th November 1978

No. A.19018/1/78-Admn.I.—Consequent on the acceptance of her resignation from Government Service, Kumarl K. K. Mehta relinquished charge of the post of Tutor at the R.A.K. College of Nursing, New Delhi on the afternoon of 1st September, 1978.

S. L. KUTHIALA, Deputy Director Administration (O&M).

### MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

#### DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 26th October 1978

No. F.3-3/76-Estt.(1).—Shri O. P. Bhasin, Superintendent (Gr. II) is promoted to officiate as Superintendent (Grade 1) Group B (Gazetted) (Ministerial) in the pay scale of Rs. 700-30-760-35-900, in the Directorate of Extension (Department of Agriculture), purely on ad-hoc basis, w.e.f. 16.10.78 till further orders.

No. 3-3/76-Estt.(1).—Shri K. R. Vij, Superintendent (Gr. II) is promoted to officiate as Superintendent (Grade 1) Group B (Gazetted) (Ministerial) in the pay scale of Rs. 700-30-760-35-900, in the Directorate of Extension, (Department of Agriculture), purely on ad-hoc basis with effect from 28.9.78 till further orders.

DARSHAN SINGII, Director of Administration.

### (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 30th October 1978

No. A.19025/103/78-A.III.—The short-term appointment of Shri V. K. Mittal to the post of Assistant Marketing Officer (Group III), notified vide this Dte.'s Notification of even No. dated 19.4.78, has been extended upto 31st December, 1978, or till the post is filled up on a regular basis, whichever is earlier.

No. A.19025/104/78-A.III.—Shri S. Suryanarayana Murthy, Senior Inspector has been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer, (Group 1), in the Directorate of Marketing and Inspection at Ongole w.e.f. 29.9.1978 (F.N.) upto 31.10.1978, or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

No. A. 19025/106/78-A.III.—Shri K. G. Wagh, Senior Inspector has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I), in the Directorate of Marketing and Inspection at Bombay with effect from 29.9.1978 (F.N.) upto 31.10.1978, or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

#### The 1st November 1978

No. A.19023/42/78-A.III.—Consequent on his promotion to the post of Deputy Senior Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Bangalore, Shri K. Koteswara Rao handed over charge of the post of Marketing Officer at Gunture in the afternoon of 17-10-78.

#### The 4th November 1978

No. A.19023/16/78-A.III.—Consequent on his promotion as Deputy Senior Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Nagpur, Shri R. Kannan handed over charge of the post of Marketing Officer at Faridabad in the afternoon of 28-10-1978.

B. L. MANIHAR,
Director of Administration,
for Agricultural Marketing Adviscr

## DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 30th October 1978

#### ORDER

No. Ref. NFC/PA.V/20/1771.—WHEREAS Shri Mohd. Ghousuddin, Tradesman 'C', UOP, NFC failed to report for

duty on 31.1.1978, on the expiry of leave sanctioned for 90 days from 2.11.1977 to 30.1.1978 for Haj and pilgrimage.

AND WHEREAS the said Shri Mohd, Ghousuddin sent approaches dated

28.1.1978 for extension of leave upto 29.4.1978

24.4.19/8 for extension of leave till further notice and 29.4.1978 for extension of leave upto 28.7.1978,

AND WHEREAS the said Shri Mohd. Ghousuddin did not turnsh his leave address in any of the 3 letters mentioned above.

AND WHEREAS a memo was issued to the said Shri Mond. Ghousuddin by the undersigned on June 5, 1978 intinating the said Shri Mohd. Ghousuddin that it was proposed to hold an inquiry against him for the misconduct or unauthorised absence, if the article of charge was not admitted,

AND WHEREAS the said memo dated 5.6.1978 sent by Registered post acknowledgement due to the last known address to the said Shri Mond. Ghousuddin viz. House No. 20-2-814, inside Doodh Bowli, Hyderabad was returned Undelivered with the remarks "Party out of India",

And WHEREAS the copy of order dated 6.7.1978 appointing the Inquiry Officer to inquire into the charge, sent to me said Shri Mohd. Ghousuddin by Registered Post A/D was received undelivered with the remarks "Left India Hence returned to sender".

AND WHEREAS the said Shri Mohd. Ghousuddin has continued to remain absent and failed to inform the NFC of his whereabouts,

AND WHEREAS the said Shri Mohd. Ghousuddin is guitty of remaining unauthorisedly absent from duty and voluntarily abandoning service,

AND WHEREAS because of his abandoning service without keeping the NFC informed of his whereabouts, it is not practicable to hold an inquiry as contemplated in the NFC Standing Orders and/or under Rule 14 of the CCS(CCA) Rules 1905.

NOW THEREFORE the undersigned in exercise of the powers conferred under para 42 of the NFC Standing Orders tend with DAE Order No. 22(1)/68-Adm dated 3.12.1970 and/or under rule 19(ii) of the CCS(CCA) Rules 1965, hereby dismisses the said Shri Mohd, Ghousuddin from services with immediate effect.

#### ORDER

WHEREAS, it was alleged that

Shri K. Satyanarayana, while employed as Tradesmani-C, FPP, has been remaining absent from duty without permission with effect from 9.3.1978 and has thus committed an act of misconduct in terms of para 39(5) of the NFC Standing Orders,

No. Ref: NFC/PA-V/20/1773.—AND WHEREAS, the Memorandum No. NFC/PA-V/20/1568 dated October 5, 1978 intimating the said Shri Satyanarayana that an inquiry against him under para 41 of the NFC Standing Orders was proposed to be held addressed to the said Shri Satyanarayana at the last available address and the permanent address by registered post acknowledgement due has been returned by the postal authorities with remarks to the effect that the addressee is not available at those addresses,

AND WHEREAS, the said Shri Satyanarayana has failed to keep the Nuclear Fuel Complex informed of his whereabouts,

AND WHEREAS, the said Shri Satyanarayana has been guilty of remaining absent from duty without permission and voluntarily abandoning service,

AND WHEREAS, because of his abandoning the service without keeping the NFC informed of his present whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided in para 41 of the NFC Standing Orders and/or Rule 14 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965.

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers contered under para 42 of the NFC Standing Orders read with DAE Order No. 22(1)/68-Adm. dated 3-12-1970 and/or Rule 19(ii) of the CCS(CCA) Rules, 1956, hereby dismisses the said Shri S. Satyanarayana with immediate effect.

Ref. No. NFC/PA.V/20/1783.—WHEREAS Shri M. Srinivasulu, Tradesman 'A', FFP, NFC has been absenting from duty without permission with effect from 31-8-1978.

AND WHEREAS the said Shri Srinivasulu vide his letter dated 3rd September, 1978 stated that he was sick and therefore not attending duty,

AND WHEREAS the said Shri Srinivasulu did not state the period for which he has been advised rest for treatment and recuperation or submit his address or send medical certificate.

AND WHEREAS the memo No. NFC/PA.IV/FF/S-352/2217 dated 28th September, 1978 directing the said Shri srinivasulu to report to the Medical Officer, NFC for medical check-up, sent by Registered post A/D to the last available address of the said Shri Srinivasulu, has been returned undelivered by the Postal authorities with the remarks "Addressee vacated the house, change of address not known",

AND WHEREAS the said Shri Srinivasulu has failed to keep the Nuclear Fuel Complex informed of his whereabouts,

AND WHEREAS the said Shri Srinivasulu has continued to remain absent.

AND WHEREAS the said Shri Srinivasulu is guilty of remaining unauthorisedity absent from duty and voluntarily abandoning service.

AND WHEREAS because of his abandoning service without keeping the NFC informed of his whereabouts, it is not practicable to hold an inquiry as contemplated in the NFC standing Orders and/or under Rule 14 of the CCS(CCA) Rules 1965,

NOW THEREFORE the undersigned in exercise of the powers conferred under para 42 of the NFC Standing Orders read with DAE Order No. 22(1)/68-Adm. dated 3-12-1970 and/or under rule 19(ii) of the CCS(CCA) Rules 1965, hereby dismisses the said Shri Srinivasulu from services with immediate effect.

H. C. KATIYAR, Dy. Chief Eexecutive

#### MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam 603 102, the 24th October 1978

No. MAPP/18(91)/78-Rectt.—Director, Power Projects Engineering Division appoints S/Shri J. Nagaiah, temporary Scientific Assistant 'C', A. C. Ganapathy, quasi-permanent Supervisor and K. M. Santhanagopalan, temporary Draughtsman 'C' as Scientific Officers/Engineers Grade 'SB' in this Project in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1978 until further orders.

K. BALAKRISHNAN Administrative Officer

#### ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500015, the 3rd November 1978

No. AMD-1/13/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division hereby appoints Shri Mohd. Sajjad Ali Sajid, as a Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in an officiating capacity in the Atomic Minerals Division, with effect from the 21st September, 1978 Forenoon until further orders.

S. Y. GOKHALE Sr. Administrative & Accounts Officer

### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 24th October 1978

No. A. 32013/2/77-EW.—In partial modification of this office Notification No. A. 32013/2/77-EW dated 12th Septem-

1978, the President is pleased to extend the ad-hoc appointment of Shri H. C. Rai Choudhury, in the grade of Deputy Director (Fire) for a further period of six months with effect from 30-6-78, or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier and to post him at Headquarters.

S. D. SHARMA
Deputy Director of Admin,
for Director General of Civil Aviation

#### New Delhi, the 19th October 1978

No. A. 32013/11/77-EC.—The President is pleased to appoint Shri Rakesh Kumar Technical Officer, Radio Construction & Development Unit, New Delhi to the grade of Senior l'echnical Officer, on regular basis with effect from the 10-7-78 (FN) and to post him in the same office until further orders.

#### The 20th October 1978

No. A. 38012/1/77-EC.—Shri N. R. Swamy, Senior Technical Officer, in the Office of the Controller of Aeronautical Inspection, Hyderabad Airport Hyderabad relinquished charge of his office on the 31-7-78 (AN) on retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation.

No. A. 39012/2/78-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to accept the resignation from service of Shri V. K. Gupta a permanent Asstt. I cchnical Officer in the Office of the Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, Safdarjung Airport, New Delhi with effect from the 26th August, 1978 (FN).

#### The 3rd November 1978

No. A. 32013/14/77-EC.—The President is pleased to appoint Shri J. K. Bhattacharya, Assistant Director of Communication, DGCA(HQ) working on ad-hoc basis to the grade of Deputy Director/Controller of Communication on regular basis with effect from 8-9-78(FN) and to post him in the office of the Director, Radio Contt & Dev. Units, New Delhi.

S. D. SHARMA Deputy Director of Administration.

#### New Delhi, the 30th October 1978

No. A. 39013/2/77-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to accept the resignation from Govt. service of Shri Param Hans Sharma, Asstt. Aerodrome Officer, Delhi Airport, Palam with effect from 18th May, 1977.

V, V, JOHRI Asstt. Director of Administration

### COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS Kanpur, the 1st November 1978

No. 43/78.—Shri B. L. Soti, officiating Superintendent, Group 'B' Central Excise, Aligarh handed over the charge of Superintendent Group 'B' Central Excise, Aligarh in the afternoon of 7-10-77 to Shri R. S. SAXENA, Superintendent, Central Excise, Aligarh & proceeded on 52 days Earned leave as preparatory to retirement from 10-10-77 to 30-11-77

After expiry of the leave he retired from Govt. service in the after noon of 30-11-77 on attaining the age of superannuation.

#### The 3rd November 1978

No. 49/1978.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent Central Excise, Group 'B' vide Collector, Central Excise Kanpur's Estt. Order No. I/A/149/78 dated 1-6-78 issued under endt, C. No. II-22-Et/78/27386 dated 1-6-78 in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 Shri Senchu Ram assumed the charge of Supdt. Central Excise MOR.II Ferozabad in the afternoon 27-7-78.

K. L. REKHI Collector.

#### Patna, the 25th October 1978

No. II(7)2-E/78/10584.—Shri Yogendra Prasad, Office Superintendent who was promoted on ad-hoc basis vide Establishment Order No. 204/78 dated 15-7-78 be appointed on regular basis to officiate as Administrative Officer, Central Excise Group "B" with effect from 15-7-78 (A.N.) and he will continue as Assistant Chief Accounts Officer (Revenue Audit) Central Excise Patna as notified vide Notification dated 10-8-78.

#### The 1st November 1978

No. II(7)1-ET/77/10575.—In pursuance of Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) New

Delhi's Order No. 105/78 dated 12-7-78 and 107/78 dated 15-7-78 issued, under F. No. A-12012/1/78-Ad-II dated 12-7-78 and 15-7-78 respectively, the following probationers appointed to the Indian Customs & Central Excise Service Group 'A' on the basis of the results of the I.A.S. etc. examination have assumed charge as Superintendent Group "A" Central Excise Collectorate, Patna as indicated below:—

Sl. No.	Name of officer	Date of Joining
1.	Sri T. H. K. Gauri	24-7-78 (F.N.)
2.	Sri Asthbhuja Pd. Verma	24-7-78 (F.N.)
3.	Sri Ahmed Hussain	24-7-78 (F.N.)

D. K. SARKAR Collector,

Central Excise, Patna

#### Bombay, the 4th November 1978 .

No. St/2/1978-79.—In exercise of the powers conferred on me by sub-rule (1) of Rule 232-A of the Central Excise (Seventh Amendment) Rules 1976 which came into force from 21-2-1976 it is declared that the names and addresses and other particulars specified in sub-rule (2) of the Persons who have been convicted by a court under Section 9 of the Central Excise and Salt Act, 1944 and persons on whom penalty of Rs. 10,000 /- or more has been imposed by an Officer referred to in Section 33 of the Act are as follows:—

#### **QUARTER ENDING SEPTEMBER, 1978**

S. Name of the Person		Address T	The provisions of the Act con- The amount of penalty imposed travened	
1	2	3	4	5
of I	i B. H. Keny, Proprietor M/s. Master Industrial Coration, C-25, Royal Industrial ate, Bombay-400031.	Naigaum Cross Road, Wadala,	Section 91(b), 91(bb), 91 (bbb) of C. Ex. Salt Act, 1944.	Fine Rs. 100/- or in default R. I. for 2 Weeks
		II—DEPARTMENTAI	L ADJUDICATIONS	

NIL.

Sd./- ELLIGIBLE

Collector of Central Excise, Bombay.

### DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

#### New Delhi, the 30th October 1978

No. 17/78.—On his retirement on superannuation, Shri S. Ramoji relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'B' in the Central Regional Unit of the Directorate of Inspection & Audit Customs & Central Excise at Hyderabad on 30-9-78(A.N.)

M. V. N. RAO

Director of Inspection

#### CENTRAL GROUND WATER BOARD

#### New Delhi, the 8th February 1978

No. 4-2012/75-CH(Estt).—The Services of Shri Md. Laiquddin Hussain, Draftsman Gr. II, Central Ground Water Board, Southern Region, Hyderabad (Resident of House No. 21-7-4676, Shanker Kotha, Hyderabad) (Who is absconding from duty) are hereby terminated w.e.f. 15-10-1976(A.N.) on the expiry of 5 days Earned leave sanctioned to him by the Director, Central Ground Water Board, Southern Region, Hyderabad and his name has been struck off from the strength of Central Ground Water Board, w.e.f. 16-10-76 (F.N.).

B. K. BAWEJA Chief Hydrogeologist & Member

# MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

#### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act 1956 and of M/s. Tara Trading Company Private Limited

#### Cuttack, the 28 October 1978

No. S.O/92—2822(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Tara Trading Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

#### Cuttack, the 28 October 1978

In the matter of the Companies Act 1956 and of M/s. Orissa Heavy Chemicals Private Limited

No. S.O./494-2823(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Orissa Heavy Chemicals Private Limited has this day been struck off the Register and the sald company is dissolved.

# In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Sun Shine Hotel Private Limited Cuttack, the 2nd November 1978

No. S.O./557-2849(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act. 1956, that the name of M/s. Kalinga Savings Unit Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Pavitra Chit Schemes & Trading Private Limited.

#### Cuttack, the 2nd November 1978

No. S.O./553-2850(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956,

that the name of M/s. Pavitra Chit Schemes & Trading Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Sintalloys Private Limited

Cuttack, the 2nd November 1978

No. S.O./549-2851(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Sintalloys Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Akhandalmani Milk Producers and Confectioners Private Limited.

Cuttack, the 2nd November 1978

No. S.O./522-2852(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Akhandalmani Milk Producers and Confectioners Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Kalinga Sea Foods Private Limited

Cuttack, the 2nd November 1978

No. S.O./561-2857(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Kalinga Sea Foods Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Sun Shine Hotel Private Limited

Cuttack, the 2nd November 1978

No. S.O./589-2858(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Sun Shine Hotel Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s, The Orissa Films Private Limited

Cuttack, the 2nd November 1978

No. S.O./674-2859(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. The Orissa Films Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Star of Orissa Credit & Investment Company Private Limited

#### Cuttack, the 2nd November 1978

No. S.O./587-2860(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Star of Orissa Credit & Investment Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. New Orissa Chemical Works Private Limited

#### Cuttack, the 2nd November 1978

No. S.O./558-2861(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. New Orissa Chemical Works Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

D. K. PAUL Registrar of Companies Orissa

In the matter of the Companies Act, 1956 and of The Eastern Automobile & Engineering Company Private Limited

Madras-600002, the 1st November 1978

No. DN/674/PCI/560(3)/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of The Eastern Automobile & Engineering Company Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

K. PANCHAPAKESAN Asstt. Registrar of Companies Tamil Nadu, Madras

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Bearings and Components Private Limited

Bangalore, the 3rd November 1978

No. 1970/560/78.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s, Bearings and Components Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. N. GUHA Registrar of Companies Karnataka, Bangalore

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 60/61 ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004 Poona-411004, the 12th October 1978

Ref. No. IAC/CA3/S.R. Thane/June '78/371.—Whereas, I. Smt. P. LALWANI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 45/2 (pt), 3 (pt), 4 (pt), 43/1, 4A, 4B and 44/1 (pt) and situated at Naupada, Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Thane on June 1978

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

#### S/Shri

- (1) 1. Vasant Shivaji Gavand
  - 2. Jayshree Vasant Gavand
  - 3. Sanjay Vasant Gavand
  - 4. Ajay Vasant Gavand (Minor)
  - Rajshree Vasant Gavand (Minor) Gavand's Baug, Panchpakhadi, Agra Road, Thane.

18-346GI/78

- Divakar Associates by Partner Shri P. S. Divekar, Poornima Building, Near Railway Station, Thane.
- Shree Enterprises by Partner Shri D. T. Karnani Shree Enterprises, Akash Apartments, Agra Road, Thane.
- 8. Vithal Agencies by Partner Shri R. M. Patwardhan Vithal Agencies, Jeevan Shanti Society, 2nd floor, Talao Pali, Thane.
- Satya Builders by partners
   Mrs. Renu C. Mirani
   Paranipe Udyog Bhawan,
   Opp: Dena Bank, Gokhale Road, Thane.
- Shri G. D. R. Rao (Secretary) Satya Premises Co-op: Society Ltd., Gokhale Road, Naupada, Thane.
- Shri K. P. Prabhu (Chairman) Satya Premises Co-op: Society Ltd., Gokhale Road, Naupada, Thane.
- Shrì M. M. Ghatpande (Member, M.C.) Satya Premises Co-op: Society Ltd., Gokhale Road, Naupada, Thane.

(Transferor)

(2) Satya Premises Co-operative Housing Society Ltd., Gokhale Road, Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot admeasuring 3430 sq. yds. (2867.50 s. mts.) at S. No. 45/2 (pt), 3(pt), 4(pt). 43/1, 4A, 4B and 44/1(pt) situated at Gokhale Road, in Village Naupada, in These Taluka.

(Property as described in the sale deed registered under No. 108 for June 78 in the office of the Sub-Registrar, S. R. Thane).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Dato: 12-10-1978

Scal :

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA
Patna, the 23rd October 1978

Ref. No. III-279/Acq/78-79.—Whereas, I, M. N. TIWARI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Holding No. 175A (240 New), Part of Plot No. 729, Thana No. 137, Ward No. 2 (10 New) of Patna Municipal Corporation, situated at Station Road, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 27th Feb. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Shri Phanindra Pd. Sinha, S/o Dr. Maheshwar Pd. Sinha, R/o Station Road, Patna, Presently Kanke Road, Ranchi.

(Transferor)

(2) Shri Ram Kishun Prasad S/o late Ganga Bhagat, R/o North Mandiri, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Homestead land measuring 1679 sq. ft. situated at Station Road, Patna, bearing Holding No. 175A (240 New), Part of plot No. 729, Thana No. 137, Ward No. 2 (10 New) morefully described in Deed No. 1301 dated 27-2-78 registered with The District Sub Registrar, Patna.

M. N. TIWARI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 23-10-1978

Soal:

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD ROHTAK

Rohtak, the 23rd October 1978

Ref. No. KNL/61/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 376, Model Town, situated at Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in February, 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ramesh Chand Suri S/o Shri Laxmi Chand Suri, R/o A-7, Naval Officers Flats, Colaba, Bombay.

(Transferor)

(2) S/Shri Rajinder Singh and Sukhvinder Singh Ss/o Shri Joginder Singh, R/o H. No. 376, Model Town, Karnal.

(Transferce)

(3) Pt. Ram Saran, H. No. 376, Model Town, Karnal. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 376, Model Town, Karnal.

(Property as mentioned in sale deed registered at Serial No. 6878 during February, 1978 with the Sub-Registrar, Karnal),

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 23-10-1978

#### FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD ROHTAK

Rohtak, the 4th November 1978

Ref. No. PNP/34/77-78.—Whereas, 1, RAVINDER KUMAR PATHANIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 3 bigha 12 biswas Taraf Rajputan, situated at Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely:—

 Smt. Bimla Chaudhary Wd/o Shri Lachhman Dass Bajaj, R/o 188, Model Town, Panipat.

(Transferor)

(2) Shri Laxmi Chand S/o Shri Neki Ram, C/o M/s. General Metal Industries, Railway Road, Panipat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

 Land measuring
 3 bigha
 12 biswas bearing khasra

 F No.
 3454
 3456
 3457
 3460
 3463

 0-6
 1-1
 1-1
 0-15
 0-9

situated at Taraf Rajputan, Panipat.

(Property as mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3912 in the mouth of February, 1978 with the Sub-Registrar, Panipat).

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 4-11-1978.

#### FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE.

Bangalore-560001, the 23rd September 1978

C. R. No. 62/16191/78-79/ACQ/B.—Whereas I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Vacant site bearing No. 193/2

situated at 24th 'B' Cross Road, III Block, Jayanagar, Bangalore-11

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at

Jayanagar, Bangalore, Doc. No. 2883/77-78 on 22-2-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(13)Shri C. Nagaraja, S/o late M. Muddanna 239/9, Bull Temple Road Cross, Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Shri M. R. Satyanarayana Setty, S/o V. Rangaiah Setty No. 2-C., Puttanna Road, Busavanagudi, Bangalore-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Registered Document No. 2883/77-78

Dated 22-2-78]

Boundarles:

N: Property No. 176 S: 24th B Cross Road E: Property No. 194 W: Property No. 192

J. S. RAO

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 23-9-1978

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,

Bangalore-560001, the 9th October 1978

No. 62/16225/78-79/ACQ/B.—Whereas J, D. C. RAJAGOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 443 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing Old Municipal No. 1632 and New Municipal No. 2365, situated at 4th Cross Road, K. R. Extension, Tumkur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tumkur, Document No. 3789/77-78 on 9-2-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) (i) Sri L. Venkateshwaralu, S/o L. V. Lakshmalah (ii) Sri L. V. Lakshmaiah (iii) Sri L. Parthasarathy (Minor)

represented by Father and natural Gaurdian Sri L. V. Lakshmaiah)

All residing at K. R. Extension, Tumkur. (Transferor)

(2) (i) K. A. Venkatachala Setty, S/o
Late K. Adappa Setty
(ii) K. V. Janardhana
(iii) K. V. Srinivasa Murthy
(iv) K. V. Gourishankar
(v) K. V. Ravindranath

Chical of Children K. V. Venkatachala

Setty,

All are residing at Chickpet, Tumkur.

or No. 2365, 4th Cross Road, K. R. Exten-sion, Tumkur.

Transferce(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3789/77-78

Property bearing old Municipal No. 1632 and New Municipal No. 2365, 4th Cross Road, K. R. Extension, Turnkur.

Boundries :

East: Property belonging to Sri L. V. Lakshmaiah West: Property belonging to Sri M. S. Krishnamurthy North: IVth Cross Road, and

North:

South: Conservancy.

D. C. RAJAGOPALAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-10-1978

Scal:

#### FORM ITNS

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I.

New Delhi, the 7th November 1978

Ref No. IAC/Acq. I/Sr. III/Feb.56/78-79.—Whereas J. S. GILL.

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S-102, situated at Greater Kailash-I, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on Feb., 1978

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid-property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- M/s. Prasad & Co. 9/5, East Patel Nagar, New Delhi through its partner:
   Sh. D. R. Gupta, D-49, Greater Kailash-I,
  - New Delhi,
  - (2) Smt. Kamlesh Kumari,
  - 9/5, East Patel Nagar,
    (3) Sh. Subodh Prasad, 9/5,
    East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferors)

(2) Rev. Fr. Theobald C.M.I. s/o Kurvilla Varkey, Prior General of Congregation of Carmeditis Mary Immoculate, Ernakulam, Cochin, Kerela State, acting through Rev, Fr. Josep Liquori C.M.I. General Councillor & Missio Secretary of the aforesaid congregation. Joseph Mission

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A house built on a plot of land measuring 300 sq. yds bearing No. S-102 situated at Greater Kailash-I, New Delhi and bounded as under :—

East: Property No. S-104 West: Property No. S-100

North: Service Lane South: Road.

J. S. GILL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 7-11-1978

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th November 1978

Ref. No. A.P. No. 1837.—Whereas I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per Schedule situated at Lajpat Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March, 1978 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri K. L. Sahni S/o Sh. Moti Ram Sahni 4 Lajpat Nagar, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Nathu Ram Sahni 217 Lajpat Nagar, Jullundur.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person laterested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Kothi No. 217 Lajpat Nagar, Jullundur as mentioned in the Registration sale deed No. 7367 of March, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur

Date: 4-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE,

Jullundur, the 4th November 1978

Ref. No. A.P. No. 1938.—Whereas I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269-D of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Basti Sheikh Road, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur on March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-19-346GI/78

 Shri Shingara Singh S/o Sh. Gujar Singh R/o Bhagwanpura Distt. Amritsar.
 Gurmakh Singh S/o Sh. Bhag Singh & A/G of Sh. Puran Singh, Balkar Singh, Balwant Singh SS/o Bhag Singh, R/o Pandory Ram Dass, Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) M/s Universal Sports Industries Islamabad 246-A Partner Sh. Ajodhia Nath Chadda, 246-A Islamabad, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2. [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot opposite to Pritam Palace Basti Sheikhan Road, Jullundur as mentioned in the Registration Sale deed No. 7374 of March, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

> B. S. DEHIYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Jullundur

Date: 4-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

Jullundur, the 4th November 1978

Ref. No. A.P. No. 1839.—Whereas I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at

Moh. Makhdompura Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur on March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Shakuntala W/o Sh. Ajit Ram R/o ES/166 Makhdumpura, Iullundur

(Transferor)

(2) Smt. Soman Dui Alias Soma Devi W/o Banwari Lal R/o ES/166 Moh. Makhdumpura,

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. ES-166 Moh. Makhdumpura, Jullundur as mentioned in the Registration sale deed No. 7614 of March, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 4-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

Juliundur, the 4th November 1978

Ref. No. A.P. No. 1840.—Whereas I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at

Mota Singh Nagar, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ajit Singh S/o Thakar Singh LIC Branch No. 2 Pacca Bagh, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shrimati Gurpreet Kaur W/o Mohan Singh V. & P.O. Paldi, Teh. Hoshiarpur through S. Piara Singh Minhas, Advocate, Jullundur.

(Transferec)

- (3) As per Sr. No. 2. [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Kothi No. 460 Mota Singh Nagar, Jullundur as mentioned in the Registration sale deed No. 7680 of March, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 4-11-1978

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

#### OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th November 1978

Ref. No. A.P. No. 1841.—Whereas I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Basti Sheikh Road, Jullundur

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the effice of the Registering Officer at

Jullundur on March, 1978

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:

 Sh. Ved Parkash, Om Parkash SS/o Blaki Ram,
 R/o Basti Sheikh Road,
 Jullundur.

(Transferor)

1. Shrimati Shelo Devi W/o Balwant Rai
 2. Smt. Krishna Rani W/o Gopal Krishan,
 R/o 394 Sitla Mandir, Amritsar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2. [Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House at Basti Sheikh Road, Jullundur as mentioned in the Registration Sale deed No. 7787 of March, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 4-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th November 1978

Ref. No. A.P. No. 1842.—Whereas I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at 241 Fatchpura, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on March, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Ilability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Krishan Lal S/o Beli Ram, C/o Manager United Commercial Bank, Raghunath Bazar, Jammu.

(Transferor)

Shri Harbans Lal S/o Arjan Dass,
 Smt.Lakshmi Rani W/o Harbans Lal,
 H. No. B-VII 241, Fatehpura,
 Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2. [Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property,

[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. B-VII-241 Fatehpura, Jullundur as mentioned in the Registration sale deed No. 7899, of March, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 4-11-1978

#### FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th November 1978

Ref. No. A.P. No. 1843.—Whereas I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No. As per Schedule

situated at Link Road, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jullundur on March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Asa Singh S/o Gurbachan Singh 39, Model Town, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Harbans Singh Bedi 235-Model Town, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 1162 Link Road, Jullundur as mentioned in the Registration sale deed No. 8019 of March, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 4-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE, **JULLUNDUR**

Jullundur, the 4th November 1978

Ref. No. A.P. No. 1844.—Whereas I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

As per Schedule

situated at Chahar Bagh/Shivaji Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Shrimati Amarawati Duggal W/o Suresh Kumar Duggal S/o Sant Ram Duggal 128/3 Central Town, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Narajan Chand S/o Sh. Punnu Ram Vill. Pandori Khas, Teh. Nakodar, Jullundur.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property EJ-192 Chahar Bagh/Shivaji Nagar, Juliundur as mentioned in the Registration sale deed No. 7845 of March, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

> B. S. DEHIYA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

Date: 4-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th November 1978

Ref. No. A.P. No. 1845.—Whereas I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at Rly. Road, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur on March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shri Des Raj S/o Sh. Ramu Mal R/o WM-169 Basti Guzan, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Ram Parkash S/o Sh. Munshi Ram, Magowal, Distt. Hoshiarpur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. EE-1 69-A Rly Road, Jullundur as mentioned in the Registration sale deed No. 8234 of March, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 4-11-1978

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th November 1978

Ref. No. A. P. No. 1846.—Whereas f, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Link Road, Jullundur

(and more fully described in the Scheduled annexed heerto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
20—346GI/78

(1) Shri Asa Singh, 39 Model Town, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Jagjit Singh,

39 Model Town, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property,

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot measuring 20 Marlas Khasra No. 26376/21080-21081/2, Link Road, Jullundur as mentioned in the Registration sale deed No. 8085 of March, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 4-11-1978

# FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th November 1978

Ref. No. A.P. No. 1847.—Whereas I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at Land at Vill. Chohak, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Shri Jaswant Singh S/o Amar Singh, R/o 597 Model Town, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Baldev Singh and Gurdeep Singh SS/o Jamit Singh S/o Naranjan Singh R/o Vill, Chohak, Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2. [Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land 16 Kanal 14 Marla at Vill. Chohak Teh. Jullundur as mentioned in the Registration sale deed No. 7773 of March, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

> B. S. DEHIYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur

Date: 4-11-1978

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th November 1978

Ref. No. A.P. No. 1848.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Land at Vill. Jalla Singh, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Shri Hazara Singh S/o
 Shri Inder Singh
 Vill. Amb Garh. Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Chanchal Mahay W/o Shri Kapil Datt Mahay Chowk Adda, Hoshiarpur, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2. [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land 34 Kanal 11 Marlas at Vill. Jalla Singh as mentioned in the Registration sale deed No. 8039 of March, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 4-11-1978

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullandur, the 4th November 1978

Ref. No. A.P. No. 1849.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Land at Vill. Jalla Singh, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (2) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jagir Singh S/o Shri Arjan Singh Vill. Jalla Singh Teh. Jullundur.

(Transferor

(2) Shri Kapal Datt S/o Pt. Daulat Ram Adda Hosiarpur, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2.

  [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersgined—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land 18 Kanal 19 Marlas at Vill. Jalla Singh as mentioned in the Registration Sale No. 7945 of March, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 4-11-1978

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th November 1978

Ref. No. A.P. No. 1850.-Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Vill. Garha Teh. Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at

Jullundur on March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) 1. Shri Gurjai Pal Singh

Shri Guijai Fai Singh
 Shri Sarbjit Singh, 3. Shri Inderbir Singh, Sa/o Shri Gurjai Pal Singh
 Shri Balwinder Kaur & Manjit Kaur D/o Shri Gurjai Pal Singh
 Garha Teh, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Daljit Singh, Shri Baldev Singh Ss/o Shri Dilbagh Singh R/o Vill. Gandwan Teh. Phagwara.

(Transferec)

(3) As per Sr. No. 2. [Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at Vill. Garha Teh. Jullundur as mentioned in the Registration sale deed No. 7400 of March, 1978 of the Registering Authority Jullundur.

> B. S. DEHIYA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex, Acquisition Range, Jullundur.

Date: 4-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th November 1978

Ref. No. A.P. No. 1852.—Whereas, I B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at Vill. Dittoo Nargal Jullundur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur on March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Inder Pal S/o Shri Muni Lal Kartarpur.
 Shri Hari Ram S/o Shri Thakur Dass R/o Kartarpur
 Sh. Baldey Singh S/o Sh. Sadhu Singh Vill. Dittoo Nangal.

(Transferor)

(2) M/s. Raj Kumar Aggarwal & Co. Kartarpur

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land 17 Kanal 3 Marla at Village Dittoo Nangal Teh. Jullundur as mentioned in the Registration sale deed No. 7840 of March, 1978 of the Registering Authority Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 4-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th November 1978

Ref. No. A.P. No. 1851.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 25,000/- and bearing

No. As per scheduled situated at Basti Sheikh Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri Ramji Dass S/o Shri Ram Chand Basti Sheikh Jullundur.

(Transferor)

- Shri Raj Kumar 2. Shri Mohinder Kumar
   Sh. Sudesh Kumar Ss/o Shri Sohan Lal
  - 4. Smt. Bhagwan Devi Wd/o Sh. Punnu Lal 5. Smt. Rita Rani W/o Sh. Raj Kumar 6. Sh. Kundan Lal S/o Sh. Jiwan Dass

50 Vijay Nagar, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2. [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land 3 Kanal 1 Marla at Basti Sheikh Jullundur as mentioned in the Registration sale deed No. 7 1978 of the Registering Authority Jullundur. 7562 of March

> B. S. DEHIYA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

Date: 4-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY.

Bombay, the 23rd August, 1978

Ref. No. AR.IV/821-Feb/78.—Wheress, I, M. C. UPADHYAYA

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

9810, H. No. 8734 situated at village Mohili

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 24-2-1978

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhopindersingh & Others.

(Transferors)

(2) Surrinder Eng. Co. Pvt. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

#### THE FIRST SCHEDULE ABOVE REFERRED TO:

ALL THOSE Pieces or parcels of lands or grounds together with the messages, tenements buildings or structures now standing thereon or to be hereafter erected thereon situate lying and being (at Kurla) in Mohili Village in Greater Bombay in the Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban and bearing the following Survey Numbers and Hissa Numbers:

Survey No.	Hissa No.	Area in Sq: Yds.	Area in Sq. Metres	
9.	8 (Part)	576 Sq : Yds.	418,611	metres
9.	8 (Part)	616 Sq: Yds.	515.956	Sq: metres
9.	7 (Part)	444 Sq: Yds.	371.242	Sq: metres
10.	3 (Part)	3454 Sq: Yds.	2896.354	Sq: metres
10.	4 (Part)	23 Sq: Yds.	19.231	Sq: metres
10,	2 (Part)	362 Sq: Yds.	302.679	Sq: metres

and which said pieces or parcels of lands are bounded as follows: that is to say on or towards the North partly by survey No. 10 Hissa No. 1 and Survey No. 9 Hissa No. 8 (Part) on or towards the South partly by Survey No. 10 Hissa No. 4 (part) and Hissa No. 3 (Part) and Hissa No. 2 (part) on or towards the East by Survey No. 10 Hissa No. 2 (Part) and on or towards the West partly by Survey No. 9 Hissa No 8 (part) and Hissa No. 7 (part) and bearing Municipal 'L' Ward, Nos. 3936 (6C and 6D) Street Nos. 45H and 45HA all of Mohili Village.

#### THE SECOND SCHEDULE ABOVE REFERRED TO:

Sr. No. Name of Machinery with size and capacity

1.	Lathe			2	H.P.
2.	Lathe			2	H.P.
3.	Lathe			2	H.P.
4	Power	Hammer	with	~	иυ

Motor and Starter.

5. Lathe Machine.

6. Fly Press No. 22 with Wheels, Handle etc. 5 H.P. 7. Lathe. 5 H.P.

8. Pre Ben Ding JTG Machine Fabricated.

M. C. UPADHYAYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range IV, Bombay.

Date: 23-8-1978

Scal :-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

#### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 24th August 1978

Ref. No. ASR/78-79/41.—Whereas, I N. P. SAHNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land

situated at Village Manochahal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tarn Taran in February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
21—346GI/78

Shri Pishora Singh
 S/o Shri Pritam Singh
 Village Manochahal Kalan,
 Tehsil Tarn Taran District Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Dilbagh Singh S/o Shri Gurbax Singh and Shri Nirmal Singh S/o Shri Harbans Singh Shakri Tehsil Tarn Taran District Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
  [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Cahpter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 56K-7M situated at village Manochahal Kalan Tehsil Tarn Taran as mentioned in the Registered Deed No. 5301 of February, 1978 of Registering Authority Tarn Taran District Amritsar.

N. P. SAHNI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 24-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 24th August 1978

Ref. No. ASR/78-79/42.—Whereas, I, N. P. SAHNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land situated at V. Manochahal Kalan, Teh. T. Taran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Taran Taran in February, 1978

for an apparent Consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclose by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Bachan Kaur Wd/o Shri Pritam Singh Manochahal Kalan Teh. Tarn Taran, District Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Dalbir Kaur D/o Shri Chanan Singh Chicharawal Tch. Tarn Taran Distt. Amritsar, Smt. Amriko D/o Shri Channa Singh Village Basar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objectition, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable properly within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 56K-8M situated in village Manochahal Kalan tehsil Tarn Taran as mentioned in the Registered Deed No. 5302 of February, 1978 of Registering Authority Tarn Taran District Amritsar.

N. P. SAHNI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 24-8-1978

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 24th August 1978

Ref. No. ASR/78-79/43.—Whereas, I, N. P. SAHNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land situated at V. Sarhali Kalan, Teh. T. Taran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Taran Taran in February, 1978 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere: for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Chanan Singh
 S/o Shri Nihal Singh,
 Village Manochahal Kalan
 Tehsil Tarn Taran, District Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Mukhtiar Singh S/o Shri Inder Singh, Sarhali Kalan, Tehsil T. Taran Shri Dilbagh Singh S/o Shri Gurbax Singh, Sarhali Kalan, Tehsil Tarn Taran Distt. Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
  [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 56K-2M situated at village Sarhali Kalan Tehsil Tarn Taran as mentioned in the Registered Deed No. 5654 of February, 1978 of Registering Authority Tarn Taran District Amritsar.

N. P. SAHNI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incorne-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 24-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER . OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 24th August 1978

Ref No. ASR/78-79/4..—Whereas, I, N. P. SAHNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

situated at V. Sarhali Kalan, Teh. T. Taran

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Tarn Taran in Feb., 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by aforethan lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

 Shri Darshan Singh S/o Shri Nihal Singh, Manochahal Kalan, Teh. Tarn Taran, District Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Davinder Singh S/o Shri Amrik Singh, 1/3rd Share, Shri Kuldip Singh S/o Shri Hardeep Singh, 1/3rd Share, Shri Makhan Singh S/o Shri Thakar Singh, 1/3rd Share, Village Shakri

(Transferees)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

  [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 59K-3M situated at village Sarhali Kalan, Tehsil Tarn Taran, District Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 5655 of February, 1978 of Registering Authority Tarn Taran, District Amritsar.

N. P. SAHNI,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 24-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 24th August 1978

Ref. No. ASR/78-79/45.—Whereas, I, N. P. SAHNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land situated at V. Jaintipur Tehsil Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfirred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tehsil Asr. in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Sham Lal
 S/o Shri Narain Dass,
 Village Jaintipur Teh. Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Chiman Lal S/o Shri Narain Dass, Village Jaintipur Teh. Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any, [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land, measuring 51K-15M situated at Village Jaintipur Tehsil Amritsar as mentioned in the Deed No. 5648 of March, 1978 of Registering Amritsar Tehsil & District Amritsar.

N. P. SAHNI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 24-8-1978

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th August 1978

Ref. No. ASR/78-79/46.-Whereas, I, N. P. SAHNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at village Valtoha Teh. Patti, Dist. Asr. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub. Tch. Khem Karan in February, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Iqbal Singh
 S/o Shri Mangal Singh
 R/o Village Valtoha
 Sub. Teh. Khem Karan Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Makhan Singh, Shri Vassan Singh, Shri Gurnam Singh Ss/o Shri Banta Singh R/o Valtoha Sub. Tehsil Khem Karan, Distt. Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any. [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property
  [Person whom the undersigned knows
  to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDUIE

Agricultural land measuring 53K-11M situated in village Valtoha in Sub-Teh. Khem Karan, Distt. Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 844 of February, 1978 of Registering Authority Sub-Tehsil Khem Karan, Distt. Amritsar.

N. P. SAHNI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-8-1978

#### FORM ITNS----- --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th August 1978

SAHNI. Ref. No. ASR/78-79/47.—Whereas, I, N. P. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Mari Moghi, Teh. Patti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Teh. Patti in February, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely:—

Shri Hardip Singh
 S/o Shri Darbara Singh
 R/o Narali, Tch. Patti. Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Meja Singh S/o Shri Bishan Singh

(Transferee)

Shri Surjan Singh S/o Shri Bahadur Singh R/o Vill. Drajke, Teh. Patti. Distt. Amritsar.

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any. [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property
  [Person whom the undersigned knows
  to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 52-K, 1-M situated in village Mari Mogha Teh. Patti, Distt. Amritsar as mentioned in the Registering Deed No. 845/3007 of February, 1978 of Registering Authority, Patti Distt. Amritsar.

N. P. SAHNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th August 1978

Ref. No. ASR/78-79/48.—Whereas, I, N. P. SAHNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 741 & 1948/II-25 & 1120/11-25-MC situated at Kucha Tarkhana, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Asr. City in January, 1978

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Jaswinder Singh, Davinder Singh Ss/o Shri Kartar Singh R/o Kt. Ahluwalia, Gali Lala Wali, Kucha Tarkhana, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Sudarshan Rani W/o Shri Sat Pal Maheshwari R/o Kt. Ahluwalia, Kucha Tarkhana, Distt. Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.

  [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property
  [Person whom the undersigned knows
  to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

H. No. 741 & 1948/II-25 & 1120/II-25 MCA situated in Kucha Tarkhana Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 3416 of January, 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

N. P. SAHNI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st September 1978

Ref. No. ASR/78-79/53.—Whereas, I, N. P. SAHNI, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th Share of House No. 251 situated at Abadi Durgiana, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar City, in February, 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

22-346GI/78

Shi Jagat Pal Khanna
 O Shri Bansi Dhar,
 R/o Abadi Durgiana, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Jugal Kishore S/o Shri Sardari I al, R/o House No. 251, Abadi Durgiana, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
  [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/4th Share of House No. 251, Abadi Durgianu, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3694 of February, 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

N. P. SAHNI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 21-9-1978

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st September 1978

Rcf. No. Asr /78-79/54.—Whereas, I. N. P. SAHNI. being the Competent Authority under Secion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th Share of House No. 251 situated at Abadi Durgiana, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Amritsar City in March, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jagat Pal Khanua S/o Shri Bansi Dhar, R/o Abadi Durgiana, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Panna Lal S/o Shri Sardari Lal, R/o House No. 251, Abadi Durgiann, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
  [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/4th Share of House No. 251, Abadi Durgiana, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 4142 of March, 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

N. P. SAHNI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 21-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT GOMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st September 1978

Ref. No. Asr/78-79/55.—Whereas, I, N. P. SAHNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe 'that the immoable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/4th Share of House No. 251 situated at Abadi Durgiana, Amritsar

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amitsar City in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jagat Pal Khafina S/o Shri Banşi Dhar, Abadi Durgiana, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Jawahar Lal ' S/o Shri Sardari Lal, House No. 251, Abadi Durgiana, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.

  [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/4th Share of House No. 251, Abadi Durgiana, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 4252 of March, 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

N. P. SAHNI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 21-9-1978

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st September 1978

Ref No. Asr/78-79/54.—Whereas, I, N. P. SAHNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

1/4th Share of House No. 251 situated at Abadi Durgiana, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar City in April, 1978

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Shri Jagat Pal Khanna S/o Shri Bansi Dhar. Abadi Durgiana, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Piara Lal S/o Shri Sardari Lal. House No. 251, Abadi Durgiana, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any. [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the propertyl

Objections, if any, to the acquilistion of the said property may be cade in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as: are defined in Chapter XXA of the said! Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/4th Share of House No. 251, Abadî Durgiana, Amritsar as mentioned in the Regist ared Deed No. 234 of April, 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

N. P. SAHNI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date : 21-9-1978 Scal:

#### FORM ITNS ----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 23rd September 1978

Ref. No. ASR/78-79.—Whereas, I, N. P. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 957/1-10 situated at Machhi Bazar, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar City in February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Parkash Kaur Wd/o Shri Natha Singh and Shri Gurbachan Singh S/o Shri Natha Singh R/o Machhi Bazar, I/s Hall Gate, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Hari Singh, Amrik Singh Sa/o Shri Ujagar Singh R/o Machhi Bazar, 1/s Hall Gate, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.
  [Person in occupation of the property]
- (3) Any person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 957/1-10, Machhi Bazar, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3709 of February, 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

N. P. SAHNI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 23-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 26th October 1978

Ref. No. ASR/78-79/63.—Whereas, I, G. L. GAROO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of Land Khasra Nos.

530/8, 530/9, 530/10, 530/11, 530/12, 530/13/1

situated at Sultanwind Road, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Krishan Kumar
 S/o Shri Mohal Lal,
 R/o Model Town, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Dhurinder Kuman Khanna So Shri Roshan Lal, R/o Katra Ahluwalia, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at SI. No. 2 above and tenant(s) if any.

  [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land measuring 782.25 meter Khasra Nos. 530/8, 530/9, 530/10, 530/11, 530/12, 530/13/1 at Sultanwind Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 4444 of March, 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

G. L. GAROO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 26-10-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 26th October 1978

Ref. No. ASR/78-79/64.—Whereas, I, G. L. GAROO, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot of land 1225 Sq. yds. situated at Sultanwind Road Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) on the office of the Registering Officer at Amritsar City in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent, consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

 Shrimati Roop Rani W/o Shri Manohar Lal, Gali Tewarian, I/s Lohgarh Gate, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Parveen Kumar S/o Shri Abay Kumar, Katra Ahluwalia, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sl. No. 2above and tenant(s) if any,
  [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1225 Sq. yds. at Sultanwind Road, near canal, Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 4114 of March, 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

G. L. GAROO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 26-10-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th November 1978

Ref. No. ASR/78-79/65.—Whereas, I, G. L. GAROO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at V. Mahanpur Teh. Tarn Tran Distt. Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tarn Taran in April 1978

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Bachan Singh

S/o Shri Sunder Singh S/o Shri Jawala Singh,

R/o Vill. Dhadian,

Teh. Tarn Taran, Distt. Amritsar.

(Transferors)

(2) Shri Sulakhan Singh, Shri Harpal Singh and Shri Amritpal Singh Ss/o

Shri Gurnam Singh 1/2, Shri Jaswinder Singh S/o

Shri Avtar Singh 1/2, R/o Vil. Mohanpur, Distt. Amritsar.

(Tronsferces)

(3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any. [Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri, land measuring 28K-4M situated in village Mohan-pur Teh. Tarn Taran, Distt. Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 303 of April, 1978 of Registering Autho-rity of Tarn Tarn, Distt. Amritsar.

G. L. GAROO, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 6-11-1978

#### FORM ITNS ----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th November 1978

Ref. No. ASR/78-79/66.—Whereas, I, G. L. GAROO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agri. land situated at V. Mohanpur Teh. Tarn Taran Distt. Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tarn Taran in April 1978

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 195, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—
23—346GI/78

(1) Shri Dara Singh S/o Shri Sunder Singh S/o Shri Jawala Singh, R/o Vill. Dhadian, Teh. Tarn Taran, Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Sulakhan Singh, Shri Harpal Singh and Shri Amritpal Singh S/o Shri Gurnam Singh 1/2, Shri Jaswinder Singh S/o Shri Avtar Singh 1/2, R/o Vill. Mohanpur, Teh. Tarn Taran, Amritsar.

(Transferee)

Distt.

- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.
  [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land measuring 28K-4M situated in village Mohanpur Teh. Tarn Taran, Distt. Amritsar as mentioned in the Redg. Deed No. 304 of April, 1978 of Registering Authority of Tarn Taran, Distt. Amritsar.

G. L. GAROO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 6-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th November 1978

Ref. No. ASR/78-79/67.—Whereas, I, G. L. GAROO being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. Land Khasra No. 58/206, 207 103/295, 296, 50/10, 49/4 situated at Vill Mohanpur Teh. Farn Taran, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tarn Taran in April 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has any been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Surjan Singh
 S/o Shri Teja Singh
 Vill. Morhana
 Teh. Taran
 Distt. Amritsar

(Transferors)

(2) S/Shri Gian Singh, Surinder Singh and Malkint Singh S/o Shri Pritam Singh, Vill. Morhana, Teh. Tarn Taran. Distt. Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at SI. No. 2 above and tenant(s) if any.
  [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have he same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4K-5M situated in village Morhana, Teh. Taran, Disttt. Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 320 of April, 1978 of Registering Authority Tarn Taran, Distt. Amritsar.

G. L. GAROO.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 6-11-1978

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th November 1978

Ref. No. ASR/78-79/68.—Whereas, I, G. L. GAROO, IRS being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 16 situated at Joshi Colony, Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City, in April, 1978

for an apparent consideration

----

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 29C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Gurbachan Singh S/o Shri Ram Singh Cloth Merchant, Bazar Tahli Sahib, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Sushil Chand S/o Shri Shankar Dass, Shri Satish Kumar S/o Shri Sushil Kumar Guru Bazar, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.

  [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazettee or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, which 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land No. 16, Joshi Colony, Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 162 of April, 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

G. L. GAROO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 6-11-1978

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th November 1978

Ref. No. ASR/78-79/69.—Whereas, I, G. L. GAROO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot of Land No. 16 situated at Joshi Colony, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City, in April, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

 Shri Attar Singh S/o Shri Ram Singh Cloth Merchant Bazar Tahli Sahib, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Sushil Chand S/o Shri Shankar Dass, Shri Satish Kumar S/o Shri Sushil Kapoor Guru Bazar, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
  [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land No. 16, Joshi Colony, Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 161 of April, 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

G. L. GAROO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 6-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th November 1978

Ref. No. ASR/78-79/70.—Whereas, I, G. L. GAROO<sub>4</sub> being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Kothi No. 36 situated at Green Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Amritsar City, in April, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Shakuntala Devi Wd/o Shri Sohan Lal and Smt. Jina Devi Sud W/o Shri Jatinder Sud and Smt. Vishali D/o Shri Jatinder Sud, 96 Green Avenue, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Lajwanti Wd/o Shri Dina Nath Mahajan C/o Shri Mahajan Advocate R/o Dhariwal, Distt. Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.

  [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Kothi No. 36, Green Avenue, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 38 of 31-3-78/3-4-78 of Registering Authority, Amritsar City.

G. L. GAROO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range, Amritsar.

Date: 6-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th November 1978

Ref. No. ASR/78-79/71.—Whereas, I, G. L. GAROO, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

House No. 2032-2271/4 situated at Batter Banton Wale, Amritsar City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Amritsar City in March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 S/Shri Avtar Singh, Rajpal S/o Sewa Singh, Smt. Swaran Kaur Wd/o Shri Sewa Singh, R/o M-3 Green Avenue, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri S. S. Anand S/o Shri Makhan Singh House No. 2032-2271/4 New No. 2261/VI-10, Bazar Bansan Wala, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.

  [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 2032-2271/4 New No. 2216/VI-10 Bazar Bansan Wala, Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 4409 of March, 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

G. L. GAROO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 7-11-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th November 1978

Ref. No. ASR/78-79/72.—Whereas, I, G. L. GAROO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House No. 2246/11-30 situated at Kt. Ahluwalia, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kanshi Ram S/o Shri Niddan Chand and Smt. Lejyawati W/o Shri Kanshi Ram, Kucha Kemal Din Kt. Ahluwalia, Amritsar.

(Transferor)

(2) Bibi Bendena D/o Smt. Brij Lata, Kucha Kemal Din Kt. Ahluwalia, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any, [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House Property No. 2948, 2720, 2953/2 and 2246/11-30 Kucha Kemal Din Kt. Ahluwalia, Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 4532 of March, 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

G. L. GAROO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 7-11-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th November 1978

Ref. No. ASR/78-79/73.—Whereas, I, G. L. GAROO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

and bearing No. House property No. 3411/12 & 137/XII-2 situated at J/S Hathi Gate, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amritsar City in March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

 S/Shri Ram Das, Shankar Dass, Kesho Ram, Nihal Chand and Beli Ram Ss/o Shri Sita Ram Smt. Manorma Mehra Wd/o Bhagwan Dass Harish Mehra, Ravinder Mehra S/o Bhagwan Dass Smt. Shashi Khanna & Lalita Mehra D/o Bhagwan Dass I/s Hathi Gate, Amritsar.

(Transferror)

(2) Shri Ramesh Kumar Mehra S/o Shri Nihal Chand Mehra House No. 3411/12, 137/XII-2, Inside Hathi Gate. Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.
  [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 3411/12 and 137/XII-2, Inside Hathi Gate, Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 4533 of March, 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

G. L. GAROO.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 7-11-78

Soal :

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th November 1978

Ref. No. ASR/78-79/74.—Whereas, I, G. L. GAROO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

H. No. 2534 situated at Gali Hira Chaudhari Ramsar Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-24--346GJ /78

(1) Shri Jaswant Singh S/o Shri Jia Ram Singh R/o H. No. 2539-A/V-18, Gali Hira Chaudhari Ramsar Road. Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Gurbachan Singh S/o Shri Bhagat Singh R/o No. 2539-V-18, Gali Hira Chaudhari Ramsar Road, Amritsar. Shri Jaswant Singh S/o Shri Aya Singh C/o H. No. 2539/V-18, Gali Hira Choudhary Ramsar Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As lat Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.
  [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/2 portion of House No. 2539/V-18 Gali Hira Choudhari Ramsar Road, Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 5934 of March, 1978 of the Registering authority Amritsar City.

> G. L. GAROO, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 9-11-1978

Scal .

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

# TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th November 1978

Ref. No. ASR/78-79/75.—Whereas, I, G. L. GAROO, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

1/2 Storey of House No. 2539/V-18 situated at Gali Hira Chaudhary, Ramsar Road, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar City in March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to the disclosed by the transferee (or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt Avtar Kaur W/o
 Jaswant Singh
 No. 2539/V-18, Gali Hira Chaudry, Ramsar Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Jaswant Singh S/o Shri Aya Singh, Nirankari Bhawan, Chowk Pragdass, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any, [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/2 portion of House No. 2539/V-18, Gali Chaudhry Ramsar Road, Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 5936 of March, 1978 of Registering Authority, Amritsar City. G. L. GAROO, (IRS),

G. L. GAROO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 9-11-1978

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th November 1978

Ref. No. ASR/78-79/76.—Whereas, I, G. L. GAROO, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

House property No. 1336-1342/VIII-17 situated at

Lawrance Road, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar City in March 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely:—

 Shri Manohar Lal S/o Shri Hari Chand, Radha Swami Rd. Amritsar.

(Transferor)

 Smt. Chanchal Mehra W/o Shri Yash Pal Mehra, Kt. Khazana, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.
  [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House property No. 1336, 1342/VIII-17, Lawrance Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 4449 of March, 1978 of Registering Authority Amritsar City.

G. L. GAROO.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 10-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th November 1978

Ref. No. ASR/78-79/77.—Whereas, I, G. L. GAROO, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property situated at Beri Gate, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in March 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely:—

Shri Hari Kishan
 Sho Shri Bishan Dass,
 I/S Beri Gate, Amritsar.

(Transferor)

(2) S/Shri Ram Parkash, Om Parkash, Naud Kishore S/o Shri Bishan Dass, I/S Beri Gate, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.
  [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House property I/S Beri Gate Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 4552 of March, 1978 of Registering Authority Amritsar City.

G. L. GAROO,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 10-11-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd October 1978

Rcf. No. Raj/IAC (Acq)450.—Whereas I, M. P. VASISHTHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Ahore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Ahore on 22-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ranchod Dass Maheshoweri Rathi and others residents of Ahore, District Jalore (Rajasthan)
  (Transferor)
- (2) Shri Bhanwarlal S/o Sukhraj Oswal, Ahore.

(Tranferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Part of the house property situated in Pani ki Sari, Ahore, Distt. Jalore and more fully described in the conveyance deed registered by the S.R. Ahore vide registration No. 54 dated 22-2-1978.

M. P. VASISHTHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 23-10-1978

Scal:

(1) Shri Ranchod Dass Maheshoweri Rathi and others residents of Ahore, District Jalore (Rajasthan) (Transferor)

(2) Shri Sukhraj S/o Jairoopchand and Baboolal S/o Sukhraj, Oswał, Ahore.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd October 1978

Ref. No. Raj/IAC (Acq)457.—Whereas I, M. P. VASISHTHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

situated at Ahore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahore on 22-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of the house property situated in Pani ki Sari, Ahore, Distt. Jalore and more fully described in the conveyance deed registered by the S.R. Ahore vide registration No. 53 dated 22-2-1978.

M. P. VASISHTHA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 23-10-1978

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, **JAIPUR** 

Jaipur, the 23rd October 1978

No. Raj/IAC (Acq)/461.—Whereas I, VASISHTHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6/483, situated at Beawar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beawar on 22-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely:-

(1) Shri Ramswaroop S/o Baxiramji raipuria self and manager karts of HUF Madhopuria Mohalla, Beawar.

(Transferor)

(2) M/s. Ramsahai Surajmal through partner Shri Surajmal Chotisadri, Distt. Chittorgarh.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop bearing No. 6/483 situated at Fathepuria Bazar, Beawar and more fully described in conveyance deed Registered by S.R. Beawar, vide registration No. 320 dated 22-2-1978.

> M. P. VASISHTHA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date: 23-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri Pawankumar S/o Shri Gulabchand Gupta, resident of Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Shri Lajpatrai S/o Maniram Bishnoi resident of Sriganganagar.

(Tansferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd October 1978

Ref. No. Raj/IAC (Acq)/464.—Whereas 1, M. P. VASISHTHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 17-2-1978

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 6 bigha 5 biswa located at Chak No. 3-A Choti and more fully described in sale deed registered by S.R. Sriganganagar vide registration No. 186 dated 17-2-1978.

M. P. VASISHTHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 23-10-1978

Scal:

# PORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 23rd October 1978

Ref. No. Raj/JAC (Acq/465).—Whereas I, M. P. VASISHTHA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sriganganagar on 15-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
25-346GI/78

(1) Vikaramkumar S/o Shri Gulabchand Gupta, resident of Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Shri Lajpatrai S/o Maniram Bishnoi resident of Sriganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 6 bigha 5 biswa situated at 3-A Choti and more fully de cribed in sale deed registered by SR. Sriganganagar vide registration No. 187 dated 15-2-1978.

M. P. VASISHTHA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Incomesax,
Acquisition Range, Jaines

Date: 23-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 23rd October 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/466.—Whereas I, M. P. VASISHTHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sriganganagar on 16-2-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Vikram Gupta S/o Sh. Gulabchand Gupta resident of Srlganganagar.

(Transferor)

(2) Shri Mahenderkumar S/o Mani Ram Bishnoi, resident of Sriganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Exclanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 6 bighas 5 biswas ituated at Chak No. 3-A Choti and more fully described in sale deed registered by S.R. Sriganganagar vide registration No. 182 dated 16-2-1978.

M. P. VASISHTHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalpur

Date: 23-10-1978

Senl:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

# SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd October 1978

Raj/IAC (Acq)/467.—Whereas J, M. P. VASISHTHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 23-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Pawankumar S/o Sh. Gulabchand Gupta resident of Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Shri Mahenderkumar S/o Mani Ram Bishnoi, resident of Sriganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

# THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 6 bigha 5 biswa located Chak No. 3-A Choti and more fully described in sale deed registered by S.R. Sriganganagar vide registration No. 181 dated 23-2-1978.

> M. P. VASISHTHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date: 23-10-1978

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 28th September 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1125/78-79.—Whereas I, D. C. GOEL.

being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. Land, stuated at Teh. Mundwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mundwara on 23-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Dorabi S/o Kavasji &
  - Smt. Nargisdevi w/o Temras ji, Subhash Wd, Katni, Dist. Jabalpur.

(Transferors)

- (2) S/Shri 1. Jodharam S/o Budharmal; r/o Katni Camp, Katni;
  - Radha Krishna s/o Sukhramdas, r/o Hamunaganj, Katni;
  - 3. Sunderdas s/o Larikram, Shanti Nagar, Katni;
  - 4 Gyanchand s/o Karamchand, Katni Camp;
  - 5. Rameshkumar s/o Naraindas, Gandhi Ganj, Katni;
  - Kanhaiyalal s/o Laxmichand, Jay Prakash Wd., Katni;
  - Sunderdas s/o Hotaldas, Shantinagar, Katni;
  - Nandlal s/o Saugatrai, Katni Camp, Katni &
  - Motilal s/o Sodoromal, Binoba Ward, Katni.

(Fransferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

8—504 hectare land at Mauja Tikurce, Tehsil Mundwara, District Jabalpur-more fully described in instrument of transter registered by the Sub Registrar, Mundwara at No. 798 of 1978.

D. C. GOEL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 20-9-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 28th September 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1126/78-79.--Whereas I, D. C. GOFI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Bunglow, situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 1-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Ghanshyamdas s/o Badrilalji Goel;
  - (ii) Omprakash s/o Ghanshyamdas;
  - (iii) Ashok Kumar s/o Ghanshyamdas; (iv) Maheshkumar s/o Ghanshyamdas,
    - all r/o 7, Janki Nagar, Annexee-No. 1, Indore.

(Transferors)

- (2) Smt. Ratandevi w/o Shri Pannalal Bokadia;
  - (ii) Smt. Prakash Kunwar w/o Shri Premchand Bokadia; r/o Bunglow No. 7, Janki Nagar Annexee No. 1, Indore

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Bunglow No. 7, Janki Nagar Annexee-I, Indore.

D. C. GOEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 28-9-1978

 Shri Subhashchandra Kaluramji Vyas (Yadav), Yadav Mandi, Neemuch Cantt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Pushpabai w/o Shri Hotumalji Sindhi, Sindhi Colony, Neemuch Cantt.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 28th September 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1127/78-79.—Whereas I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House, situated at Indore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 31-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of to-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Two storeyed house on Plot No. 40, Jawahar Nagar, Neemuch Cantt.

D. C. GOEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 28-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 28th September 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1128/78-79.—Whereas I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House, situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 28-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Madanlal s/o Lakhmidas Khanna, r/o 11, Tamboli Bakhal, Indore.

(Transferor)

(2) (i) Shri Ashutosh s/o

Ishwarchand; &

(ii) Smt. Kamladevi w/o Ishwarchand Upadhaya,
r/o 24/1, Chhipa Bakhal,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Eastern half Portion of H. No. 11, Tamboli Bakhal, Indore.

D. C. GOEL
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 28-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Madanlal Lakhmidas Khanna, r/o 11, Tamboli Bakhal, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Ishwarchandra s/o Shri Radha Kishan Upadhaya, 24/1, Chipa Bakhal, Indore.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 28th September 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1129/78.79.—Whereas I, D. C.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House, situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Indore on 28-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concemiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely :-

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Western half portion of H. No. 11, Tamboli Bakhal,

D. C. GOEL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal

Date: 28-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 28th September 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1130/78-79.-Whereas I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House, situated at Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Ratlam on 20-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-26-346GI/78

 (1) Shri Sukhlal Trivedi s/o
 Shri Jogeshwar Trivedi; &
 (ii) Smt. Dhuribai w/o Shri Sukhlal Trivedi,
 r/o Village Damodi, Teh. Dungarpur (Rajasthan).

(Transferor)

(2) Shri Taherbhai, Mohd. Hussain Bohra, r/o Chandni Chowk, Ratlam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

H. No. 32, Station Road, Ratlam.

D. C. GOEL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal

Date: 28-9-1978

Seel ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 28th September 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1131/78-79,—Whereas I, D. C. GOEL,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot, situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Indore on 1-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object to:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269°D of the said Act to the following persons namely:—

 Smt. Pukhrajbai w/o Shri Jagdishsinghji Mehta, r/o Manoramaganj, Indore.

(Transferor)

(2) Shrı Santok Singh s/o Amar singhji, Agnani, r/o Nepa Nagar (M.P.).

(Transferco)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Open Plot No. 4, at Victory State Colony, Residency, Area, Indore.

D. C. GOEL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 28-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

BHOPAL M.P.

Bhopal, the 28th September 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1132/78-79.—Whereas I, D. C. GOEL.

being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House, situated at Indore

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 14-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tansferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 (i) Shri Motilal Jain s/o Shri Mojilalji Jain;
 (ii) Shrimati Ashalata w/o Shri Motilalji Jain,
 r/o 8, Rupram Nagar, Indore.

(Transferors)

(2) (i) Shri Balraj s/o Shri Dayaramji.

(ii) Shri Amarlal;(iii) Smt. Shantidevi w/o Shri Fatehchandji,

r/o 12 to 15, Rupram Nagar, Indore.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House on Plot No. 12, 13, 14 & 15, Rupram Nagar, Indore

D. C. GOEL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bhopal

Date: 28-9-1978

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 28th September 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1133/78-79.--Whereas I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House, situated at Indore

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 23-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faicilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor of pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Krishnarao Raghunathrao Phadnis, 100, Rupram Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Pramilabai w/o Shri Damodarji Dubey, H. No. 72, Main Road, Nandlalpura, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

M. House No. 100, on Plot No. 113, Rupram Nagar, Indore.

D. C. GOEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 28-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Yeshwant s/o Vinayak Dabir, r/o 8, Nagar Nigam Marg, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Digamber s/o Ganesh r/o 59B, Rajendra Nagar, Indore.

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOMP.TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 28th September 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1134/78-79.—Whereas I, D. C. GOEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House, situated at Rajendra Nagar Colony, Indore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 9-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) falcilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faicilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House on Plot No. 295, in Rajendra Nagar Colony, situated at Indore.

D. C. GOEL
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 28-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Madanlal s/o Narayan Prashad, Agnihotri,
 r/o Shantinagar Jain Colony, Sirpur, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Keshrimal s/o Mishrilal Jain, r/o Shantinagar Jain Colony, Indore.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 28th September 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1135/78-79.—Whereas I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House, situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 13-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

First, Second & Third floor of H. No. 66, Kailash Marg, Indore.

D. C. GOEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 28-9-1978

# FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE,

BHOPAL M.P.

Bhopal, the 28th September 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1136/78-79.—Whereas I, D. C. GOEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House, situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 1-2-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Madanlal s/o Narayan Prashad Agnihotri, r/o Rajendra Auto Service Petrol Pump, Sirur, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Mishrimal s/o Gulabchand Jain, r/o Shanti Nagar Jain Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that 'Chapter.

# THE SCHEDULE

Ground floor of H. No. 66, Kailash Marg, Indore, M.P.

D. C. GOEL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition : Range, Bhopal

Date: 28-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 28th September 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1137/78-79.—Whereas I, D. C. GOEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House, situated at Jaora

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaora on 14-2-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sushilabai w/o Shri Babulalji Kolan, r/o Azad Chowk Jaora, Dist. Ratlam.

(Transferor)

 Smt. Dakhabai w/o Shri Sobhagmal Mahajan, r/o 12, Sutaripura, Jaora, Dist. Ratlam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

H. No. 12, Sutaripura, Jaora.

D. C. GOEL
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bhopal

Date: 28-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 29th September 1978

Ref. No IAC/ACQ/BPL/1138/78-79.—Whereas I, D. C. GOFI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'spid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot, situated at Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 20-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said iffstrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
27—346GI/78

Smt. Tulsabai w/o Shri Ratanchand Chauhda &
 Shri Ratanchand s/o
 Shri Vallabhdas Chauhda,
 r/o Gan Ghat Colony, Ujjain,

(Transferois)

 (2) 1. Smt. Priti Bhargava W/o Shri Kuldeep Bhargava, &
 2. Shri Kuldeep Bhargava S/o Shri Shankarlalji Bhargava,
 1/o Kamla Nehru Marg, Ujjain,

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 5, at Ram Krishna Colony University Dewas Road, Ujjain.

D. C. GOEL.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Bhopal.

Date: 29-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 29th September 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1139/78-79.—Whereas I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House, situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 9-2-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I

have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Rajkumari w/o Dr. Gyanchandji Pahadiya, r/o 1, Chhoti Gwaltoli, Indore.

(Transferor)

- 1. Smt. Kalawati w/o Dr. Karanmal Salgiya, Presently at Chicago (America), through Rakesh s/o Karanmal Salgiya;
  - 2. Shri Rakesh s/o Karanmal Salgiya, 43/1, Kamla Bhawan, Indore &
  - Shri Ravi s/o Dr. Karanmal Salgiya (minor), through mother Smt. Kalawati; through: Aam-Mukhtyar Rakesh Salgiya.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 35 Old, New No. 44, South Tukoganj, St. No. 2, Indore with land beneath and open land. More fully described in form No. 37G-Document No. 712, dt. 9-2-1978.

D. C. GOEL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 29-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 29th September 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1140/78-79.—Whereas I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Shop, situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 2-2-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Jagdishchand s/o Shri Rameshwar Dayal &
 Sow. Sushiladevi d/o Shri Girdharilalji, r/o Jaora Compound, Indore.

(Transferors)

 Shri Mohanlal s/o Ghisalalji, r/o Gram Baru Phatak, Dist. Khargone.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made n writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter. XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop 19'×8' at plot Nos. 55 & 56, situated at "Nazar Bag" of the west of Rajbada, Indore.

D. C. GOEL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 29-9-1978

(1) Shri Vikramkumar s/o Babba Bhai, r/o Relicf Road, Ahemdabad.

(Transferor)

(2) Smt. Shantaben wd/o Babba Bhai, r/o Bada Sarafa, Ujjain.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 29th September 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1141/78-79.—Whereas I, D. C. GOUL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House, situated at Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ujjain on 6-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Three storyed house Mpl. No. 4, 590 New No. 149 situated at Bada Sarafa, Ujjain.

D. C. GOEL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 29-9-1978

#### FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 29th September 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1142/78-79.—Whereas I, D. C. GOEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House, situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 20-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Chaturbhuj s/o Jugalkishoreji Chitoda, r/o North Rajmohalla, St. No. 1, (H. No. 25), Indore; & Smt. Radhav Bai w/o Shri Navnitlalji, r/o North Raj Mohalla, St. No. 3, H. No. 5, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Ramgopal s/o Motilalji Medatwal, r/o II. No. 16/2, Dalia Patti, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

H. No. 25, Street No. 1, situated at North Raj Mohalla, Indore (Western Portion).

D. C. GOEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopai.

Date: 29-9-1978.

Scal:

#### FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 29th September 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1143/78-79.—Whereas I, D. C. GOEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Bunglow situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on 202-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Harkishanlal s/o Kuljasrai, Bhatia, r/o
 3/3, New Palasia, Indore.

(Transferor)

Smt. Shyamadevi w/o Shri Harnarayan Jajodia
 Smt. Pramiladevi w/o Shri Devkinandan.. &
 Shri Krishnakumar s/o Harnarayan Jajodia,
 r/o 236, M.T. Cloth Market,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Bunglow constructed on 3/3, New Palasia, Indore-Area: 60'×80'.

D. C. GOEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 29-9-1978.

FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 29th September 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1144/78-79.—Whereas, I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Raipur

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Raipur on 27-2-78

for an apparent consideration

#### which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) Dr. R. P. Pandey s/o Rampyare Pandey r/o Military Hospital, Bairagarh, Bhopal. (Transferor)
- (2) Smt. Hansa devi Pandey wd/o Shri Ramdulare Pande, Maudhapara Raipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot alongwith house—measuring 4060 Sq. ft. situated at Rajendra Nagar, Rajkumar College, Raipur.

D. C. GOEL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Dated: 29-9-1978

Scal;

FORM ITNS ---

 Shri Narendrakumar Tikamdas Gupta r/o Kasera Bazar, Burhanpur & 2. Shri Mahendra s/o Rupchand Shah, r/o Doudpura, Burhanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Kaluram & 2. Shri Narayan, both sons of Onkar Sonar, r/o Karanj Bazar, Teh. Burhanpur.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 29th September 1978

Rcf. No. IAC/ACQ/BPL/1145/78-79.—Whoreas, I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/and bearing No.

Agrl. Land situated at Jainabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Burhanpur on 24-2-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agrl. land: area 7.37 Acres (2-983 Hects.), New Khasra No. 425 at Mouza Jainabad, Teh. Burhanpur.

D. C. GOEL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Dated: 29-9-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACOUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 29th September 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1146/78-79.—Whereas, I, D. C. GOEL,

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

Bunglow & land situated at Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 20-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely:—
28—346GI/78

 Shri S. Sindhai Ishwari Prasad s/o Shri S. C. Rai Bahadur Munnalal Jain, r/o Nargharyya, Bhaldarpura, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Ravindrakumar Sharma s/o Shri Bhaiyyalalji Sharma, r/o 765, Napier Town, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Bunglow No. 286, 287, 289, at Napier Town. Nazul Sheet No. 4, Plot No. 25, with land, at Jabalpur (More fully described in Document No. 716, dated 20-2-78, registered by Sub Registrar, Jabalpur).

D. C. GOEL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Dated: 29-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  Shri Decpakrao s/o Balwantrao Mahajan, r/o Maheshwar W. Nimar, Khargone.

(Transferor)

(2) Shri Jagdishchand s/o Dhannalal Patidar, r/o of Kundiya, Teh. Mahcshwar, W. Nimar, Khargone.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 29th September 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1147/78-79.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Village Kundiya,

(and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Maheshwar on 6-2-78

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings—for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land at village Kundiya, Teh. Maheshwar, No. 18, Rakba 7-30 acres.

D. C. GOEL, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Dated: 29-9-1978

Seal;

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Sunitadevi w/o Babulal Sharda, r/o Mhow; 2. Smt. Gitadevi w/o Sitaram Sharda, r/o Bunglow No. 86, Sharda Bhawan (at present Udaipur (Raj.), through Aam Mukhtyyar Shri Babulal Sharda, r/o Mhow.

(Transferors)

(2) 1. Shri Poonamchand s/o Bhagirath, 2. Shri Parmanand; 3. Shri Jagdish; 4. Shri Rameshchand; 5. Shri Deoram, all sons of Shri Bhagirath (at present residing at village Kakaria, Post Manpur, Teh. Mhow.

(Transferees)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 30th September 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1148/78-79.—Whereas, I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl, land situated at Village Kakaria,

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mhow on 16-2-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the sai dproperty may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agrl. land at village Kakaria-Post Manpur, Tch. Mhow-7.39 Acres, Kh. No. 168/1 & 169, with well & Motor Pump, electric fitting and agri. standing crop with Kutcha House.

D. C. GOEL,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquiistion Range Bhopal.

Dated: 30-9-1978

Seal ·

### FORM ITNS ----

(1) Shri Charanpal Singh s/o Shri Ujjal Singh, r/o Sangrur.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING.

Ludhiana, the 16th October 1978

Ref. No. SNG/37/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Land measuring 5 kanal 4 marlas situated at Ubhawal Road, situated at Sangrur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Sangrur in February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) M/s Jagdamba Rice Mills, Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 5 kanal 4 marlas situated at Ubhawal Road, Sangrur.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2099 of February, 1978 of the Registering Officer, Sangrur).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range, Ludhiana.

Dated: 16-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING.

Ludhiana, the 16th October 1978

Ref. No. SNG/38/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring 5 kanal 4 marias (1/4th of 20 K 16 M) situated at Sangrur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sangrur in February, 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jugraj Singh s/o Shri Ujjal Singh, r/o Sangrur.
  (Transferor)
- (2) M/s Jagdamba Rice Mills, Ubhawal Road, Sangrur.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 5 kanal 4 marlas situated at Ubhawal Road, Sangrur.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2100 of February, 1978 of the Registering Officer, Sangrur).

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range, Ludhiana.

Dated: 16-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING.

Ludhiana, the 16th October 1978

Ref. No. SNG/36/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 10 Kanal 8 Marlas (1/2 of 20 kanal 16 marlas) situated at Sangrur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangrur in February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought or be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Baldev Kaur w/o Shri Ujjal Singh, r/o Sangrur (Road Ubhawal).

  (Transferor)
- (2) M/s Jagdamba Rice Mills, Ubhawal Road, Sangrut. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 10 Kanal 8 Marlas situated at Ubhawal Road, Sangrur,

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2098 of the February, 1978 of the Registering Officer, Sangrur).

NATHU RAM.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range, Ludhiana.

Dated: 16-10-1978

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING.

Ludhiana, the 16th October 1978

Ref. No. LDH/R/103/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 26 kanal 11 marlas situated at Village Hiran, Teh. Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Ludhiana in February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Shri Waryam Singh s/o Shri Daya Singh, r/o Villag: Hiran, Teh. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Abhey Kumar Oswal s/o Shri Vidya Sagar, r/o 396/B-19, Civil Lines, Ghumar Mandi, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 26 kanal 11 marlas situated at Village Hiran, Tehsil, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No 5943 of February, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana

NATHU RAM.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Dated; 16-10-1978

(1) Shri Waryam Singh s/o Shri Daya Singh, r/o Village Hiran, Teh. Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Abhey Kumar Oswal s/o Shri Vidya Sagar Oswal, r/o 396/B49, Ghumar Mandi, Ludhiana.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING.

Ludhiana, the 16th October 1978

Ref. No. LDH/122/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 24 kanal 19 marlas situated at Village Hiran, Distt. Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 24 kanal 19 marlas situated at Village Hiran, Teh. Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 6050 of February, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Dated: 16-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

### SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING.

Ludhiana, the 16th October 1978

Ref. No. LDH/R/128/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 21 kanal situated at Village Hiran, Ludhiana, situated at Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
29—346GI/78

 Shri Waryam Singh s/o Shri Daya Singh, r/o Villag: Hiran, Tehsil, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Abhey Kumar s/o Shri Vidya Sagar, Oswal, r/o 396/B19, Ghumar Mandi, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 21 kanal situated at Village Hiran, Teh. & Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 6090 of February, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana)

NATHU RAM,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Ludhiana.

Dated: 16-10-1978

 Shri Dayal Singh son of Shri Mota Singh, r/o Vilage Bhukhri Kalan Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Sohan Singh s/o Shri Ishar Singh, r/o Village Bhukhri Kalan, Tehsil Ludhiana.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ludhiana, the 16th October 1978

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. LDH/R/117/78-78.—Whereas, I, NATHU RAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 31 kanal 3 marlas Village Bhukhri Kalan, Tehsil Ludhiana, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the (Registering Officer at

Ludhiana in February, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 31 kanal 3 marlas situated at Village Bhukhri Kalan, Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 5947 of February, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act', to the following persons namely:—

Dated: 16-10-1978

Şeal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

### 1) Shri Dayal Singh son of Shri Mota Singh, r/o Village, Bhukhri Kalan, Tehsil Ludhiana

(Transferor)

(2) Shri Sohan Singh s/o Shri Ishar Singh, r/o Village Bhukhri Kalan, Tehsil Ludhiana, (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING.

Ludhiana, the 16th October 1978

Ref. No. LDH/R/106/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land measuring 38 kanal 8 marlas village Bhukhri Kalan, Teh. Ludhiana situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in February, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Sald Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely :--

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 38 kanal 8 marlas situated at village Bhukhri Kalan, Tehsil Ludhiana. (The Property as mentioned in the Registered Deed No. 6041 of February, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

> NATHU RAM, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ludhiana.

Dated: 16-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING.

Ludhiana, the 16th October 1978

Ref. No. LDH/R/108/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 45 kanals village Bhukhri Kalan, Distt. Ludhiana situated at Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in February 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the 'said Act',
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

 Shri Dayal Singh s/o Shri Mota Singh, r/o Village Bhukhri Kalan, Teh. Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Shri Gulwant Singh and Didar Singh sons of Shri Sohan Singh, r/o Village Bhukhri Kalan, Tehsil Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring
Bhukhri Kalan, Teh. Ludhiana.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 5996 of February, 1978 of the Registering Office, Ludhiana).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Dated: 16-10-1978

Scal ---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING.

Ludhiana, the 16th October 1978

Ref. No. JGN/52/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land measuring 7 kanal village Agwar Gujran Teh. Jagraon,

Distt. Ludhiana situated at Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagraon in February, 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Dalip Kaur, Smt. Paramjit Kaur and Smt. Saranjit Kaur daughters of Sh. Tarlok Singh, r/o Village Agwar Gujran, Teh. Jagraon, Dist. Ludhiana.

(Transferor)

(2) The Jagraon Rice Mills, Jagraon, Distt. Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 7 kanal situated at Agwar Gujran, Teh. Jagraon. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 4523 of February, 1978 of the Registering Officer, Jagraon).

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Dated: 16-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th October 1978

Ref. No. Ldh/322/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot measuring 480 sq. Yds situated at 3-A, Industrial Area A, Ludhiana with boundry wall.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Ludhiana in February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facili tating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mone ys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferee for the purpos es of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby init late proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2.69D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Abnash Kumar s/o Sh. Sat Parkash and Smt. Kiran Mittal w/o Sh. Abnash Kumar, 1061 Singlawala Shivala Road, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Mail Kaur wd/o Shri Gurbachan Singh, r/o 223 Indl. Area A, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot measuring 480 Sq. Yds. situated at 3-A Industrial Area A, Luhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3570/Feb. 78 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhlana.

Date: 16-10-1978

#### \_\_\_

FORM ITNS—-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

PART III-SEC. 1]

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 16th October 1978

Ref. No. CHD/119/77-78.—Whereas I, NATHU RAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property No. 309, Sector 21-A, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transfer to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192° (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Harinder Singh Dhinsa s/o Shri Ishar Singh r/o P-3, Gurunanak Dev University, Amritsar.

(Transferor)

(2) S/Shri Thakur Dass s/o Sh. Nathu Ram, Smt. Chinti w/o Sh. Thakur Dass, Mr. Kapil Dev, Rachhpal Chand and Tirath Ram sons of Sh. Thakur Dass, r/o Chagon Guru Ki Tehsil Garhshankar, Distt. Hoshiarpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House property No. 309, Sector 21-A, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 1420 of March, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 16-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 16th October 1978

Ref. No. CHD/117/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House property No. 547, Sector 8-B, Chandigarh. situated at Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhagwan Dass Gupta s/o Shri Hem Raj, r/o H. No. 221-R, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Amrik Singh Randhawa s/o Shri Udham Singh Randhawa, Randhawa Bhawan, Ajnala, Diatt. Amritsar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House Property No. 547, Sector 8-B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1396 of March, 1978 of the Registered Officer, Chandigarh.)

NATHU RAM.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 16-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 16th October 1978

Ref. No. CHD/115/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House property No. 1401, Sector 22-B, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) faicilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faicilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
30—346GI/78

(1) Shri B. S. Bal, s/o Late Sh. Nawab Singh r/o H. No. 48, Sector 27-A, Chandigarh.

(Transferor

(2) Shri Jaswinder Singh (minor) s/o Sh. Suba Singh, and Sh. Suba Singh s/o Sh. Sawan Singh r/o H. No. 1900, Sector 22-B, Chandigarh.

(Transferee)

(3) Shri K. L. Verma, r/o H. No. 1401, Sector 22-B, Chandigarh.

(Person in occupation of the Property)

(4) Kumari Suraj and Sh. R. Mohindra, r/o H. No. 1401, Sector 22-E, Chandigarh.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

House property No. 1401, Sector 22-B, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 1379 of March, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 16-10-1978

### FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 16th October 1978

Ref. No. CHD/101/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property No. 1243, Sector 22-B, Chandigarh. (and more fully described in the Schedule)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mone's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Smt. Savitri Devi w/o Shri Puran Singh, r/o Puran Singh Da Dhaba, near Bus Stand, G. T. Road, Ambala Cantt.
  - (Transferor)
- (2) Shri Ram Parshad Sharma s/o Sh. Mohan Lal Sharma, Shri Lal Chand Sharma, s/o Sh. Ram Parshad Sharma, r/o Set No. 2, Thandi Kothi, Simla-1. (Transferee)
- (3) Shri Mehar Singh, r/o 1243, Sector 22-B, Chandigarh.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

### THE SCHEDULE

House property No. 1243, Sector 22-B, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 1205 of February, 1978 of the Registering Officer, Chandi-

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 16-10-1978

Seal:

garh).

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 16th October 1978

Ref. No. SOL/1/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- as

bearing No.
4/6th share of the land comprised in Khewat/Khatauni

No. 1/10M in Khasra No. 829 measuring 1463 Sq. metres situated in lower Bazar, Solan.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Solan in February 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arcresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Om Parkash, Sh. Sat Pal sons of Sh. Ratti Ram, Smt. Kamla Devi daughter of Sh. Ratti Ram and Smt. Janki Wd/o Sh. Ratti Ram, r/o Lower Bazar, Solan.

(Transferor)

(2) Shri Inder Singh and Shri Surinder Kumar sons of Sh. Sant Ram r/o Changar Village, Tch. Solan. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersgined—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

4/6th Share of the land comprised in Khewat/Khatauni No. 1/10M in Khasra No. 829 measuring 1463 sq. metres situated in lower Bazar, Solan.

(The property as mentoned in the Registered Deed No. 56 of February, 1978 of the Registering Officer, Solan).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 16-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 16th October 1978

Ref. No. NBA/44/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land measuring 10 bigha 4 biswas situated at Village Duladi, Tehsil Nabha.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Mann Singh s/o Sh. Chanan Singh, r/o Village Duladi, Tehsil Nabha.

(Transferor)

(2) Shri Mangat Ram s/o Shri Ramji Dass, Amar Nath s/o Shri Buggar Mal,

Sh. Jagan Nath, Sh. Amar Nath,

Sh. Bhagwan Dass,

Sh. Rattan Lal,

Sh. Gajjan Mal s/o Sh. Ruldu Ham, Sh. Tarsem Lal s/o Shri Net Ram,

Sh. Gian Chand,

Shri Bishan Lal s/o Sh. Charan Dass, c/o M/s Vijay Laxmi Industries, Duladi, Tehsil Nabha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 10 bigha 4 biswas situated at village Duladi, Tehsil Nabha.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2030 of February, 1978 of the Registering Officer, Nabha).

> NATHU RAM, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 16-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 16th October 1978

Ref. No. NBA/46/77-78.—Wherens, I, NATHU RAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 8 kanal 8 marlas situated at Nabha (and more fully described in the Schedule

ammexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Manjit Singh and Shri Gurcharan Singh sons of Sh. Inderjit Singh, r/o Nabha.

(Transferor)

(2) Shri Ramdhari Mal s/o Sh. Surasti Mal, Shri Lakhpat Rai and Johri Lal ss/o Shri Ramdharl Mal, onwers of (partners) M/s Sharda Mills, Thai Road, Nabha.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 8 kanal 8 marlas situated at Nabha.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2061 of February, 1978 of the Registering Officer, Nabha).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 16-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 16th October 1978

Ref. No. AML/29/77-78.—Whereas, I. NATHU RAM.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 3 bigha 3 biswas situated at Village Jasran, near Mandi Gobindgarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amloh in February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Inder Singh s/o Shri Jagat Singh, through Sh. Darshan Singh s/o Sh. Naranjan Singh, General Attorney, r/o Village Jasran, Sub. Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) M/s. United Iron & Steel Re-Rolling Mills (Regd.)
Mandi Gobindgarh.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 3 bigha 3 biswas situated at village Jasran, Sub. Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1402 of February, 1978 of the Registering Officer, Amloh).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 16-10-1978

### FORM ITNS ....

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 16th October 1978

Ref. No. AML/26/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 15 biswas situated at Vill Nasrali, near Gobindgarh,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amloh in February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shri Gian Chand s/o Shri Achhru Mal, r/o Mandi Gobindgarh.

(Transferor)

(2) M/s. Indian Mechanical Works, Mandi Gobindgarh, through Shri Narinder Kumar Gupta, Partner.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 15 biswas situated at Village Nasrali. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 1373 of February, 1978 of the Registering Officer, Amloh).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 16-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

### OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 16th October 1978

Ref. No. AML/25/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 2 bigha 8 biswas situated at village Jasran, Sub. Tehsil Amloh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Amloh in February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 S/Shri Darbara Singh, Amar Singh & Gurnam Singh sons of Shri Surjan Singh r/o Village Jasran, sub Tehsii Amloh, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) M/s Doaba Steel Rolling Mills, Mandi Gobindgarh, through Shri Narinder Kumar, partner.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 2 bigha 8 biswas situated at village Jasran, sub Tehsil Amloh, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1346 of February, 1978 of the Registering Officer, Amloh).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 16th October, 1978,

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 16th October 1978

Ref. No. DES/27/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agricultural land measuring 22 bighas 5 biswas

situated at Chhat, Sub. Teh. Dera Bassi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Dera Bassi in February, 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-31-346GI/78

(1) Shri Mahabir Chand s/o Shri Nanak Chand, r/o Vill. Chhatt, Sub. Teh., Dera Bassi.

(Transferor)

(2) Shrì Surinder Singh Kairon s/o Sh. Partap Singh, Kairon, and Shri Udey Partap Singh Kairon s/o Sh. Surinder Singh Kairon, r/o 28, Sector 4, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 22 bigha 5 biswas situated at village Chhatt, Sub. Teh. Dera Bassi.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1018 of February, 1978 of the Registering Officer, Dera Bassi).

> NATHU RAM. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 16th October, 1978,

### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 16th October 1978

Ref. No. DBS/29/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land measuring 22 bighas 5 biswas situated at village Chhatt, sub Teh. Dera Bassi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in February 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dharamvir Chand s/o Sh. Nanak Chand, r/o village Chhatt, Sub. Teh. Dera Bassi.

(Transferor)

(2) Shri Surindar Singh Kairon s/o Sh. Partap Singh Kairon, and Sh. Udey Partap Singh Kairon s/o Sh. Surinder Singh Kairon, r/o 28, Sector 4, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 22 bighas 5 biswas situated at Village Chhatt, Sub. Teh. Dera Bassi.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1020 of February, 1978 of the Registering Officer, Dera Bassi).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 16th Oct. 1978

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDNIG

Ludhiana, the 16th October 1978

Ref. No. DES/28/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agricultural land measuring 22 bighas 4 biswas village Chhatt, Sub. Teh. Dera Bassi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

at Dera Bassi in February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other acts which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Balbir Chand s/o Sh. Nanak Chand r/o village Chhatt, Teh. Dera Bassi.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Singh Kairon s/o Sh. Partap Singh and Sh. Udey Partap Singh Kairon s/o Shri Surinder Singh Kairon, r/o 28, Sector 4, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 22 bighas 4 biswas situated at village Chhatt, sub. Teh. Dera Bassi.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1019 of February, 1978 of the Registering Officer, Dera Bassi).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 16th October, 1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 16th October 1978

Ref. No. CHD/107/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House Property No. 3297, Sector 15-D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in February, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Rattan Dev Singh Chaudhry s/o Sh. Babu Singh, r/o 3297, Sector 15-D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Pritam Lal s/o Shri Chandu Ram, 3297, Sector 15-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 3297, Sector 15-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1294 of February, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 16th Oct, 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th October 1978

Ref. No. CHD/106/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 21 storeyed building on a plot of 300 sq. yds. situated at (property No. 835 Sector 16-D, Chandigarh) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Chandigarh in February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri S. C. Pandit s/o Pandit Nanak Chaud r/o H. No. 285, Sector 14-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Prem Sagar Dhawan & Mrs. Santosh Dhawan, r/o H.No. 35, Sector 16-A, Chandigarh,

(Transferee)

(3) 1. Shri Makhan Singh, (tenant) 835, Sector 16-D, Chandigarh.

> 2. Shrl J. L. Jhingan, 835, Sector 16-D, Chandigarh, (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the afortsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House Property No. 835 Sector 16-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1286 of February, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

> NATHU RAM Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 16-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

7328

### Mrs. Inder Kaur w/o Shri Sher Singh, r/o 597, Sector 8-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Jiwa Nand 8/0 Sh. Hans Raj, 594, Sector 8-B, Chandigarh.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 16th October 1978

Ref. No. CHD/104/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House Property No. 597, Sector 8-B, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 597, Sector 8-B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1243 of February, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 16th Oct. 1978

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Mrs. Promilla Rani w/o Shri Abe Kumar r/o 1095, Sector 21-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Joginder Pal Pathak s/o Shri Bansi Lal Pathak r/o 102, Sector 7-C, Chandigarh.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th October 1978

Ref. No. CHD/100/77-78.—Wheeras, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 101, Sector 7-C, Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid

property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

### THE SCHEDULE

Commercial Plot No. 101, Sector 7-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1200 of February, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

> NATHU RAM Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 16th Oct. 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 16th October 1978

Ref. No. CHD/96/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property/Plot No. 205, Sector 21-A, Chandigarh (Old No. 36-D) situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Harbans Singh, Kuldip Singh and Kartar Singh, r/o 3406, Hardhian Singh Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kulbir Singh Sara s/o Dara Singh, r/o H. No. 3062, Sector 19-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(36-D, Old No.) Plot No. 205, Sector 21-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1173 of February, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh),

NATHU RAM
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 16-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th October 1978

Ref. No. CHD/78/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House property No. 306, Sector 9-D, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Saral Nath Bali s/o Late Sh. Dina Nath Bali, r/o 2-B, Kalidas Road, Dehradun,

(Transferor)

(2) Shri Ravinder Krishan s/o Late Sh. Amar Nath, representing as Karta of his HUF known as M/s. Ravinder Krishan & Sons, r/o 1188, Sector 18-C, Chandigarh.

(Transferee)

(3) Shri H. S. Dhillon, Tenant, 306, Sector 9-D, Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property; within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House property No. 306, Sector 9-D, Chandigarh,

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1179 of February 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana,

Date: 16-10-1978

### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th October 1978

Ref. No. CHD/98/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S.C.O. Site No. 1, 2, 3, Sector 17-B, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Bimla Devl w/o Sh. B. N. Gupta, Sh. Virinder Gupta s/o Sh. B. N. Gupta, Mrs. Kumkum Gupta w/o Sh. V. Gupta, Miss Minakshi Gupta now Mrs. Minakshi Anand d/o Sh. B. N. Gupta, r/o 235, Sector 16-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Avtar Singh s/o Shri Harnam Singh, Shri Ranbir Singh, Sh. Rajbir Singh sons of Sh. Avtar Singh Miss Narinder Kaur, Miss Harbinder Kaur & Smt. Ranbir Kaur daughters of Sh. Avtar Singh, r/o H. No. 2061, Sector 15-C, Chandigath.

(Transferoe)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

S.C.O. Site 1, 2, 3-Sector 17-B, Chandigarh.

(The Property as mentioned in the Registered Deed No. 1184 of February, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 16-10-1978

 Shri Virender Puri s/o Sh. P. L. Puri, c/o Punjab Cooperative Bank Ltd., Railway Road, Iullundur.

(Transferor)

(2) Mrs. Birender Khuller w/o Sh. Pawan Khuller, r/o 137, Sector 9-B, Chandigarh.

(Transferee)

(3) Mrs. Mohani Khullar, 137, 9-B, Chandigarh.

[Person in occupation of the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th October 1978

Ref. No. CHD/120/77-78 —Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House Property No. 137, Sector 9-B, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, (1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House Property No. 137, Sector 9-B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Decd No. 1440 of March, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 16 October 1978.

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th November 1978

Ref. No. ASR/78-79/78.—Whereas, I, G. L. GAROO, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agrl. land Khasra No. 71/94-95 situated at

Vill. Kotlu Mughlan Teh. Pathankot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pathankot in March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which rught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely:—

 S. Harpal Singh S/o Harnak Singh Abrol Nagar, Pathankot.

(Transferor)

(2) Smt. Balwinder Kaur W/o S. Iqbal Singh S/o S. Harnak Singh, Abrol Nagar, Pathankot.

(Transferee)

- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.
  [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of thics notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 66-K-14-marlas including a house and tubewell in Kotli Mughlan Teh. Pathankot as mentioned in the Registered Deed No. 5505 of March, 1978 of Registering Authority Pathankot.

G. L. GAROO, (IRS),
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-11-1978